1

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 09 | गुवाहाटी | बुधवार, 2 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

LiFE Lifestyle for Environment

G20

सत्यमेव जयते
Government of Assam
Environment and Forest Department

LAUNCH OF

Amrit Brikshya Andolan

PROMOTING TREE ECONOMY
An Initiative of Government of Assam

by

Dr. Himanta Biswa Sarma

Chief Minister, Assam

Mobile App/Web Portal and **WBI Portal**
To go live

ASSAM'S GREEN COVER GETS A BOOST

PLANTING
1 CRORE COMMERCIAL SAPLINGS
IN 3 HOURS
across Assam
on 17 September 2023

Government of Assam initiates Amrit Brikshya Andolan - to enrich Assam's beauty, combat climate change, and empower citizens. On 17 September 2023, self-help groups, front-line workers, educational institutes and government personnel will come together to plant 1 crore commercially viable saplings in 3 hours, setting their sights on a place in the record books.

How Does it Work?

- Eligible individuals will have to register on the dedicated ABA app.
- They will receive Saplings via distribution points.
- **They will plant saplings on 17 September 2023.**
- They will capture geo-tagged and time-stamped photos of the sapling and upload on the app.
- The mature saplings can be sold commercially without acquiring any permission from the Forest Department.
- Eligible individuals will receive ₹100 for each successful planting.
- After 3 years, they will receive an additional ₹200 if the sapling survives.

3-PRONGED BENEFITS

A GREENER ASSAM
Providing increased green cover, purifying the air and creating a healthier environment for all.

BATTLING CLIMATE CHANGE
Actively battle climate change by reducing carbon emissions and protecting our planet.

ECONOMIC PROSPERITY
Commercially viable saplings will provide better monetary returns when they mature

Exclusive/ ABA/ 08-2023

Scan to visit the ABA Portal

Visit the application for complete details.
Link to the web portal : **https://aba.assam.gov.in/**

Issued by Environment and Forest Department, Assam in collaboration with Pollution Control Board, Assam

Published by Directorate of Information and Public Relations, Assam Follow us /@diprassam https://dipr.assam.gov.in/

Subscribe to Asom Barta WhatsApp 'Assam' at 8287912158

-- Janasanyog /D/8077/ 23

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पांच छात्राओं से दुष्कर्म प्रिंसिपल को उम्रकैद की सजा

न्यायालय ने 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ की विशेष अदालत ने आज एक अहम फैसला सुनाते हुए स्कूल के प्रिंसिपल को उम्रकैद और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। प्राचार्य का नाम डेविड ब्राइट बासुमतारी है। डेविड गोसाईगांव में एक आवासीय विद्यालय का प्रिंसिपल था। प्रिंसिपल ने अपने स्कूल की पांच छात्राओं के साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद परिवार वालों ने प्रिसिंपल के एफआईआर दर्ज कराई थी। परिवार की प्राथमिकी के आधार पर दो मामले दर्ज किए गए थे। अदालत ने विशेष अदालत के मामलों 15/22 और 20/22 के आधार पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाया।

यह फैसला पॉक्सो एक्ट के तहत दिया गया है। अदालत ने 16 गवाहों का बयान दर्ज करने के बाद यह फैसला सुनाया। आखिरकार जे कोच की विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। अभियुक्त ने 2022 में इस कृत्य को अंजाम दिया था। पीड़िताओं की ओर से वकील मंजीत घोष ने कोर्ट में बहस की।

दूरसंचार विभाग भारत मना रहा है इंटरनेट उत्सव

गुवाहाटी। इंटरनेट की परिवर्तनकारी भूमिका को अपनाने के लिए दूरसंचार विभाग माईगो के सहयोग से भारत इंटरनेट उत्सव मना रहा है। जिसमें वीडियो अपलोड की प्रतियोगिता भी संपन्न की जाएगी, जो 7 जुलाई से शुरू कर दी गई है एवं अंतिम तिथि 21 अगस्त तक रहेगी। जिसमें नागरिक इंटरनेट ने उनके जीवन को कैसे बदल दिया इस विषय पर भारत इंटरनेट उत्सव के साथ किसी भी सोशल मीडिया हैंडल पर 2 मिनट तक का अपने वीडियो को साझा कर सकते हैं। इसके लिए सुलभ लिंक के साथ ड्राइव में अपलोड करके ड्राइव या सोशल मीडिया का वही लिंक माईगो पर अथवा भारत इंटरनेट उत्सव पर सबमिट किया जा सकता है। सर्वश्रेष्ठ वीडियो को 15 हजार रुपए तक के नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा।

धुबड़ी कांवड़ियां संघ ने बाबा बैद्यनाथ का किया जलाभिषेक

धुबड़ी। धुबड़ी कांवड़ियां संघ के 41 सदस्यीय जत्थे ने हर साल की भांति इस वर्ष भी झारखंड स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक किया। धुबड़ी कांवड़ियां संघ का जत्था 30 अगस्त को सुलतान गंज से गंगा नदी से जल भर कर पैदल यात्रा करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर महादेव का जलाभिषेक किया। मालूम हो कि धुबड़ी कांवडिया संघ का जत्था बीते 26 जुलाई को धुबड़ी रेलवे स्टेशन से अपनी कांवड़ यात्रा शुरू की थी। धुबड़ी कांवड़िया संघ का जत्था मनोज कुमार दास के नेतृत्व में बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुआ था। कांवड़िया संघ के जत्थे में नरेंद्र शर्मा, सपन चौधरी, प्रांतिक बाम्ची, बिराज मंडल, पीकू सरकार, अनुकुल दास, राजेश साहा, तापस मंडल, प्रसनजीत दास और सोनू पाल शामिल हैं।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर कामरूप जिला प्रशासन की विशेष बैठक आयोजित

कामरूप जिले में 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों पर चर्चा के लिए कामरूप जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में आज एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक, जिला विकास आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक आयुक्त, चक्र अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुखों सहित केंद्रीय संरक्षित पुलिस वाहिनी, एनडीआरएफ एसएसबी, पैरा मिलिट्री आदि के प्रमुखों ने भाग लिया तथा इस मौके पर जिले में आगामी 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर विस्तार से चर्चा की। जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने जिले में 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित पक्षों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के सभी वर्गों के लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता सहित सभी प्रकार के कदम उठाने का भी निर्देश दिया। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र राय उपस्थित थे, जिन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को हर तरह से सफल बनाने का आग्रह किया।

अवैध रूप से ले जा रहे 49 मवेशी समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 49 मवेशियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान के दौरान एक ट्रक (एएस-01-एनसी-8976) को जब्त किया गया। जब्त किए गए ट्रक में लादकर अवैध तरीके से 49 मवेशियों की मेघालय के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। जब्त किए गए पशुओं को बड़ी ही क्रूर तरीके से ट्रक के भरकर ले जाया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लालचंद अली (33) के रूप में की गई है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है।

गुवाहाटी में पीट-पीटकर एक व्यक्ति की हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी में एक बार फिर एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यह हत्या गुवाहाटी के चाभीपुल इलाके में हुई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सादाम अली नामक एक व्यक्ति को हाकिम अली नामक एक व्यक्ति ने पीट-पीटकर मार डाला। हत्या के बाद सादाम अली के शव को फाटाशील के दुर्गम इलाके जलकुंभी में छिपा कर रख दिया गया था। सादाम का शव जलकुंभी के नीचे से सोमवार की रात बरामद किया गया। जबकि, सादाम अली का दोपहिया वाहन आठगांव पुल के नीचे मिला। बताया जाता है कि हत्या पैसों की वजह से की गई है। घटना की सूचना मिलते ही फटाशील और पलटन बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार परिवहन विभाग का कर्मचारी

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय के एक कर्मचारी को आज रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। विजिलेंस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार रिश्वत के साथ गिरफ्तार कर्मचारी की पहचान सुभाष दैमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सुभाष दैमारी जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय में वरिष्ठ सहायक के पद पर तैनात हैं। सुनियोजित तरीके से घात लगाकर आज परिवहन कर्मचारी को विजिलेंस और एंटी करप्शन की टीम ने रिश्वत की रकम के साथ हिरासत में लिया है। गिरफ्तार कर्मचारी ने वाहन के प्रदूषण केंद्र के कंप्यूटर लिंक को अनब्लॉक करने के नाम पर एक व्यक्ति से रिश्वत मांगे गए थे। रिश्वत के रूप में पैसे लेते कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संदर्भ में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मिले पेंशन स्वीकृति पत्र

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के कुल 24 शिक्षकों और कर्मचारियों को आज विभागीय स्वीकृति पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम कामरूप जिले के एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित किया गया था। कामरूप जिले के स्कूलों के निरीक्षक, अपूर्ब ठाकुररिया ने स्वागत भाषण देते हुए सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से सेवानिवृत्ति के दौरान भी शिक्षा व्यवस्था से जुड़े रहने का आग्रह किया। बैठक में आमंत्रित अतिथि के रूप में पूब कामरूप महाविद्यालय के असमिया विभाग के सेवानिवृत्त प्रमुख प्रोफेसर खगेन तालुकदार ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद शिक्षक छात्रों की नींव तैयार करने में मजबूत भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अध्ययन के क्षेत्र से जुड़े रहे और समाज के जीवन को ज्ञान के प्रकाश से रोशन करें। बैठक में कामरूप जिले के प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी तथा चुनाव अधिकारी मानसज्योति बोरा ने भाग लिया। उन्होंने शिक्षकों से सेवानिवृत्ति के बाद की अवधि के दौरान सामाजिक कार्यों में शामिल होकर समाज को एक कदम आगे ले जाने का भी आग्रह किया। बैठक को

सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी रॉबिन पाठक ने संबोधित किया और सेवानिवृत्त शिक्षकों से स्वेच्छा से वेस्पा योजना में शामिल होने का आग्रह किया और सेवानिवृत्त शिक्षकों से सरकारी स्कूलों में सेवा देने का अनुरोध किया। इस मौके पर उपस्थित कामरूप जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष मधुसूदन मेधी ने शिक्षा विभाग द्वारा कार्यान्वित इस कदम की सराहना की और और सेवानिवृत्त शिक्षकों से कामरूप जिला शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं में सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षकों ने भाग लिया और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना की। बैठक में कामरूप जिले के अधिविद्या परिषद के सचिव रफीकुद्दीन अहमद, सेवानिवृत्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

दुलियाजान में पाइपलाइन से गैस रिसाव, लोगों में दहशत

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले के दुलियाजान में तेल गैस ट्रांस्पामिशन पाइप लाइन से तेज आवाज के साथ गैस के हो रहे गैस के रिसाव को लेकर पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार आज सुबह से ही यहां गैस का जोरदार रिसाव हो रहा है। लोगों ने इस रिसाव की सूचना इंडियन आयल कॉरपोरेशन को दी है। बावजूद इसके आईओसीएल द्वारा गैस के रिसाव को रोकने के लिए उपयुक्त कदम नहीं उठाए जाने को लेकर लोगों में व्यापक आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यहां किसी भी क्षण कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों का आरोप है कि आए दिन इलाके में कहीं न कहीं इस प्रकार से तेल या गैस का रिसाव हुआ करता है। यह भी आरोप है कि पाइपलाइन के काफी पुराना हो जाने की वजह से यह रिसाव हुआ करता है। स्थानीय लोगों के बार-बार कहने के बावजूद इन पाइपों को बदला नहीं जा रहा है। जिस कारण लोग किसी भी क्षण किसी भी भयंकर दुर्घटना के अंदेशा से आशंकित रहते हैं।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
लिवर स्पेशेलियस्ट/ट्रांसप्लांट टीम

डॉ. इलेन कुमारन, MBBS, MS, MRCS, DNB, Mch, PDF
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

11 अगस्त, 2023 को

जो मरीज लीवन फेलियर, हेपेटाइटिस बी एंड सी, अल्कोहॉलिक लीवर रोग, लीवर सिरहोसिस और लीवर ट्यूमर इत्यादि से परेशान है, वे अपने-अपने नामांकन करा सकते हैं :

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
कॉलोरेटकल क्लिनिक

डॉ. वेंकटेश मुनिकृष्णन, MRC(ED), FRCS (Colorectal,) CCT (UK)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

12 अगस्त, 2023 को

जो मरीज पाइल्स, कब्ज, क्लोरेक्ट, कैंसर, अनाल लंप, टेक्टल ब्लिडिंग, अनाल दर्द (पेन) और फिस्यूला से परेशान है, वे अपने-अपने नामांकन करा सकते हैं।

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

अवैध शराब की भट्ठी को पुलिस ने किया नष्ट

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले की गौरीसागर थाना पुलिस ने आज एक अभियान चलाकर अवैध शराब बनाने की भट्ठी को नष्ट कर दिया। अभियान के दौरान कम से कम 800 लीटर अवैध देसी शराब को भी बहा दिया गया। पुलिस ने बताया कि चोरी छुपे अवैध रूप से शराब बनाए जाने की शिकायत मिलने के बावजूद उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जा सकी थी। पुलिस ने कहा कि आज के अभियान के दौरान अवैध शराब बनाने वालों में से किसी को भी पकड़ा नहीं जा सका। इन्हें पकड़ना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि पुलिस आने की सूचना मिलते ही ये वहां से भाग जाते हैं। इस कारोबार से जुड़े लोगों की तलाश में पुलिस लगी हुई है।

पूर्वांचल जाट समाज की साधारण सभा संपन्न

गुवाहाटी। गत रविवार 30 जुलाई को समाज की साधारण सभा श्री गुरुचरण पुनिया के सभापतित्व व गणेशजी चौधरी की अध्यक्षता में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ बड़े ही गरिमामय माहौल संपन्न हुई। सभा में समाज के बड़े बुजुर्ग, युवाओं और महिलाएं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभा में वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और कमोबेश सभी ने संगठन की एकता पर बल दिया, संगठित हो कर आगे बढ़ने का आह्वान किया और निर्माणाधीन जाट भवन को पूरा करने पर बल दिया। सभा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए समाज अध्यक्ष गणेश चौधरी ने पवन कुमार जी गोरा शिलांग को समाज का महासचिव नियुक्त किया गया तथा मोहन लाल बिजारणिया को समाज

का सलाहकार नियुक्त किया जिसका सभी ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। सभा में उपस्थित समाज बंधुओं ने समाज के भवन निर्माणार्थ दिल खोल कर आर्थिक योगदान भी दिया। सभा को संबोधित करने वाले मुख्य वक्ताओं में धनपत भूकर, रामजीलाल मूंड, विजयसिंह पचार, रामकुमार फगेड़िया, पवन गोरा, हरफूल सिंह चौधरी, प्रहलाद महरिया, मोहनलाल बिजारणिया आदि थे। इनके अलावा समाज के रामस्वरूप ढाका, अनूपसिंह बेनीवाल, जयप्रकाश नैन, भगीरथ ढाका, नरेंद्र सिंह बालियां, शमशेर लंबोरिया, सेवाराम शिवरण, अनिल संधू, रामलाल ढाका, इंद्रचंद बांगड़वा, महेश ओला, अमरचंद नागा, प्रकाश दादरवाल, मनफूल मातवा आदि गणमान्य लोगो सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। सभा का संचालन श्रीचंद ढाका ने किया। सभा में पधारे हुए सभी मेहमानों के लिए जल-पान-नाश्ते की सम्पूर्ण व्यवस्था की गई। अंत में श्रीचंद ढाका के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन किया गया। सभा की जानकारी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष के आर चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

कौशल पारिस्थितिकी तंत्र व उद्यमिता विकास पर आईआईटी गुवाहाटी के साथ आईआईई का समझौता

गुवाहाटी। उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमिता विकास को सशक्त करने के उद्देश्य से, भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 नई दिल्ली में धर्मेंद्र प्रधान, माननीय केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, डॉ. सुभाष सरकार, शिक्षा राज्य मंत्री, अतुल कुमार तिवारी, सचिव, एसडी एंड ई, सचिव, शिक्षा और अध्यक्ष यूजीसी की उपस्थिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य उत्तर पूर्वी क्षेत्र में उद्यमिता, ऊष्मायन और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करना है। प्रबंधन, उद्यमिता और कौशल विकास के क्षेत्रों में व्यावसायिक विकास का समर्थन करने और एनईआर में क्षमता

निर्माण और उद्यमिता प्रोत्साहन की बड़ी मांग को पूरा करने के लिए, संस्थान सहयोग करेंगे और सूचना और संसाधनों का आदान-प्रदान करेंगे। पूर्वोत्तर में होनहार उद्यमियों को अपने उद्यमों को स्थापित करने और विकसित करने के लिए पर्याप्त धन, बेहतर बुनियादी ढांचे और वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता है। इस सहयोग का उद्देश्य उत्तर पूर्व क्षेत्र में स्टार्ट-अप के विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाना है जो उद्यम-सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र के सभी महत्वपूर्ण तत्वों को और मजबूत करेगा, संभावित रूप से निवेशक निवेश को आकर्षित करेगा। इस बीच, यह क्षेत्र शिल्पकारों, कारीगरों और संसाधनों से भरा हुआ है जो इसके नागरिकों के लिए रोजगार का एक बड़ा स्रोत बन सकता है। इस अवसर पर आईआईई के निदेशक डॉ. ललित शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर में जबरदस्त क्षमता है जिसका दोहन होने की प्रतीक्षा है। यह साझेदारी एक ऐसा माहौल बनाने में मदद करेगी जहां स्टार्ट- अप और उद्यमी न केवल स्थानीय लोगों को समर्थन और प्रोत्साहित करके क्षेत्र में फल-फूल सकते हैं, बल्कि उन्हें औपचारिक प्रशिक्षण, पेशेवर सलाह और एक सफल व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी भी प्रदान करेंगे। उन्होंने और कहा कि हमारा उद्देश्य एक उद्यमिता सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है जो पूर्वोत्तर में नवाचार और विकास को बढ़ावा देता है। इस पहल पर सहयोग करके, दोनों संस्थान बड़े पैमाने पर एनईआर में कौशल विकास को बढ़ावा देने में एक-दूसरे के सामर्थ्य से लाभान्वित होंगे। संस्थान मिलकर उद्यमिता विकास पर प्रमाणित पाठ्यक्रम संचालित करेंगे और स्टार्ट-अप को प्रशिक्षित भी करेंगे। वे क्षेत्र में शैक्षिक व्याख्यान, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और अन्य ज्ञान प्रसार कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देंगे। दोनों संस्थान इनक्यूबेट्स और लाभार्थियों के अनुसंधान कार्य के लिए प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, ऊष्मायन केंद्रों आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे। दोनों संस्थानों के संकाय ऊष्मायन केंद्र के लिए सलाह, प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और मूल्यांकन निर्णायक मंडल का हिस्सा होंगे।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

क्षरत धर्म सब कर्म है, करण कर्म क्षर मान।
भोग भाग क्षर जानिये, क्षर में विविध विधान॥ 09॥

शब्दार्थ : (धर्म) व्यवहार, समाज को धारण करने वाला (कर्म) इंद्रियों का व्यवहार (करण) साधन (भोग) विषयों की प्राप्ति (भाग) भाग्य, अंश (विधान) विधि, नियम।

भाष्य : समाज, धर्म, कर्म और उसके करण्ने के साधन एवं क्रियाएं सभी क्षर है तथा समस्त कर्मों के विधान, भोग और भाग्य क्षर हैं।

क्षर काया क्षर कर्म क्षर, क्षर दुख सुख व्यवहार।
क्षर जीवन क्षर मरण है, क्षर मय भ्रम विचार॥ 10॥

शब्दार्थ : (काया) शरीर (कर्म) क्रिया (ब्रह्म विचार) ब्रह्म का बुद्धिगम्य विचार।

भाष्य : शरीर क्षर है तथा उसका कर्म-व्यवहार, दुःख-सुख का उपभोग क्षर है। जीवन और मरण दोनों क्षर हैं एवं जड़ बुद्धि द्वारा प्रकृतिपार, अनुभवगम्य ब्रह्म का विचार क्षर है। प्रकृति-मंडल में किए गए सभी कार्य और परिणाम क्षर एवं अनित्य हैं।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 09 | गुवाहाटी | बुधवार, 2 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

प्रधानमंत्री ने पुणे मेट्रो को दिखाई हरी झंडी, कई विकास परियोजनाओं... पेज 4
यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन समेत 32 प्रस्तावों को मिली मंजूरी पेज 5
सूकी की सजा घटाकर 27 साल की, तख्तापलट के बाद ... पेज 7
नूंह हिंसा किसी मास्टरमाइंड का रचा हुआ प्लान : विज पेज 8

मणिपुर में महिलाओं के मामले पर एससी सख्त

डीजीपी को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट महिलाओं के वीडियो के मामले सहित मणिपुर जातीय हिंसा से संबंधित कई याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट केंद्र द्वारा दायर हलफनामे पर भी विचार करेगा। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एसआइटी और उच्च स्तरीय समिति गठित करने के संकेत दिए थे। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि वह सेवानिवृत महिला न्यायाधीश और क्षेत्र के विशेषज्ञ की एक कमेटी भी गठित करने पर विचार कर सकता है जो कि पीड़ितों से मिल कर उनसे बात कर बयान दर्ज करे उनके दुख दर्द समझे। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से कहा कि वह मणिपुर वायरल वीडियो मामले में दो पीड़ित महिलाओं के बयान की रिकॉर्डिंग आज दोपहर 2 बजे मुख्य मामले की सुनवाई तक रोक दे। इसके अलावा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को आदेश दिया की वह आज की सुनवाई के नतीजे का इंतजार करने के लिए सीबीआई को बताएं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर कानून और व्यवस्था तंत्र लोगों की रक्षा नहीं कर सकता है, तो उनका क्या होगा? सॉलिसिटर जनरल का कहना है कि हमने मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया है। जब सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि मणिपुर पुलिस ने कितनी गिरफ्तारियां की हैं, तो सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 250 गिरफ्तारियां की गई हैं और 12,000 गिरफ्तारियां निवारक उपायों के रूप में की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया की क्या पुलिस ने कोई गिरफ्तारी की है? क्या इतने महीनों में डीजीपी ने यह जानने की परवाह की? उन्होंने क्या कर लिया है? यह उनका कर्तव्य है। क्या उन्होंने पुलिस अधिकारियों से पूछताछ की? सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि मामलों के घटित होने और एफआईआर दर्ज करने में काफी चूक हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के डीजीपी को शुक्रवार को दोपहर 2 बजे अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए है। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से पूछा कि इन 6500 एफआईआर में से कितनी में शारीरिक क्षति, संपत्ति का विनाश, धार्मिक स्थल, घर, हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं? सभी की जांच को फास्ट ट्रैक तरीकों से करना होगा। इससे लोगों में आत्मविश्वास बना रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह साफ है कि दो महीने तक राज्य पुलिस के पास कोई कमान नहीं थी। हो सकता है कि उन्होंने प्रदर्शनात्मक गिरफ्तारियां की हों लेकिन वे -शेष पृष्ठ आठ पर

सभी कैबिनेट मंत्री 1 अक्तूबर से 15 दिनों तक गांव में रहेंगे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री 1 अक्तूबर से राज्य के ग्रामीण इलाकों में 15 दिन बिताने वाले हैं, अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। प्रेरित कदम के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम की योजना 1 से 15 अक्तूबर की अवधि के लिए बनाई गई है। राज्य प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार परियोजना में भाग लेने वाले सभी मंत्री राज्य सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं के कार्यान्वयन और विकास से संबंधित जमीनी स्थिति का जायजा ले सकेंगे। अधिकारी ने आगे कहा कि यात्रा पर निकलने से पहले, वर्तमान स्थिति का अध्ययन करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 अक्तूबर से मुख्यमंत्री और अन्य लोग विकास का भौतिक आकलन करेंगे। यह असम सरकार का निर्णय है कि वह अपने संपूर्ण मंत्रिपरिषद, सांसदों, विधायकों के साथ-साथ चुनिंदा शीर्ष सरकारी अधिकारियों को एक पखवाड़े की अवधि के लिए गांवों में भेजेगी ताकि यह पुष्टि की जा सके कि सरकारी परियोजनाओं की अंतिम मील डिलीवरी हो रही है। इस आशय का निर्णय पिछले महीने हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में लिया गया था। सभी कैबिनेट मंत्री 15 दिनों तक ग्रामीण क्षेत्रों में रहेंगे। मैं स्वयं भी कुछ गांवों में जाऊंगा। हम 5,000 राज्य सरकार के अधिकारियों का चयन करेंगे जो तीन दिनों तक गांवों में रहेंगे कि मुख्यमंत्री ने योजना के बारे में कहा था। जहां सभी कैबिनेट मंत्रियों को राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिनों तक रहना है, वहीं सांसदों और विधायकों को भी सात दिनों की अवधि के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रहना होगा। 2014 से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कई कल्याण-उन्मुख योजनाएं लागू की हैं। इसी तरह राज्य सरकार भी ऐसी पंद्रह परियोजनाएं क्रियान्वित कर रही है। वृद्धावस्था पेंशन से लेकर अरुणोदय, राशन कार्ड, आयुष्मान योजना तक, सरकार गांव जाकर देखना चाहती है कि हर लाभार्थी को यह मिल रहा है या नहीं कि मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा। कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन राज्य सरकार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय रहा है क्योंकि बेईमान अधिकारी अक्सर ग्रामीणों के लिए आने वाले पैसे को हड़प लेते हैं।

बजरंग दल : हथियार प्रशिक्षण को लेकर मामला दर्ज

गुवाहाटी। असम पुलिस ने दरांग जिले के एक स्कूल में हथियार प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया है। मंगलदै पुलिस ने कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। दरांग पुलिस ने ट्वीट किया, महर्षि विद्या मंदिर, एक शिविर के दौरान मंगलदै में राष्ट्रीय बजरंग दल ने हथियार चलाने की भी प्रशिक्षण दिया, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। वीडियो को देखने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले वायरल एक वीडियो देखने के बाद पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने दरांग जिले के पुलिस अधीक्षक को मामला दर्ज निर्देश दिया था। इसके साथ ही कथित तौर पर हथियार प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। कथित तौर पर बजरंग दल के सदस्यों को स्कूल में हथियार चलाने का प्रशिक्षण देते हुए दिखाने वाला एक वीडियो सोमवार को वायरल हुआ था। उल्लेखनीय है कि बजरंग दल ने कहा -शेष पृष्ठ आठ पर

प्रतीक हाजेला का वीआरएस स्वीकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने पूर्व राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) समन्वयक प्रतीक हाजला के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) आवेदन को स्वीकार कर लिया है। असम के राज्यपाल के एक आदेश में, अखिल भारतीय सेवा (डीसीआरबी) नियम 1958 के नियम 16 (2) के तहत प्रतीक हाजेला को 1 अगस्त, 2023 से वीआरएस पर आगे बढ़ने की अनुमति दी है। राज्य समन्वयक के वीआरएस के मामले पर कार्रवाई करते समय, अन्य लोगों के अलावा सतर्कता मंजूरी विभाग की रिपोर्ट मांगी गई थी और रिपोर्टों से पता चला कि सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम द्वारा एक नियमित जांच और एनआरसी के उनके कार्यकाल के संबंध में उनके खिलाफ दो अन्य आपराधिक मामले लंबित हैं। हालांकि, वीआरएस की स्वीकृति किसी भी मामले में प्रतीक हाजेला के खिलाफ चल रही नियमित जांच और जांच पर प्रतिकूल प्रभाव डाले -शेष पृष्ठ आठ पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मेरापानी भूमि विवाद पर बैठक

मेरापानी (हि.स.)। असम-नगालैंड भूमि विवाद पर चर्चा के लिए आज दो राज्यों के सीमा मजिस्ट्रेटों की बैठक आयोजित की गई। ज्ञात हो कि नगाओं ने असम की भूमि पर अतिक्तमण किया है। गढ़बस्ती में लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद को लेकर तनावपूर्ण स्थिति में बनी हुई है। पीड़ित तारामाई गड़े ने सीमा पर तैनात सीआरपीएफ बल में शिकायत दर्ज कराई। मेरापानी में 142वीं सीआरपीएफ कैंपझं में भूमि विवाद को हल करने के लिए असम और नगालैंड दोनों राज्यों के सीमा मजिस्ट्रेटों के बीच एक बंद कमरे में बैठक आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि 2012 से पड़ोसी आक्तामक नगा 1971 में असम सरकार के हाफ माइल ब्लैट के -शेष पृष्ठ आठ पर

एआईयूडीएफ के 16 विधायकों के पास 167 करोड़ रुपए

गुवाहाटी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की 1 अगस्त की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एआईयूडीएफ के सोलह विधान सभा सदस्यों (विधायकों) के पास 1,67,06,49,455 करोड़ रुपए की संपत्ति है। रिपोर्ट के अनुसार, एडीआर ने देश भर के राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूदा विधायकों के स्व-शपथ पत्रों का विश्लेषण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल 16 विधायकों का विश्लेषण किया गया और इन विधायकों के पास कुल 1,67,06,49,455 करोड़ रुपए की संपत्ति है। इस बीच, असम गण परिषद (अगप) के नौ विधायकों के पास 19,85,02,110 करोड़ रुपए की संपत्ति है, जबकि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीडीएफ) के तीन विधायकों के पास औसतन 1,58,19,500 करोड़ रुपए की संपत्ति है। दूसरी ओर, मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के 44 -शेष पृष्ठ आठ पर

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल के घर पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत मंगलवार को हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन मुंजाल और अन्य के खिलाफ छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने जानकारी दी कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के अनुसार ईडी ने पवन मुंजाल के घर और कई दफ्तर पर छापेमारी की। ईडी ने हीरो मोटोकॉर्प के अध्यक्ष और सीईओ के खिलाफ मामला दर्ज किया। मुंजाल के करीबी एक व्यक्ति पर अघोषित विदेशी मुद्रा रखने का आरोप है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। बता दें कि पवन -शेष पृष्ठ आठ पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नूंह हिंसा : हरियाणा में हाई अलर्ट, कई जगह इंटरनेट ठप

चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह जिले में हिंसा भड़कने के बाद गुरुग्राम के सोहना इलाके में सांप्रदायिक अशांति के कारण 2 अगस्त को सभी शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। गुरुग्राम के जिला मजिस्ट्रेट ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जिसमें कहा गया है कि पड़ोसी जिले नूंह में सांप्रदायिक तनाव के कारण असामाजिक तत्वों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे क्षेत्र में शांति और सार्वजनिक व्यवस्था भंग हो सकती है। आदेश में लिखा है कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, 2 अगस्त, 2023 को जिला गुरुग्राम के सोहना -शेष पृष्ठ आठ पर

नूंह हिंसा में दो पुलिस कर्मियों समेत पांच की मौत, 44 एफआईआर दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि नूंह में फैली हिंसा के बाद अब तक प्रभावित क्षेत्र में पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें दो पुलिस कर्मचारी हैं। हिंसा की घटनाओं के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में एक उच्च स्तरीय बैठक ली, जिसमें गृहमंत्री अनिल विज तथा राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि -शेष पृष्ठ आठ पर

यूसीसी को लेकर जनता के बीच जाएगा लॉ कमीशन

गुवाहाटी। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर लॉ कमीशन के सदस्य लोगों की राय और सुझाव लेने के लिए देश भर में लोगों, समुदायों और हितधारकों के समूह से मुलाकात करेगा और चर्चा करेगा। इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लॉ कमीशन के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि व्यक्तियों और समूहों द्वारा भेजे गए पत्रों, ई-मेल के जरिए आयोग को प्राप्त सुझावों का विश्लेषण करने के लिए एक टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्तिया को पूरा होने में समय लगेगा, तब तक आयोग देश भर के लोगों और हितधारकों से मुलाकात करेगा। इसमें सार्वजनिक बैठकें और चर्चाएं शामिल होंगी। दरअसल, यूसीसी को लेकर उत्तराखंड सरकार द्वारा गठित समिति भी इसी तरह की कार्यप्रणाली को चुनी थी। एक साल से अधिक समय में समिति की ओर से 63 बार बैठें हुई थीं। इस दौरान समिति को 2.15 लाख से अधिक लिखित सुझाव मिले थे। वहीं, सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से व्यक्तिगत -शेष पृष्ठ आठ पर

सुप्रभात
इंद्रियों पर विजय का आधार विनम्रता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

दवा असली है या नकली जानने की सुविधा शुरू

नई दिल्ली। देश में बढ़ रहीं नकली दवाओं की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार ने दवाओं पर क्यूआर कोड लगाने का आदेश जारी किया है। ड्रग्स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया ने 300 फार्मा कंपनियों को 1 अगस्त 2023 से क्यूआर कोड लगाने का आदेश दिया है। आदेश के मुताबिक देश के टॉप 300 दवा ब्रांड को अपनी दवाओं पर क्यूआर कोड लगाना होगा। डीसीजीआई का आदेश नहीं मानने पर दवा कंपनी को जुर्माना देना होगा। देश की टॉप फार्मा कंपनियां आज से अपनी दवाओं पर क्यूआर कोड लगाएंगे। कैलपोल, -शेष पृष्ठ आठ पर

हर किसी का सपना पूरा करना मोदी की गारंटी : प्रधानमंत्री

पुणे/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सरकार राज्य के विकास से देश के विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार को सरकार की प्रतिबद्धता बताते हुए उन्होंने कहा कि चाहे गरीब हो या मध्यम वर्ग, हर किसी के सपने को पूरा करना मेरी गारंटी है। प्रधानमंत्री आज पुणे मेट्रो के पूर्ण हो चुके खंडों के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम (पीसीएमसी) द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1280 से अधिक घर और पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित 2650 से अधिक पीएमएवाई घर भी लाभार्थियों को सौंपे। उन्होंने पीसीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले लगभग 1190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित 6400 से अधिक घरों की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने पीसीएमसी के तहत लगभग 300 करोड़ रुपए की लागत से विकसित अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र का भी उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पुणे एक जीवंत शहर है जो देश की अर्थव्यवस्था को गति देता है और पूरे देश -शेष पृष्ठ आठ पर

पाकिस्तान का भारत को वार्ता का ऑफर

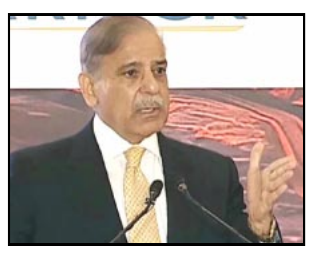

इस्लामाबाद। पैसे पैसे को मोहताज लोन के सहारे अपने को चलाने वाले मुल्क पाकिस्तान को मुफलिसी में भारत की याद आई है। आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान को अपने बुरे दिनों में भारत की याद आई है। पाकिस्तान की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, इसलिए उसे भारत से दोस्ती में ही भलाई दिख रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत का ऑफर दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले 75 सालों में हमने 3 जंग लड़ी, जिसने दोनों देशों को गरीबी, बेरोजगारी और तबाही के सिवा कुछ नहीं दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि हम भारत से बातचीत को तैयार हैं। हम चाहते हैं कि भारत के साथ हमारी बातचीत हो। रिश्तें अच्छें हो। हम गरीबी में हैं, मुफलिसी में हैं। हम तीन युद्धों में -शेष पृष्ठ आठ पर

पवार ने नहीं मानी *इंडिया* की बात

पुणे (हि.स.)। विपक्षी दलों के गठबंधन *इंडिया* के नेताओं के अनुरोध को ठुकराते हुए एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार मंगलवार को यहां लोकमान्य तिलक पुरस्कार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उनकी मौजूदगी में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ, जबकि इंडिया के नेताओं का कहना था कि ऐसे समय में जब भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाया जा रहा है तो इस कार्यक्रम में शामिल होना शरद पवार के लिए ठीक नहीं होगा। इतना ही नहीं, शरद पवार ने इंडिया के उन नेताओं और सांसदों से मिलने से भी परहेज किया जो उन्हें इस समारोह में -शेष पृष्ठ आठ पर

प्रधानमंत्री ने पुणे मेट्रो को दिखाई हरी झंडी, कई विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पुणे मेट्रो के पहले चरण के दो गलियारों के पूर्ण हो चुके खंडों पर सेवाओं के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेनों को झंडी दिखाई। उन्होंने पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। इसके अलावा पीसीएमसी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1280 से अधिक घरों को लाभार्थियों को सुपुर्द किया। इसके साथ ही पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित 2650 से अधिक पीएमएवाई घरों को भी लाभुकों को सौंपा। इसके अतिरिक्ति, प्रधानमंत्री पीसीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले लगभग 1190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित 6400 से अधिक घरों की आधारशिला रखी। उल्लेखनीय है कि ये खंड फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक हैं। प्रधानमंत्री ने 2016 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। नए खंड पुणे शहर के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे शिवाजी नगर, सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे आरटीओ और पुणे रेलवे स्टेशन को जोड़ेंगे। यह उद्घाटन देश भर में नागरिकों को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल मास रैपिड शहरी परिवहन प्रणाली प्रदान करने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस रूट पर कुछ मेट्रो स्टेशनों की रूपरेखा छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर बनाई गई है। छत्रपति संभाजी उद्यान मेट्रो स्टेशन और डेक्कन जिमखाना मेट्रो स्टेशनों की एक अनूठी रूपरेखा है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के सैनिकों द्वारा पहने जाने वाले हेडगियर से मिलती-जुलती है, जिसे "मावला पगाड़ी" भी कहा जाता है। शिवाजी नगर भूमिगत मेट्रो स्टेशन की एक विशिष्ट रूपरेखा है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा निर्मित किलों की याद दिलाती है। एक और अनूठी विशेषता यह है कि सिविल कोर्ट मेट्रो स्टेशन देश के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में से एक है, जिसमें 33.1 मीटर का सबसे गहरा बिंदु है। स्टेशन की छत को इस तरह से बनाया गया है कि सीधी धूप प्लेटफॉर्म पर पड़े। पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। यह बिजली का उत्पादन करने के लिए सालाना लगभग 2.5 लाख मीट्रिक टन अपशिष्ट का उपयोग करेगा।

उद्धव ठाकरे गुट का सुप्रीम कोर्ट से शिवसेना चुनाव चिह्न मामले पर जल्द सुनवाई का अनुरोध

अजय कुमार

नई दिल्ली। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से शिवसेना चुनाव चिह्न मामले पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। उद्धव गुट के वकील ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन किया। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि कल यानी 2 अगस्त से शुरू हो रही अनुच्छेद 370 मामले की सुनवाई के चलते अभी इसे सुन पाना संभव नहीं है। इस सुनवाई के बाद शिवसेना का मामला विस्तार से सुना जाएगा। उद्धव गुट ने निर्वाचन आयोग के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी गई है। याचिका में शिंदे गुट को धनुष बाण चुनाव चिह्न आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। निर्वाचन आयोग ने 17 फरवरी को एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना करार दिया और धनुष बाण चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया। आयोग ने पाया था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। निर्वाचन आयोग ने कहा था कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को निर्वाचन आयोग 1999 में नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है। निर्वाचन आयोग के इस आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। धनुष बाण चुनाव चिह्न बाल ठाकरे के समय से शिवसेना का चुनाव चिह्न रहा है।

राष्ट्र के समग्र विकास में महिला भागीदारी को और व्यापक बनाने में मदद करेगा महिला नेतृत्व वाला विकास : स्मृति ईरानी

गांधीनगर/अहमदाबाद, (हि.स.)। जी 20 एम्पावर शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई ऐतिहासिक पहल की। जिसकी वजह से महिलाओं के लिए विकास के नए अवसर पैदा हुए हैं। महिलाओं के नेतृत्व में विकास विषयक शिखर सम्मेलन राष्ट्र के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी को और व्यापक बनाने में मदद करेगा। मंगलवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में जी 20 एम्पावर शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। 01 और 02 अगस्त को आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने किया। इस मौके पर जी20 एम्पावर कम्युनिकेशन और टेक इक्विटी डिजिटल इंक्लूजन प्लेटफॉर्म सहित पहल लॉन्च की गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय राज्यमंत्री महेंद्र मुंजपारा, जी20 देशों के प्रतिनिधि, महिला सशक्तिकरण से जुड़े वैश्विक विशेषज्ञ, नीति निमार्ता और हितधारकों की उपस्थिति रही।

देश के सबसे बड़े डार्क नेट एलएसडी कार्टेल जम्बाडा कार्टेल को एनसीबी ने किया ध्वस्त

नई दिल्ली, (हि.स.)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार को डार्कनेट पर संचालित हो रहे एक ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में ड्रग बरामद किया है। एनसीबी का दावा है कि उन्होंने भारत के सबसे बड़े डार्कनेट लिसेर्जिक एसिड डायथाइलैमाइड (एलएसडी) कार्टेल जम्बाडा कार्टेल का पदार्फाश किया है। इस मामले में एनसीबी दिल्ली क्षेत्रीय इकाई की ओर से अब तक कुल 06 मामले दर्ज किए गए हैं। ड्रग्स के आयात और इसके अखिल भारतीय वितरण में शामिल 22 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्टेल के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दिल्ली क्षेत्रीय इकाई द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया था। गहन साइबर गश्त और तकनीक के साथ- साथ फील्ड निगरानी के बाद, 19 अप्रैल 2023 को एक ऑपरेशन शुरू किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 15,000 एलएसडी ब्लॉट्स (वाणिज्यिक मात्रा के 2500 गुना से अधिक), 44 ग्राम एमडीएमए और 24.65 लाख रुपये की ड्रग मनी की जब्ती/ फ्रीज के साथ देश में दूसरे सबसे बड़े डार्कनेट एलएसडी कार्टेल को ध्वस्त करने में पहली सफलता मिली।

आरोपित व्यक्तियों के पास से 29,013 एलएसडी ब्लोट्स (जोकि अपने आप में एक रिकॉर्ड है), 472 ग्राम एमडीएमए पाउडर और 51.38 लाख रुपये की ड्रग मनी जब्त की गई। एनसीबी का कहना है कि निरंतर अभियानों में यह पता चला कि डार्कनेट पर एलएसडी में काम करने वाला सबसे बड़ा कार्टेल यानी जम्बाडा कार्टेल दिल्ली एनसीआर से संचालित होता था। ग्राउंड सर्विलांस द्वारा उत्पन्न सुरागों को आगे बढ़ाते हुए और तकनीकी निगरानी की अतिरिक्त सहायता से, इस कार्टेल के दो ग्राउंड ऑपरेटरों की पहचान की गई। एनसीबी की टीमों द्वारा उन पर दिन-रात नजर रखी गई, जिससे इस कार्टेल के मास्टरमाइंड का बल्लभगढ़ (फरीदाबाद) में होने का पता चला। तत्पश्चात इन व्यक्तियों के परिसरों में कई छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप 13,863 एलएसडी ब्लॉट्स, 428 ग्राम एमडीएमए और 26.73 लाख ड्रग मनी जब्त/फ्रीज की गई।

दिल्ली सेवा बिल लोकसभा में पेश, तीन विधेयक हुए पारित

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित अध्यादेश को लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक- 2023 मंगलवार को लोकसभा में पेश किया गया। इसके अलावा सदन में तीन विधेयक पारित किए गए। लोकसभा में मंगलवार को भी मणिपुर मुद्दे पर व्यवधान रहा और कार्यवाही पहले दो बजे, फिर तीन बजे और बाद में तीन विधेयकों को पारित कर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में आज जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक 2023, अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2023 और संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश संशोधन विधेयक- 2023 पारित किए गए। इसके बाद कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले दो बजे कार्यवाही शुरू होने पर गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक-2023 पेश किया। विधेयक का कुछ विपक्षी सांसदों ने विरोध किया। इस पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि विधेयक के विरोध केवल राजनीतिक है और इसका संवैधानिक आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन को संविधान के अनुसार दिल्ली संघ शासित राज्य के लिए किसी भी कानून को लाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने फैसले में इसी का समर्थन किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार को भोपाल में अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव 'उन्मेष' का करेंगी शुभारंभ

भोपाल, (हि.स.)। एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव उन्मेष का आयोजन तीन से छह अगस्त तक भोपाल में किया जा रहा है। इसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इस साहित्य उत्सव के दौरान 75 से अधिक कार्यक्रमों में लगभग 100 भाषाओं के 575 से अधिक लेखक सहभागिता करेंगे। भारत के अतिरिक्त 13 अन्य देशों के लेखक भी उत्सव में शामिल होंगे। साहित्य अकादमी के मुताबिक इस अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव के साथ ही संगीत नाटक अकादमी उत्कर्ष शीर्षक से लोक एवं जनजातीय प्रदर्शन कलाओं का राष्ट्रीय उत्सव भी आयोजित कर रहा है। इन दोनों समारोहों का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इसका आयोजन साहित्य अकादमी नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग संयुक्त रूप से कर रहे हैं। इस उत्सव में भाग लेने वाले लोगों में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन, तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन, फिजी के राजदूत कमलेश शशि प्रकाश, एसएल भैरप्पा, शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित, वी. कामकोटि, चंद्रशेखर कंबार, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, गौतम घोष, संजय रॉय, जयंत महापात्र, ऑस्कर पुयोल, तुलसी दिवस, एमए आलवार, सुरेश गोयल, गिरीश्वर मिश्र, चित्रा दिवाकारुणी, विष्णु दत्त राकेश, रमेश पोखरियाल निशंक, लिंडा हेस, मामि यामदा, अमीश त्रिपाठी, सोनल मानसिंह, चित्रा मुद्गल, रघुवीर चौधरी, विनय सहस्त्रबुद्धे, ममता कालिया, महेश दत्तानी, वामन केंद्रे, प्रयाग शुक्ल, सुरजीत पातर, नवतेज सरना, विश्वास पाटिल, नमिता गोखले, महेंद्र कुमार मिश्र, शीन काफ निजाम, वासमल्ली के. अरुण कमल, गोविंद मिश्र, लीलाधर जगूड़ी और उषा किरण खान आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के अच्छे कार्यों की स्वीकृति है लोकमान्य तिलक पुरस्कार : शिंदे

पुणे, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आह्लादित दिखे। शिंदे ने कहा कि यह पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी के अच्छे कार्यों की स्वीकृति का द्योतक है। मुख्यमंत्री शिंदे ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि आज दुनिया में मोदी का सम्मान है। कोई उनके ऑटोग्राफ लेता है, कोई राष्ट्राध्यक्ष उनके पैर छूता है, उनके साथ तस्वीरें लेता है और जब अमेरिकी राष्ट्रपति उन्हें विश्वस्तर का शक्तिशाली नेता बताते हैं तो देश के लोगों का सीना गर्व से फूला नहीं समाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार पहले भी कई महापुरुषों को दिया जा चुका है। यह आज तक समाज में श्रेष्ठ काम करने वालों को दिया जाता रहा है। इसी क्रम में शरद पवार को भी यह पुरस्कार मिल चुका है। इसलिए हम प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हैं और साथ ही तिलक स्मारक ट्रस्ट का भी आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय गौरव बढ़ाने का कार्य किया है। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का नारा देकर अनगिनत लोगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद की है। मुख्यमंत्री शिंदे ने कार्यक्रम में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और उप मुख्यमंत्री अजीत कुमार के मौजूद रहने पर उनका आभार जताया।

शरद पवार ने नहीं मानी 'इंडिया' की बात, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में रहे मौजूद

पुणे, (हि.स.)। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं के अनुरोध को ठुकराते हुए एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार मंगलवार को यहां लोकमान्य तिलक पुरस्कार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उनकी मौजूदगी में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ, जबकि 'इंडिया' के नेताओं का कहना था कि ऐसे समय में जब भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाया जा रहा है तो इस कार्यक्रम में शामिल होना शरद पवार के लिए ठीक नहीं होगा। इतना ही नहीं, शरद पवार ने 'इंडिया' के उन नेताओं और सांसदों से मिलने से भी परहेज किया जो उन्हें इस समारोह में शामिल होने से रोकना चाह रहे थे। लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने से पहले विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने दगडूशेठ हलवाई गणेश मंदिर से आधा किलोमीटर दूर मंडई में प्रदर्शन किया। मोदी ने पुणे पहुंचने के बाद सर्वप्रथम इस मंदिर में पूजा-अर्चना की। उधर, कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार) और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन किया। 'इंडिया' की तीसरी बैठक 25 अगस्त को महाराष्ट्र में प्रस्तावित है। आज के इस घटनाक्रम के बाद से इस बैठक को लेकर शरद पवार की भूमिका के बारे में तमाम प्रकार के कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) के नेता भलीभांति यह जानते हैं कि शरद पवार मोदी के साथ मंच साझा भले ही करें, लेकिन वे 'इंडिया' के ही साथ रहेंगे। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि भोपाल में मोदी के दिए गए भाषण के बाद अजित पवार एकाएक एनसीपी में टूट का कारण बने। कहीं उसी टूट से पार्टी को बचाने के लिए शरद पवार की यह कोई रणनीति तो नहीं है।

राज्यसभा में हमारे पास पर्याप्त संख्या बल, हम दिल्ली अध्यादेश बिल को गिरा देंगे : संजय सिंह

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली अध्यादेश बिल को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि ये लोग लोकसभा में भले ही इस बिल को पास करा लें, लेकिन राज्यसभा में हमारे पास इतना संख्या बल है कि वहां इसको हम गिरा देंगे। उनका का कहना है कि यह बिल सर्वोच्च न्यायालय के फैसले, संविधान और देश के संघीय ढांचे के खिलाफ है। "आप" सांसद संजय सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि यह बिल असंवैधानिक है क्योंकि इस बिल से दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री के अधिकार छीने जा रहे हैं। "आप" सांसद संजय सिंह ने दिल्ली अध्यादेश बिल पर कहा कि "जो काला अध्यादेश था, लगभग वही भाषा बिल में भी लिखी गयी है। इसका टीम इंडिया के सभी सांसद पूर्ण रूप से विरोध करेंगे। वही मणिपुर हिंसा को लेकर सांसद संजय सिंह ने कहा प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्से जल रहे हैं। हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं हो रही है, लेकिन देश के चौकीदार चुप हैं। मणिपुर के साथ ही कल से हरियाणा में हुई हिंसा पर संजय सिंह ने कहा कि लोगों को आपसी नफरत भुलाकर आपसी भाई चारे की भावना दिखानी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हिंसा न करें।

डीसीडब्ल्यू ने मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर राष्ट्रपति को भेजी अंतरिम सिफारिशें

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मणिपुर में चल रही हिंसक झड़पों के संबंध में भारत की राष्ट्रपति को अंतरिम सिफारिशें भेजी हैं। मणिपुर, मई 2023 से जातीय संघर्षों से जूझ रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवाना पड़ा है। डीसीडब्ल्यू ने इस प्रासंगिक मुद्दे पर राष्ट्रपति को 24 अंतरिम सिफारिशें दी हैं। इनमें राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना, मुख्यमंत्री का इस्तीफा और स्थिति का आकलन करने और राज्य में शांति लाने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करने के लिए प्रधान मंत्री और केंद्रीय मंत्रियों की तत्काल यात्रा शामिल है। डीसीडब्ल्यू ने जातीय संघर्ष के मूल कारणों और संकट के प्रबंधन में सरकार के कार्यों और चूक की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक विशेष जांच दल की स्थापना का भी अनुरोध किया है। डीसीडब्ल्यू ने कहा है कि यह जांच पुलिस बलों से 4000 से अधिक अत्याधुनिक हथियार लूटने, और पिछले तीन महीनों में पुलिस की निष्क्रियता और/या मिलीभगत के खिलाफ प्राप्त शिकायतों की जांच करे। डीसीडब्ल्यू ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में दो अलग-अलग एसआईटी गठित करने की भी मांग की है, जिनमें से एक हत्या, लापता व्यक्तियों आदि से संबंधित सभी मामलों की जांच की निगरानी करे और दूसरी विशेष रूप से यौन उत्पीड़न के मामलों को देखे। इसके अलावा, आयोग ने सिफारिश की है कि यौन हिंसा के सभी मामलों को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए और इसकी सुनवाई राज्य के बाहर, विशेषकर दिल्ली में एक फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। पीड़ित लोगों को उस राज्य में स्थानांतरण और पुनर्वास का विकल्प दिया जाना चाहिए जहां उनका मुकदमा चलेगा। उन्हें उचित परामर्श, कानूनी सहायता, आवास, सुरक्षा और आजीविका के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। पीड़ित लोगों और उनके परिवारों को तत्काल 25 लाख रुपये का मुआवजा पैकेज प्रदान किया जाना चाहिए। आगे डीसीडब्ल्यू ने यौन हिंसा के मामलों की शिकायत दर्ज करवाने के लिए एक हेल्पलाइन शुरू करने की भी सिफारिश की है। इसमें कहा गया है कि यौन हिंसा का इस्तेमाल अक्सर संघर्ष क्षेत्र में कमजोर लोगों को अपमानित और आतंकित करने के लिए एक हथियार के रूप में किया जाता है। आशंका है कि पिछले तीन महीनों में मणिपुर में ऐसे कई मामले सामने आए होंगे। प्रशासन को तत्काल एक हेल्पलाइन स्थापित करनी चाहिए जो महिलाओं को यौन हिंसा के मामलों की शियाकत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करे। डीसीडब्ल्यू ने गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के साथ-साथ उन बच्चों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए भी सिफारिशें दी हैं जो हिंसा के दौरान अनाथ हो गए होंगे। स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए आयोग ने ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने की सिफारिश की है। इसमें कहा गया है कि जो कॉलेज छात्र विस्थापित हो गए हैं, उनके लिए जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों में स्थित कॉलेजों में प्रवेश की सुविधा की व्यवस्था की जानी चाहिए। डीसीडब्ल्यू ने सभी प्रभावित जिलों में राहत सामग्री के निर्बाध प्रवाह की अनुमति देने के लिए सड़कों पर नागरिक नाकाबंदी पर रोक लगाने की भी मांग की है। इससे उच्च न्यायालय तक बेहतर पहुंच हो पाएगी जो वर्तमान में प्रतिबंधित है। मणिपुर के उन लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की जानी चाहिए जिन्हें न्यायिक हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता है। अन्य सिफारिशों में शवों को परिवारों को लौटाना, हिंसा से बचने के लिए भाग गए मणिपुरी लोगों के लिए अन्य राज्यों में राहत शिविर स्थापित करना, इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाने के अलावा आवागमन के लिए सभी जिलों और पड़ोस के शहर आइजोल तक हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करना शामिल है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने राष्ट्रपति से मिलने और मणिपुर की स्थिति पर चर्चा करने के लिए भी समय मांगा है। उन्होंने कहा, "मणिपुर में स्थिति बहुत परेशान करने वाली है। सामान्य स्थिति और शांति बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है।"

दिल्ली ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों का सबसे बड़ा ठिकाना : अध्ययन रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों का सबसे बड़ा ठिकाना है। उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र से सबसे ज्यादा बच्चों की ट्रैफिकिंग होती है। 80 प्रतिशत छुड़ाए गए बच्चे 13 से 18 साल की उम्र के हैं। यह खुलासा किया है गेम्स 24७7 और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन की अध्ययन रिपोर्ट 'द चाइल्ड ट्रैफिकिंग इन इंडिया' ने। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक दशक में सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सजगता और सक्रियता से ट्रैफिकिंग के मामले दर्ज होने की संख्या में इजाफा हुआ है लेकिन इस बाबत जनता को जागरूक करने की चुनौती बरकरार है। इसमें सुझाव दिया गया है कि इस समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए मौजूदा समय की सबसे बड़ी जरूरत एक समग्र एंटी-ट्रैफिकिंग कानून की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में 2016 से 2022 के बीच सबसे ज्यादा बच्चों की ट्रैफिकिंग हुई है। महामारी के बाद दिल्ली में बच्चों की ट्रैफिकिंग में 68 फीसद की भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। जयपुर ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों को लाए जाने का सबसे बड़ा अड्डा है। इसके बाद दिल्ली के चार जिलों का नंबर है। इस रिपोर्ट को गेम्स24७7 और नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी के संगठन कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन (केएससीएफ) ने संयुक्त रूप से जारी किया है। यह रिपोर्ट 'चाइल्ड ट्रैफिकिंग इन इंडिया : इनसाइट्स फ्राम सिचुएशनल डाटा एनालिसिस एंड द नीड फॉर टेक-ड्रिवेन इंटरवेंशन स्ट्रेटजी' 30 जुलाई को विश्व मानव दुर्व्यापार निषेध दिवस के मौके पर जारी की गई। गेम्स24७7 ने देश में 2016 से 2022 के बीच 21 राज्यों और 262 जिलों में केएससीएफ और इसके सहयोगी संगठनों के आंकड़ों का विश्लेषण कर इस रिपोर्ट को तैयार किया है। इस रिपोर्ट में बाल मजदूरी के शिकार बच्चों की हालत की भी चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि 13 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चे ज्यादातर दुकानों, ढाबों और उद्योगों में काम करते हैं लेकिन सौंदर्य प्रसाधन एक ऐसा उद्योग है, जिसमें पांच से आठ साल तक के बहुत छोटे उम्र के बच्चों से भी काम लिया जाता है। चौंकाने वाले ये आंकड़े बताते हैं कि छुड़ाए गए 80 प्रतिशत बच्चों की उम्र 13 से 18 वर्ष के बीच रही। साथ ही 13 प्रतिशत बच्चे नौ से बारह साल के बीच थे जबकि पांच प्रतिशत बच्चे नौ साल से भी छोटे थे। केएससीएफ और इसके सहयोगी संगठनों के प्रयासों और हस्तक्षेप से 2016 से 2022 के बीच 18 साल से कम उम्र के 13,549 बच्चों को बाल श्रम और ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया। इस अध्ययन के अनुसार बाल मजदूरों का सबसे बड़ा हिस्सा होटलों और ढाबों में बचपन गंवा रहा है, जहां 15.6 फीसद बच्चे काम कर रहे हैं। इसके बाद आटोमोबाइल व ट्रांसपोर्ट उद्योग में 13 फीसद और कपड़ा व खुदरा दुकानों में 11.18 फीसद बच्चे काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में इस आशंका की भी पुष्टि हुई है कि महामारी के पश्चात देश के हर राज्य में बच्चों की ट्रैफिकिंग में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। सबसे खराब स्थिति उत्तर प्रदेश की है। यहां कोरोना से पूर्व 2016 से 2019 के बीच सालाना औसतन 267 बच्चों की ट्रैफिकिंग होती थी, जो महामारी के बाद 2021-22 में 1214 तक पहुंच गई। महामारी के बाद कर्नाटक में बच्चों की ट्रैफिकिंग के मामले सीधे 18 गुना बढ़ गए। यहां महामारी से पूर्व छह के मुकाबले महामारी के बाद ट्रैफिकिंग के 110 मामले सामने आए। इस स्थिति पर केएससीएफ के प्रबंध निदेशक रीयर एडमिरल, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) राहुल कुमार श्रावत ने कहा, "हालांकि यह बड़ी संख्या खासी चिंता का विषय है लेकिन इस तथ्य को झुठलाया नहीं जा सकता कि पिछले एक दशक में भारत ने जिस तरह से बच्चों की ट्रैफिकिंग से निपटने की दिशा में कदम उठाए हैं, उससे इस समस्या पर काबू पाने की उम्मीद जगी है। केंद्र, राज्य सरकारों और रेलवे सुरक्षा बल और सीमा सुरक्षा बल जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की फौरी और त्वरित कार्रवाई से बाल दुर्व्यापार में संलिप्त तत्वों की धरपकड़ में मदद मिली है। गेम्स24७7 के सह संस्थापक और सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्रिविक्रम थंपी ने कहा, "साल के शुरू में हमने वादा किया था कि केएससीएफ के साथ हमारा समझौता वित्तीय सहयोग से परे जाते हुए कुछ ठोस काम करेगा। टेक्नोलॉजी लीडर के तौर पर बाजार में गेम्स24७7 की विशेष हैसियत और डाटा साइंस और एनालिटिक्स में विशिष्ट क्षमताओं का फायदा उठाते हुए हम बच्चों के उत्थान के लिए टिकाऊ समाधान पेश करेंगे।

ज्ञानवापी मामला जब तक न्यायालय में है तब तक उस पर बोलने का किसी को हक नहीं : स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। ज्ञानवापी मस्जिद है इसलिए मामला कोर्ट पहुंचा है। अगर मस्जिद ना होती तो केस कोर्ट में नहीं जाता। अभी भी वहां पांच वक्त की नमाज पढ़ी जा रही है। जब तक कोर्ट का फैसला नहीं आता वह ज्ञानवापी मस्जिद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उच्च न्यायालय से बड़े नहीं हैं। पूरा निर्णय उच्च न्यायालय पर छोड़ देना चाहिए। निर्णय न आने तक वह ज्ञानवापी मस्जिद है। यह बातें समाजवादी पार्टी (सपा) के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी के ज्ञानवापी मामले में दिए बयान पर पलटवार करते हुए कही। उन्होंने पत्रकार वार्ता कर कहा कि नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहे हैं, मंहगाई से लोगों की कमर टूट गई है। जीएसटी का दुरूपयोग व्यापारियों का धनादोहन कर किया जा रहा है। जीएसटी के मामले ईडी को सौंपकर उनकी कमर तोड़ने काम कर रही है। आजादी के बाद भाजपा पहली ऐसी सरकार है जो राष्ट्रीयकृत संस्थानों को बेचने का काम किया है। इसलिए हम जब चुनाव में जनता के बीच जाएंगे तब भाजपा सरकार के एक–एक काम को उजागर करेंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बड़ा हमला करते हुए कहा कि अगर ऐसा है तो बद्रीनाथ, केदारनाथ मंदिर का सर्वे होना चाहिए।

राष्ट्रपति को भी मंदिर जाने से रोका गया। आदिवासी, दलित और पिछड़ों का अपमान हुआ। धर्म के ठेकेदारों को ये अपमान नहीं दिखता। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल और गोमूत्र से धोया गया। एक वर्ग के लिए हिंदू धर्म बनाया गया है। यह आदिवासी, दलितों का धर्म होता तो अपमान नहीं होता। शायद मंदिर में जाने से राष्ट्रपति को न रोकते। सपा महासचिव ने कहा कि भारत की पहचान बौद्ध दर्शन से और बुद्ध से है। अगर हिंदू-बौद्ध एक हैं तो बौद्ध धर्मस्थल क्यों तोड़े।

बौद्ध धर्म स्थलों को तोड़कर मंदिर क्यों बनाया गया। हिंदू और बौद्ध एक होते तो बौद्ध मठ नहीं तोड़े जाते। ज्ञानवापी मामले में जब तक न्यायालय में मामला विचाराधीन है तब तक किसी भी नेता, उच्च पद पर आसीन व्यक्ति को किसी भी प्रकार का बयान देना नहीं चाहिए।

यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन समेत 32 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में कृषि, उच्च शिक्षा, पर्यटन और राजस्व समेत कई विभागों के 32 प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, उच्चशिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन का फैसला किया गया है। इसमें एक अध्यक्ष और 12 सदस्य होंगे। अब इसी आयोग के तहत बेसिक, माध्यामिक और उच्च शिक्षा विभाग की सभी भर्तियां की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी ने हर जिले में एक निजी विश्वविद्यालय और मंडल में एक सरकारी विश्वविद्यालय का लक्ष्य रखा है। उप्र में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग के होटलों को पीपीपी मॉडल पर चलाने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम मथुरा, हरदोई समेत अन्य जगहों के पर्यटक आवास गृहों को पीपीपी मॉडल पर देकर विकसित और संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत 10 आवास गृहों को दिया जाने का निर्णय लिया गया है।

इन 32 प्रस्तावों पर लगी मुहर-

-प्रदेश के प्राचीन धरोहर भवनों को एडाप्टिव रीयूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता मॉडल पर हेरिटेज पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ है।

-उत्तर प्रदेश जल आधारित पर्यटन एवं सहायक क्रीड़ा नीति 2023 के संबंध में प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी।

-तहसील सदर जनपद लखीमपुर खीरी क्षेत्र के विकास के लिए पर्यटन विभाग के नाम भूमि दर्ज कराए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ है।

-यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन होगा। इसमें एक अध्यक्ष और 12 सदस्य होंगे। अब इसी आयोग के तहत बेसिक, माध्यामिक और उच्च शिक्षा विभाग की सभी भर्तियां की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी ने हर जिले में एक निजी विश्वविद्यालय और मंडल में एक सरकारी विश्वविद्यालय का लक्ष्य रखा है।

-अयोध्या शहर को सोलन सिटी के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को कैबिनेट की हरी झंडी मिली है। इस पर करीब 40 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इससे रोजगार भी मिलेगा। पर्यावरण को ध्यान रखकर यह प्रस्ताव लाया गया है।

-परिवहन विभाग में एटीएस सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे संबंधित आये प्रस्ताव को कैबिनेट ने पारित कर दिया है।

-उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 और उत्तर प्रदेश जैव ऊर्जा नीति 2022 के अन्तर्गत सौर ऊर्जा परियोजनाओं / जैव ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराई जाने के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ।

-प्रदेश में वाहनों की तकनीकी स्वस्थता को सुनिश्चित किए जाने के प्रयोजनार्थ वाहनों की जांच हेतु स्वचालित परीक्षण स्टेशन की स्थापना के लिए प्रस्तावित नई राज्य नीति के संबंध में प्रस्ताव पास

- कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के अंतर्गत सेंटर फॉर एडवांस्ड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड रिसर्च फॉर कैंसर प्रारंभ किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास।

-पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान पार्क योजना के अंतर्गत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना एवं भूमि हस्तांतरण के संबंध में प्रस्ताव पास

-उत्तर प्रदेश फार्मास्यूटिकल एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग नीति 2023 का प्रख्यापन के संबंध में प्रस्ताव पास

-जनपद कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए उप्र कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय अधिनियम 1958 का अग्रसर संशोधन करने के संबंध में प्रस्ताव पास

-बस्ती, गोंडा, मिजार्पुर एवं प्रतापगढ़ में निमार्णाधीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ का संयुक्त संस्थान बनाए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास।

-पारिवारिक सम्पत्ति महज पांच हजार रुपये स्टाम्प शुल्क देकर नामांतरण कराया जा सकता है। इस सम्बंध में आये प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है। प्रदेश की जनता के लिए पहले यह सुविधा छह माह के लिए दी गयी थी। अच्छे परिणाम आने के बाद सरकार ने इसे लागू करने का निर्णय लिया है। ड्ड मंत्रिपरिषद द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे को मंजूरी, इसका क्रियान्वयन केंद्र सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसी वर्ष शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 21 जनपदों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कार्य शुरू होगा। भदोही, संतकबीरनगर, औरैया, महोबा, हमीरपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, जौनपुर, प्रतापगढ़, मिजार्पुर, मुरादाबाद, जालौन, चित्रकूट, फरुर्खाबाद, अयोध्या, चंदौली, झाँसी, बस्ती, हरदोई, देवरिया, गोरखपुर में यह योजना केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित होगी। द्र राज्य का खर्च क्रमशः 60 और 40 प्रतिशत होगा।

ज्ञानवापी पर बोले शिवपाल यादव, चुनाव आते ही तुष्टीकरण पर उतरी भाजपा

– सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव को बताया नौटंकी

आजमगढ़, (हि.स.)। जिले में पिछले दो दिनों जमे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव ने मंगलवार को केन्द्र व प्रदेश सरकार पर जहां जमकर हमला बोला, वहीं कहा कि ज्ञानवापी मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जब मामला न्यायालय में है तो फिर उसे मंदिर या मस्जिद कहना सही नहीं होगा। न्यायालय का फैसला ही मान्य होगा। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पार्टी व संगठन को मजबूत करने जिले में दो दिवसीय दौरे पर आए शिवपाल यादव पार्टी के कील कांटे दुरूस्त करने के बाद पत्रकारों से रूबरू हुए। रोडवेज स्थित एक होटल सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने एक से बढ़कर एक नारे दिए, वादे किए लेकिन एक भी वादे पूरे नहीं हुए। जनता इनके नारे के बहकावे में आ गई। आज विदेशों में भी देश की छवि को खराब हुई। जानबूझकर देश को बदनाम किया गया। नौ साल बेमिसाल लेकिन आजमगढ़ में ही एक काम दिखाई नहीं दे रहा है। केवल नारेबाजी, झूठ की राजनीति हो रही है। शिवपाल यादव ने कहा कि वे दो दिनों से आजमगढ़ में हैं यहां बिजली की हालत यह है कि एक घंटे में कितनी बार कट रही है इसका कोई हिसाब नहीं है। सूखा पड़ा है, ट्रांसफामर फूंके पड़े हैं, लग नहीं रहे हैं। किसानों ने फसलों में अपना सबकुछ लगा दिया लेकिन उनको पानी नसीब नहीं हो रहा है और सरकार इस तरफ ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है, पूरे प्रदेश को ब्यूरोक्रेसी के हवाले कर दिया गया है। थाने से लेकर तहसील, हर जगह वसूली हो रही है। महंगाई व भ्रष्टाचार से जनता पूरी तरह से परेशान हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के ज्ञानवापी पर दिए गए बयान पर शिवपाल यादव ने कहा कि जब ये मामले कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री थे तब तो नहीं छेड़े। मामला न्यायालय में है, अगर हम अब कहे कि मस्जिद तो क्या यह मान लिया जायेगा। मामला न्यायालय में जब मंदिर-मस्जिद का था तब न्यायालय के फैसले को सब लोगों ने माना। ये भारतीय जनता पार्टी के लोग जब चुनाव आता है तो केवल तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। जब मामला न्यायालय में है तो न्यायालय जो फैसला देगा। सब लोगों को मानना होगा। आजमगढ़ के उपचुनाव में पार्टी की हार पर सपा महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि राजनीति में कहीं न कहीं भूल होती है लेकिन हमने मैनपुरी में जवाब दिया। भाजपा सांसद निरहुआ के द्वारा चाचा आवें या भौजी हम सबको हराकर भेजेगें के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि यह केवल नौटंकी। जब वे नौटंकी करते थे तो हम मुख्य अतिथि रहते थे। अब वे फिर नौटंकी करेगें और हमें बुलाएंगें तो मुख्य अतिथि रहेंगे। वे नौटंकी करें और हम लोगों को राजनीति करने दें। यहां बैठे सभी लोग राजनीति करने वाले हैं। तीन सालों में भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव के लगातार काम करने पर तंज कसते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि ट्रांसफारमर, पानी, बिजली दे नहीं पा रहे हैं, कोई अधिकारी सुन नहीं रहे हैं। बस वे नौटंकी करें।

भाजपा ने ज्ञानवापी को लेकर दिया बयान विवाद बढ़ाने वाला : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा द्वारा बौद्ध मठ को तोड़कर बद्रीनाथ मन्दिर बनाने सम्बंधी बयान के बाद अब भाजपा द्वारा कोर्ट में लम्बित ज्ञानवापी प्रकरण पर बयान आया है। कहीं इन दोनों पार्टियों की सोची-समझी राजनीतिक साजिश का परिणाम तो नहीं? यह गंभीर व अतिचिन्तनीय। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मामले में एएसआई से सर्वे कराने के विवाद को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाई कोर्ट में अभी लम्बित है।

तब उस विवाद के सम्बंध में कोई भी टीका-टिप्पणी करना अनावश्यक ही नहीं बल्कि अनुचित। कोर्ट के फैसले का सम्मान एवं इंतजार करना जरूरी। मायावती का यह ट्वीट मंगलवार को आया है।

वाराणसी में 18 लाख से अधिक बच्चों को खिलायी जायेगी पेट के कीड़े निकालने की दवा

वाराणसी, (हि.स.)। जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 अगस्त को मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में एक से 19 साल के 18 लाख से अधिक बालक-बालिकाओं को कृमि से मुक्ति के लिए पेट के कीड़े निकालने की दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। इस महा अभियान को लेकर मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी ने बैठक की। बैठक में सीएमओ ने कहा कि जनपद में 10 अगस्त को 18 लाख से अधिक बच्चों को पेट के कीड़े निकालने की दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे हर हाल में पूरा करने की कोशिश की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसमें एक से पांच साल तक के सभी पंजीकृत बच्चों के साथ ही छह से 19 साल तक के स्कूल जाने वाले सभी बालक-बालिकाओं को उनके विद्यालय में दवा खिलायी जायेगी। इसमें सभी सरकारी सहायता प्राप्त, प्राइवेट स्कूलों, मदरसों में शिक्षकों से दवा खिलाने में सहयोग लिया जायेगा। अभियान में उन बच्चों को भी दवा खिलायी जायेगी जो स्कूल नहीं जाते है। साथ ही ईंट-भट्ठों पर कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों को भी आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा खिलाई जाएगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. संजय राय ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस दस अगस्त को दवा खाने से छूट गये बच्चों के लिए 17 अगस्त को मॉप अप राउंड आयोजित होगा। इसमें छूटे हुए बच्चों को भी दवा से आच्छादित कर लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करने का प्रयास किया जायेगा।

दवा खाने का तरीका – एक से दो साल के बच्चों को आधी गोली अच्छी तरह से पीस कर पानी में मिलाकर खिलाएं, दो से तीन साल के बच्चों को एक पूरी गोली पीस कर पानी के साथ खिलाएं,तीन से 19 साल के बालक-बालिकाओं को एक पूरी गोली चबाकर खानी होगी। दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी और भूख न लगना कृमि संक्रमण के लक्षण हो सकते हैं, बच्चे के पेट में कीड़े की मात्रा जितनी अधिक होगी, संक्रमित व्यक्ति के लक्षण उतने ही अधिक होंगे,हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखते हैं।

रामगढ़ में भू-माफिया के मंसूबे विफल, छह एकड़ जमीन पर जल्द बनेगा फुटबॉल मैदान

रामगढ़, (हि.स.)। जिले के मांडू प्रखंड में भू-माफियाओं का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे फर्जी दस्तावेज बनाकर सरकारी जमीन कब्जा कर रहे हैं। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार को जैसे ही इसकी सूचना मिली उन्होंने तत्काल मांडू सीओ और बीडीओ को चैनपुर गांव में भेजा। डीसी ने कहा कि जिस स्थान पर भू माफियाओं की नजर थी, अब उस स्थान पर गांव वालों के लिए फुटबॉल मैदान बनाने की तैयारी होगी। चैनपुर गांव में छह एकड़ सरकारी जमीन हड़पने की तैयारी हो रही थी। भू माफिया के द्वारा जेसीबी लगाकर कर समतल किया जा रहा था। चैनपुर गांव वालों ने जब देखा कि उनके गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा यह अवैध कार्य किया जा रहा है, तो गांव वालों ने ही इसका विरोध शुरू कर दिया। सरकारी जमीन बचाने के लिए चैनपुर के लोगों ने अपनी एकता दिखाई। गांव वालों ने सबसे पहले जमीन पर काम रुकवाया और फिर चंदा इकट्ठा करना शुरू किया। कुछ पैसे जुटाकर गांव वालों ने खुद ही श्रमदान कर वहां फुटबॉल मैदान बनाने की तैयारी शुरू कर दी।

डीएमएफटी फंड से बनेगा फुटबॉल मैदान : डीसी

इस पूरे मामले में डीसी चंदन कुमार ने मांडू सीओ और बीडीओ को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। डीसी के आदेश पर दोनों अधिकारी चैनपुर गांव में पहुंचे और उन्होंने वहां हो रहे कार्य का जायजा लिया। अधिकारियों ने डीसी को बताया कि सभी ग्रामीण मिलकर वहां फुटबॉल मैदान बनाने की तैयारी कर रहे हैं। उस जमीन पर कुछ भूमाफिया के द्वारा कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। डीसी ने बताया कि भू माफियाओं के द्वारा सरकारी जमीन के दस्तावेज बनाए गए हैं तो तत्काल उसकी जमाबंदी रद्द होनी चाहिए। साथ ही ग्रामीणों के इच्छा के अनुरूप वहां फुटबॉल मैदान बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि फुटबॉल मैदान बनाने के लिए डीएमएफटी फंड का इस्तेमाल होगा।

जमीन खरीद मामले में गिरफ्तार न्यूक्लियस मॉल के मालिक को ईडी कोर्ट ने भेजा जेल

रांची, (हि.स.)। बरियातू के चेशायर होम रोड में एक एकड़ की जमीन खरीदने के मामले में गिरफ्तार न्यूक्लियस मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल को ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने सात दिनों की रिमांड की मांगी, जिस पर बुधवार को बहस होगी। ईडी कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इससे पहले कोर्ट में गिरफ्तारी का विरोध करते हुए व्यवसायी विष्णु अग्रवाल के अधिवक्ता ने उनकी गिरफ्तारी के कारणों की लिखित में ईडी से जानकारी मांगी। याचिका दाखिल कर कहा कि गिरफ्तार करने का क्या आधार है। इस पर ईडी के विशेष लोक अभियोजक ने कहा उनके पास विष्णु अग्रवाल की गिरफ्तारी का ठोस आधार है। उल्लेखनीय है कि सोमवार रात करीब 10:30 बजे ईडी ने विष्णु अग्रवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इससे पूर्व ईडी ने तीन बार उन्हें पूछताछ के लिए समन जारी किया था, जिसके बाद वे सोमवार शाम 4:15 ईडी के दफ्तर में पहुंचे थे, जहां ईडी के अधिकारियों ने उनसे लंबी पूछताछ की थी।

कृषि क्षेत्र में मुनाफा कमाने के लिए नए सिरे से सोचने की जरूरत : उपायुक्त

रामगढ़, (हि.स.)। जिले का दुलमी प्रखंड कृषि प्रधान इलाका है। यहां किसानों को मुनाफा कमाने के लिए नई सोच अपनानी होगी। ये बातें मंगलवार को दुलमी प्रखंड के दौरा के दौरान रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने कही। उन्होंने दुलमी प्रखंड कार्यालय के सभाकक्ष में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत आयोजित जल छाजन जागरुकता सह प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में यदि हमें कृषि क्षेत्र में मुनाफा कमाना है तो जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक अपनाने होंगे। यदि किसान भूमि के अनुसार हाइब्रिड बीज व अन्य आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में करें, तो काफी लाभ होगा। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि दुलमी प्रखंड में मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए कार्य किया जा रहा है। जल्द ही लोग इसका लाभ ले सकेंगे। उपायुक्त ने कहा कि बिना जल के कृषि कार्य नहीं किया जा सकता। इसलिए हमें जल के महत्व एवं इसके संरक्षण के लिए कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, सोख्ता गड्ढा निर्माण, ट्रेंच कम बंड आदि के संबंध में आवश्यक जानकारियां लोगों को दी। साथ ही आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में करने के प्रति भी लोगों को जागरूक किया। कार्यशाला के दौरान उपायुक्त ने कस्टम हायरिंग सेंटर अंतर्गत दुलमी एग्रीटेक एफपीओ को पावर वीडर, पावर स्प्रेयर, मैनुअल स्प्रेयर, पैडी थ्रेसर आदि उपकरण उपलब्ध कराए। साथ ही लाभुकों के बीच सिलाई मशीन, केसीसी, अरहर बीच आदि का भी वितरण किया। कार्यशाला के दौरान एफपीओ, जल छाजन व जेएसएलपीएस द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने ग्रामीणों को स्टाल के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाने एवं इसके फायदों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। दुलमी प्रखंड के दौरे के क्रम में उपायुक्त ने दुलमी बाजार टांड़ अंतर्गत दुलमी महिला एफपीसी लिमिटेड का उद्घाटन कर पावर वीडर, पावर स्प्रेयर, मैनुअल स्प्रेयर, पैडी थ्रेसर सहित अन्य कृषि उपकरणों का वितरण किया। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष, उप विकास आयुक्त, दुलमी प्रखंड प्रमुख, परियोजना निदेशक आत्मा, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, पंचायत समिति सदस्यों, मुखिया अन्य जनप्रतिनिधियों, प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, डीडीएम नाबार्ड, अंचल अधिकारी दुलमी, बीपीओ अन्य जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

फसलों के लिए अधिक-से-अधिक क्षेत्रों में सिंचाई की व्यवस्था कराएं : सीएम

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को जल संसाधन एवं लघु जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने "खरीफ सिंचाई - 2023" की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिक-से-अधिक क्षेत्रों में सिंचाई की व्यवस्था कराएं ताकि किसानों को कृषि कार्य में सहूलियत हो। कम बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति को ध्यान में रखते हुए सिंचाई के लिए जो भी जरूरी और उपयोगी कार्य हैं उस पर त्वरित कार्रवाई करें। पहाड़ी क्षेत्रों के निचले भागों में जल संचयन क्षेत्र विकसित करें। सीएम ने कहा कि पूर्व से चलाई जा रही सिंचाई योजनाएं पूर्ण क्षमता से कार्य करे, यह सुनिश्चित कराएं। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से शुद्ध किए गए पानी का उपयोग भी कृषि कार्य के लिए कराएं। नहरों की सफाई के कार्य पर ध्यान दें। हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कार्य करें। हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंच जाएगा तो इससे किसानों को काफी लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की सुविधाओं और उनके हित में हम निरंतर कार्य करते रहते हैं। किसानों को कृषि कार्य हेतु डीजल अनुदान उपलब्ध कराने के साथ-साथ सिंचाई कार्य हेतु पर्याप्त विद्युत आपूर्ति भी की जा रही है। हमलोगों का उद्देश्य है कि किसानों को धान रोपनी में सहूलियत हो। बैठक में जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा, लघु जल संसाधन मंत्री जयंत राज, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, जल संसाधन एवं लघु जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, वित्त विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, लघु जल संसाधन विभाग की विशेष सचिव आशिमा जैन सहित अन्य वरीय अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

हम सब संकल्प लें लोकमान्य तिलक के मूल्यों को बनाए रखने का : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को उनकी पुण्यतिथि पर कृतज्ञ देशवासी श्रद्धापूर्वक याद कर रहे हैं। विभिन्न संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाने के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से भी बड़ी संख्या में लोग लोकमान्य को नमन कर रहे हैं। बेगूसराय के सांसद केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने भी ट्वीट कर उन्हें नमन किया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि तिलक की शिक्षाओं और लेखों ने भारतीयों की पीढ़ियों को एकजुट होने और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनका प्रसिद्ध कथन "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा" जनता के बीच गूंज उठा. इससे देशवासियों के दिलों में स्वतंत्रता की लौ जल उठी। इस दिन हम उनके त्याग, समर्पण और साहस को याद करें और उनका सम्मान करें। जो एक न्यायपूर्ण और न्यायसंगत समाज के लिए प्रयास करने के लिए हमारे लिए प्रेरणा बने हुए हैं। गिरिराज सिंह ने कहा है कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा किए गए सामाजिक सुधार तथा शिक्षा और राष्ट्रवाद की उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। यह हम सबको व्यापक भलाई के लिए एक साथ खड़े होने के महत्व की याद दिलाती हैं। ऐसे में हम उन मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लें।

बिहार में जातीय जनगणना का रास्ता साफ, सभी याचिकाएं पटना हाईकोर्ट से खारिज

पटना , (हि.स.)। पटना हाईकोर्ट ने जातीय जनगणना पर रोक लगाने वाली सभी याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। जातीय जनगणना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर चीफ जस्टिस केवी चंद्रन की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य सरकार जातीय जनगणना करवा सकती है। जातिगत जनगणना का काम जनवरी 2023 से शुरू हुआ था। इसे मई तक पूरा किया जाना था, लेकिन हाई कोर्ट की रोक के बाद फिलहाल यह 80 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है। पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस पार्थ सार्थी की खंडपीठ ने लगातार 3 से 7 जुलाई तक इस मामले में याचिकाकर्ता और बिहार सरकार की दलीलें सुनीं। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। अब कोर्ट ने इस मामले में अपना बड़ा फैसला सुनाया है। पटना हाईकोर्ट ने करीब 100 पन्नों का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने उन सभी अर्जियों को खारिज कर दिया है, जिनमें यह दलील देते हुए रोक लगाने की मांग की गई थी कि जनगणना का काम सिर्फ केंद्र का है, राज्य का नहीं। इसके बाद अब राज्य में एक बार फिर से जातिगत जनगणना का काम शुरू किया जाएगा। बिहार में जाति आधारित गणना की शुरूआत सात जनवरी से हुई थी। पहले चरण का काम पूरा होने के बाद दूसरे फेज का काम 15 अप्रैल से किया जा रहा था। जाति आधारित गणना का काम पूरा होने से पहले चार मई को पटना हाईकोर्ट ने अपने एक अंतरिम आदेश में जाति आधारित गणना पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। इसका करीब 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

संपादकीय

अचानक भीड़ और हिंसा

एक बार फिर यह सवाल जेहन में उभरता है कि एक भीड़ के हाथों में तलवार, चाकू, लाठी-डंडे और पत्थर कहां से आ जाते हैं? क्या यह पूर्व नियोजित होता है? यह उप्र के वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़ आदि शहरों में देखा जा चुका है। ऐसा ही संभ्रान्त शहर बेंगलुरु और देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी हुआ था। कई और राज्यों के शहर भी लहूलुहान हुए होंगे! सभी का उल्लेख करना संभव नहीं है। आश्चर्य है कि एकदम भीड़ जमा हो जाती है और उनके हाथों में हथियारनुमा हमलावर उपकरण होते हैं। भीड़ सार्वजनिक बसों पर पथराव करने लगती है। कितना नुकसान होगा और कुछ जानें भी जा सकती हैं, भीड़ का यह सरोकार बिल्कुल नहीं होता। भीड़ अंधाधुंध हमले करती है। निजी वाहनों को भी नहीं छोड़ा जाता। उन वाहनों में कोई बीमार वृद्ध, नवजात शिशु और दूसरे परिजन भी हो सकते हैं। भीड़ की कोई दलील नहीं होती कि वह हमलावर क्यों है? एकदम हिंसा भडक़ने का सबब क्या है? यदि कोई सांप्रदायिक वजह है, तो उसे संवाद के जरिए हल किया जा सकता है। आश्चर्य है कि ऐसी हिंसा, जो दंगों में भी तबदील हुई है, ईद या मुहर्रम अथवा राम नवमी, हनुमान जयंती आदि हिन्दू त्योहारों पर ही क्यों भडक़ती है? देश की राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में ऐसी गुमनाम, अचानक भीड़ ने ऐसी हिंसाएं फैलाई हैं। सांप्रदायिक दंगे तक भडक़े हैं। लोगों के घरों, छतों पर लोहे की रॉड और पत्थर का जमावड़ा बरामद किया गया है। संदिग्ध अपराधियों को जेल तक भेजा गया है, लेकिन फिर ऐसी संगठित और प्रायोजित भीड़, हथियारों समेत, सामने आई है और उपद्रव मचाया गया है। मुसलमानों का मुहर्रम त्योहार अभी गुजरा है। उसी दिन राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में एक भीड़ ने तलवारें नचाईं, लाठी-डंडे चलाए, चाकू भी दिखाए और खूब पथराव किया। हमले में एक पुलिस अधिकारी इतना घायल हो गए कि उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। पुलिस ने 35 उपद्रवियों को हिरासत में लिया है और तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इस हमले का कारण कमोबेश हमें तो समझ में नहीं आया, क्योंकि किसी ने भी इस्लाम-विरोधी, मुहर्रम के मद्देनजर या मुस्लिमों के पैगम्बर साहिब के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की थी। मुहर्रम के दिन ही ताजिया वाले हिन्दू शैव कांवडियों से क्यों टकराए? क्यों भिड़े? वहां दंगा भडक़ते हुए बच गया। आखिर यह हिन्दू-मुसलमान टकराव कब तक चलेगा? हमलावर भीड़ हर मौके पर इतना गुस्से-आक्रोश में और नफरती भाव के साथ सामने क्यों आती है? उसी झोंक में वह हमले करती है। संविधान, कानून और देश ने उन्हें भी समान मौलिक अधिकार और संसद-सत्ता में स्थान दिए हैं। भारत सरकार में वरिष्ठ नौकरशाह और वैज्ञानिक भी मुसलमान हैं। विश्वविद्यालयों के कुलपति भी मुसलमान हैं। देश के राष्ट्रपति भी मुसलमान रहे हैं। फिर भीड़ वाले चेहरे भारत-विरोधी, हिन्दू-विरोधी क्यों हैं? धार्मिक आजादी का अधिकार मुस्लिमों को है, तो हिन्दुओं समेत अन्य समुदायों को भी है। फिर यह त्योहारों के मौकों पर ही दंगाई हरकतें क्यों की जाती हैं? इन सवालों पर हमारी खुफिया एजेंसियों को भी मंथन करना चाहिए। कमोबेश राजधानी दिल्ली समेत तमाम संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण शहरों और स्थलों की खुफिया जानकारी होनी चाहिए। भीड़ कहां से आ सकती है, उनके पास हथियार कहां से आते हैं, कौन से संगठन भीड़ को प्रायोजित कर रहे हैं, इनकी सम्यक जानकारी खुफिया एजेंसियों को होनी चाहिए। यदि यह संभव नहीं है, तो देश किसी संभावित साजिशों के हमले से कैसे सुरक्षित रह सकता है? मुहर्रम के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव-क्षेत्र वाराणसी में भी ऐसा ही उपद्रव मचाया गया। उसमें करीब 50 लोग घायल हो गए। यदि भीड़ ऐसे ही हमले करती रही, तो भारत में अराजकता भी फैल सकती है, जिसके अंतरराष्ट्रीय फलितार्थ हो सकते हैं। भीड़ और हिंसा के फलक व्यापक हैं तथा मंसूबे भी संदिग्ध हैं।

आश्चर्य है कि एकदम भीड़ जमा हो जाती है और उनके हाथों में हथियारनुमा हमलावर उपकरण होते हैं। भीड़ सार्वजनिक बसों पर पथराव करने लगती है। कितना नुकसान होगा और कुछ जानें भी जा सकती हैं, भीड़ का यह सरोकार बिल्कुल नहीं होता। भीड़ अंधाधुंध हमले करती है। निजी वाहनों को भी नहीं छोड़ा जाता। उन वाहनों में कोई बीमार वृद्ध, नवजात शिशु और दूसरे परिजन भी हो सकते हैं। भीड़ की कोई दलील नहीं होती कि वह हमलावर क्यों है? एकदम हिंसा भडक़ने का सबब क्या है? यदि कोई सांप्रदायिक वजह है, तो उसे संवाद के जरिए हल किया जा सकता है। आश्चर्य है कि ऐसी हिंसा, जो दंगों में भी तबदील हुई है, ईद या मुहर्रम अथवा राम नवमी, हनुमान जयंती आदि हिन्दू त्योहारों पर ही क्यों भडक़ती है? देश की राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में ऐसी गुमनाम, अचानक भीड़ ने ऐसी हिंसाएं फैलाई हैं। सांप्रदायिक दंगे तक भडक़े हैं। लोगों के घरों, छतों पर लोहे की रॉड और पत्थर का जमावड़ा बरामद किया गया है। संदिग्ध अपराधियों को जेल तक भेजा गया है, लेकिन फिर ऐसी संगठित और प्रायोजित भीड़, हथियारों समेत, सामने आई है और उपद्रव मचाया गया है।

कुछ अलग

विजन की नई परख

विजन की मुनादी नहीं होती और न ही इसके लिए साजो-सामान की जरूरत है। हिमाचल में राजनीतिक जागरूकता व सामाजिक सुरक्षा के तमाम पहाड़े पढऩे के बाद अब फिर से 'विजन' की परख में नेताओं की क्षमता का अंदाजा जनता लगाने लगी है। हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में यूं तो मुख्यमंत्रियों के विजन को अलग-अलग कारणों से अंगीकार किया गया, लेकिन इससे इतर भी कुछ नेता, कुछ मंत्री और कभी कभार कुछ अधिकारी भी याद किए गए। दुर्भाग्यवश ऐसे शिक्षाविद, स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष या विश्वविद्यालयों के कुलपति सामने नहीं आ रहे, जिनके कारण युवा पीढ़ी में विजन की तासीर विकसित हो सके। विडंबना यह भी है कि हिमाचल ने जिस विकास के मॉडल को अपनाया है, वह हिमाचल के मानव संसाधन को रोजगार से जोड़ ही नहीं रहा। दरअसल प्रदेश से आर्थिक संभावनाओं या एक तरह आर्थिकी का ही निर्यात हो रहा है। बीबीएन में लगभग पांच लाख वर्क फोर्स है, लेकिन इसमें से बमुश्किल दस प्रतिशत ही हिमाचल से संबंध रखती है। इसी तरह प्रदेश में बढ़ते शहरी रोजगार में हिमाचली युवा की रुचि ही नहीं है, नतीजतन पर्यटन की आर्थिकी का एक बड़ा हिस्सा व संभावना बाहर जा रही है। ग्रामीण, कृषि या बागबानी से जुड़ी आर्थिकी में श्रम का महत्त्व अब निर्यात हो गया। हमारे सेब, चाय के बागान और सब्जी उत्पादन तक पैदा हो रही मजदूरी से अन्य राज्यों की बेरोजगारी मिट रही है। भवन निर्माण की हर ईंट पर रोजगार की मुहर बाहर बिक रही है। हैरानी यह है कि मनाली, शिमला, मकलोडगंज, धर्मशाला व अन्य पर्यटक शहरों में रेहडियों पर सिड्डू, मोमो, बर्गर या अन्य पकवान बाहर से आए लोग बेच कर कमाई कर रहे हैं। ऐसे में हिमाचल में युवाओं को प्रेरित कौन कर रहा है। अगर बैजनाथ के कालेज को सिर्फ संदेश देना है कि वहां स्नातकोत्तर पढ़ाई शुरू करके कोई तक्षशिला बन जाएगी, तो यह मुगालता है। हमारे स्कूल-कालेज और विश्वविद्यालय उन्हीं पाठशालाओं से सुशोभित हैं, जिन्हें पढक़र सरकारी नौकरी की खुशफहमी और बेरोजगारी पल्लिवत होती है। कृषि एवं बागबानी विश्वविद्यालयों से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि खेत और बागीचे में स्वरोजगार उगे। शिमला, मंडी, हमीरपुर और धर्मशाला के विश्वविद्यालयों से यह क्यों न पूछा जाए कि प्रदेश में नवाचार और उद्यमशीलता पारंगत कैसे होगी। कभी पंडित सुखराम ने मंडी में इंदिरा मार्केट बना कर शहर को व्यावसायिक अवतार दे दिया था। कमोबेश पर्यटन की दृष्टि से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी कई विराम तोड़ रहे हैं, लेकिन इसके लिए ढांचागत परिवर्तन, प्रशासनिक सुधार व प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। प्रदेश के प्रगतिशील बागबानों, किसानों, उद्योगपतियों, होटल मालिकों, टैक्सी व बस आपरेटरों, निजी अस्पताल के स्वामियों तथा व्यापारियों से सरकार का सार्थक संवाद अगर रोजगार का आह्वान करे, तो आर्थिक करवटें बदल सकती हैं। विजन के नजदीक सियासत पहुंच जाए, तो राज्य का नेतृत्व सुदृढ़ होगा। यहां पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा भले ही वर्तमान सरकार में बैक बेंचर हों, लेकिन विजन का उनका क्लासरूम सक्रिय है। बड़े फैसलों से दूर उनका एक छोटा सा दखल भविष्य को खूबसूरती से लिखने के प्रयास में है। सुधीर शर्मा ने अपने विधानसभा के गांवों में एक साथ बारह मैदानों का विकास करने की ठानी है। वह न स्कूल और न ही नए कालेज मांग रहे हैं, बल्कि बारह बड़े मैदान विकसित कर रहे हैं ताकि बच्चों और युवाओं के जिंदगी के मजमून खेलों से शुरू हों।

जीएसटी काउंसिल द्वारा इन आभासी खेलों पर अधिकतम दर से जीएसटी लगाना बिल्कुल उपयुक्त कदम है

ऑनलाइन खेलों पर जीएसटी है सही कदम

अश्विनी महाजन

सरकार की ओर से जीएसटी लगाने के निर्णय के बारे में कोई तर्क नहीं दिया गया है, लेकिन यह सच है कि देश के विभिन्न हलकों में इन ऑनलाईन गेमों में युवकों की बढ़ती लत और उसके कारण आ रही विसंगतियों और संकटों के कारण, भारी चिंता जरूर व्याप्त थी, जिसके बारे में सरकार भी अनभिज्ञ नहीं थी। गौरतलब है कि इन ऑनलाईन गेमों को कुल 4 करोड़ लोग और नियमित रूप से 1 करोड़ लोग खेलते हैं। सरकार का कहना है कि अभी तक इन खेलों पर मात्र 2 से 3 प्रतिशत का ही जीएसटी लगता है जो आम आदमी द्वारा खाने पीने की वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी से भी कम है।

हाल ही में भारत की जीएसटी काऊंसिल ने ऑनलाईन गेम्स पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय लिया है। उसके बाद जीएसटी काऊंसिल के उस निर्णय पर घमासान जारी है। हालांकि ऑनलाईन गेम खेलने वालों की ओर से तो कोई आपत्ति ध्यान में नहीं आई है, लेकिन इस गेम को खिलाने वालों (एप कंपनियों) की ओर से आपत्ति जरूर आई है। इन ऐप कंपनियों का कहना है कि ऑनलाईन गेमों पर जीएसटी लगने से उन्हें नुकसान होगा। कुछ दिन पहले 180 गेम कंपनियों की ओर से जीएसटी काउंसिल को इस निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया है।

क्या हैं गेमिंग कंपनियों के तर्क

गेमिंग कंपनियों का पहला तर्क यह है कि पूर्ण जमा राशि पर जीएसटी लगाने का प्रस्ताव इस 'उद्योग' के विकास पथ को उलट देगा। वर्तमान कंपनियों को तो नुकसान होगा ही, साथ ही छोटी कंपनियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। इन कंपनियों का दूसरा तर्क यह है कि इस क्षेत्र में नए घरेलू और विदेशी निवेशकों का निवेश हतोत्साहित होगा। उनका यह भी कहना है कि यही नहीं कि गेमिंग उद्योग इस निर्णय से प्रभावित होगा, पूरा स्टार्टअप इकोसिस्टम ही इससे प्रभावित होगा। हालांकि सरकार की ओर से जीएसटी लगाने के निर्णय के बारे में कोई तर्क नहीं दिया गया है, लेकिन यह सच है कि देश के विभिन्न हलकों में इन ऑनलाईन गेमों में युवकों की बढ़ती लत और उसके कारण आ रही विसंगतियों और संकटों के कारण, भारी चिंता जरूर व्याप्त थी, जिसके बारे में सरकार भी अनभिज्ञ नहीं थी। गौरतलब है कि इन ऑनलाईन गेमों को कुल 4 करोड़ लोग और नियमित रूप से 1 करोड़ लोग खेलते हैं। सरकार का कहना है कि अभी तक इन खेलों पर मात्र 2 से 3 प्रतिशत का ही जीएसटी लगता है जो आम आदमी द्वारा खाने पीने की वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी से भी कम है। 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने से सरकार को 20000 हजार करोड़ की आमदनी होने का अनुमान है।

समाज और सरकार की क्या है चिंता

पिछले कुछ सालों में कई प्रकार की ऑनलाईन गेम्स का भी प्रादुर्भाव हुआ है। कई बड़ी कंपनियों द्वारा चलाई जा रही एप्स का विज्ञापन तो खेल और मनोरंजन क्षेत्र की बड़ी हस्तियां तक कर रही हैं। हालांकि इन्हीं विज्ञापनों में एक त्वरित चेतावनी भी होती है, 'इन गेम्स को सावधानी से खेलें, इनकी लत लग सकती है'। दरअसल आज हमारे युवा इन मशहूर हस्तियों द्वारा समर्थित ऐप्स और गेम्स के चंगुल में फंसते जा रहे हैं। पिछले कुछ समय से देश

में इंटरनेट और मोबाईल के विस्तार के कारण इस रियल मनी गेमिंग 'उद्योग' का काफी विस्तार हुआ है। शेयर ट्रेडिंग संबंधित खेल, क्रिप्टो आधारित गेम्स, रम्मी, लुडो, आभासी खेलों (फेंटेसी स्पोर्ट) समेत कई ऑनलाईन और एप आधारित खेलों को 'रियल मनी गेम्स' कहा जाता है, क्योंकि ये गेम पैसे या ईनाम के लिए खेले जाते हैं। कहा जाता है कि इन खेलों में से कुछ कौशल आधारित हैं और कुछ संयोग आधारित (यानी जुआ) हैं। चाहे संयोग आधारित यानी जुए के खेल हों या कौशल आधारित, सभी ऑनलाईन खेलों का तेजी से विस्तार हुआ है और इन एप्स और वेबसाईटों को बढ़ावा देने वाली कंपनियां भारी मुनाफा कमा रही हैं। लेकिन चिंता का विषय यह है कि इन खेलों के कारण हमारे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

युवाओं का भविष्य बिगाड़ते हैं ये खेल

जब से इन खेलों का प्रादुर्भाव हुआ है, कई युवाओं ने कर्ज में फंसकर अपनी जान गंवा दी है। समझना होगा कि इन खेलों में जीतने की संभावना बहुत कम होती है, तो भी इन एप्स के कारण जुए की लत के चलते युवा भारी कर्ज उठाने लगते हैं और उन्हें न चुका पाने के कारण उनके परिवार बर्बाद हो जाते हैं। आज बड़ी-बड़ी क्रिकेट हस्तियों द्वारा विज्ञापनों के कारण ड्रीम 11 सरीखे एप्स पूरे देश में प्रसिद्ध हो गए हैं। लुडो जैसे एप मनोरंजन क्षेत्र की एक बड़ी हस्ती कपिल शर्मा और कई अन्य सेलिब्रिटीज द्वारा अनुमोदित की जा रही है। इन एप्स में फंसकर आत्महत्या करने वाले अधिकांश 18 से 25 वर्ष के युवा हैं, जिनमें विद्यार्थी, प्रवासी मजदूर और व्यापारी शामिल हैं।

कौशल या संयोग

ड्रीम-11 के संदर्भ में अधिकांशतः न्यायालयों ने उसे यह कहकर उचित ठहराया है कि ये जुआ नहीं बल्कि कौशल का खेल है। उसके बावजूद 6 राज्य सरकारों ने ऐसे आभासी क्रिकेट प्लेटफॉर्मों को प्रतिबंधित किया है अथवा अनुमति नहीं दी है। इसी प्रकार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी ने 132 एप्स को प्रतिबंधित करने हेतु निवेदन किया है। चाहे यह मान भी लिया जाए कि आभासी क्रिकेट खेल में जीतने के लिए कुछ भी संयोग नहीं है, इसलिए यह जुआ नहीं, लेकिन कुछ खेल मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि आभासी क्रिकेट जुआ ही है और इसके कारण जुए के व्यवहार का रोग लग सकता है। इस व्यवसाय से जुड़ी कंपनियां यह मानने के लिए तैयार नहीं कि इससे लत पड़ सकती है क्योंकि दाव की राशि बहुत कम है। लेकिन वास्तविकता इससे हटकर है। इन खेलों में हार कर लाखों रुपए के कर्जे के कारण आत्महत्या करने वालों के बारे में जानकारी से यह बात गलत सिद्ध हो जाती है। इसलिए इस विषय में इन अभासी खेल एप्स कंपनियों के दावों पर विश्वास करना ठीक नहीं है। बड़ी बात यह है कि इन खेलों के संबंध में कोई नियामक प्राधिकरण नहीं है और यह व्यवसाय स्वनियामक यानी सेल्फ रेगुलेटिड ही है। इस व्यवसाय से जुड़ी कंपनियों के दावों और वास्तविकता में बहुत अंतर है। अभी न्यायालयों को यह तय करना बाकी है कि क्या पैसों का दांव लगाने वाली तथाकथित कौशल आधारित गेम जुआ हैं, लेकिन यदि किसी भी खेल में संयोग का अंश रहता है तो वह जुआ ही होता है और देश के कानून के अनुसार यह वैधानिक नहीं हो सकता। यह भी देखने में आ रहा है कि कई एप्स कौशल आधारित खेलों की आड़ में विशुद्ध जुए के प्लेटफॉर्म चला रही हैं। महत्वपूर्ण है कि इन एप्स में बड़ी मात्रा में विदेशी निवेशकों खासतौर पर चीनी निवेशकों ने पैसा लगाया हुआ है, और उनका एकमात्र उद्देश्य लोगों को जुए की लत लगाना है। इन एप्स का डिजाईन ही लत लगाने वाला है। यही नहीं कई तथाकथित कौशल आधारित गेम्स के सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ कर ग्राहकों को बेवकूफ बनाकर उन्हें लूटा भी जा रहा है। भारतीय विधि आयोग की रिपोर्ट ही नहीं सुप्रीम कोर्ट तक ने यह टिप्पणी दी है कि इन कौशल आधारित गेम्स के नतीजों को मशीनी छेड़छाड़ से प्रभावित किया जा सकता है। जीएसटी का क्या होगा प्रभाव : हालांकि सरकार कृषि जिन्सों को छोडक़र शेष सभी वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी लगाती ही है। देश में कुछ ऐसी वस्तुएं और सेवाएं होती हैं, जिन्हें अनुमति नहीं दी जा सकती। हमारे देश में जुआ, वैश्यावृत्ति, चोरी-डकैती जैसे कार्यकलाप वैधानिक रूप से प्रतिबंधित हैं। इसके अलावा कुछ ऐसी वस्तुएं होती हैं जिनके उत्पादन और उपभोग को हतोत्साहित कर उन्हें न्यूनतम करना सरकार का सामाजिक दायित्व होता है। उदाहरण के लिए देश में तम्बाकू उत्पादों, शराब इत्यादि पर अधिकतम टैक्स लगता रहा है।

प्राकृतिक कहर को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें

प्रदेश में विगत घटित प्राकृतिक घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप हुए आर्थिक व मानवीय क्षति के प्रारम्भिक विश्लेषणों से यह निष्कर्ष निकलता है कि देश व प्रदेश में होने वाली इन प्राकृतिक आपदाओं की अधिकता में मानव निर्मित कारकों की भूमिका अत्यधिक है। प्राकृतिक आपदा एक ऐसी आपातकालीन अवस्था है, जिसमें आपदाग्रस्त व्यक्ति अपने विवेक, संयम व जागरूकता के कारण ही स्वयं को सुरक्षित रख सकता हैं, अन्यथा क्षण भर में अपने जीवन से हाथ धो बैठता है। उल्लेखनीय है कि अधिकांश भूस्खलन की घटनाएं ऐसे स्थलों पर घटित होती हैं जहां मानव द्वारा भारी मशीनों आदि का प्रयोग किया जाता है। हिमाचल प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियां व प्रदेश का हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित होने के कारण, प्रदेश में इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं का घटित होना, एक स्वाभाविक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

प्रकृति स्वतंत्रता व संतुलन के सार्वभौमिक सिद्धांत की पक्षधर है, इसके विपरीत मानव प्रगति एवं उन्नति के नवीन आयाम स्थापित करने की तत्परता के कारण वर्तमान वैज्ञानिक धारणा के इस आधुनिक युग में मानव प्रकृति के इस संतुलन व सामंजस्य को समझने में निरंतर पिछड़ रहा है। प्रदेश में विगत घटित प्राकृतिक घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप हुए आर्थिक व मानवीय क्षति के प्रारम्भिक विश्लेषणों से यह निष्कर्ष निकलता है कि देश व प्रदेश में होने वाली इन प्राकृतिक आपदाओं की अधिकता में मानव निर्मित कारकों की भूमिका अत्यधिक है। प्राकृतिक आपदा एक ऐसी आपातकालीन अवस्था है, जिसमें आपदाग्रस्त व्यक्ति अपने विवेक, संयम व जागरूकता के कारण ही स्वयं को सुरक्षित रख सकता हैं, अन्यथा क्षण भर में अपने जीवन से हाथ धो बैठता है। उल्लेखनीय है कि अधिकांश भूस्खलन की घटनाएं ऐसे स्थलों पर घटित होती हैं जहां मानव द्वारा भारी मशीनों आदि का प्रयोग किया जाता है। हिमाचल प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियां व प्रदेश का हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित होने के कारण, प्रदेश में इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं का घटित होना, एक स्वाभाविक प्राकृतिक प्रक्रिया है, परन्तु प्रदेश में इन घटनाओं की निरन्तर बढ़ोतरी प्रदेश सरकार, प्रशासन व आम नागरिकों के लिए एक चिन्तनीय विषय बन कर उभर रहा है। इसमें मुख्यतः प्रदेश के विभिन्न भागों में भूस्खलन द्वारा होने वाली मानवीय, आर्थिक व प्राकृतिक नुकसान के समाचार प्रदेशवासियों के मन मस्तिष्क को वेदना से उद्वेलित करते हैं। प्रदेश में भूस्खलन व बाढ़ वास्तव में एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जोकि प्रदेश में सडक़ दुर्घटनाओं के उपरान्त सबसे अधिक अप्राकृतिक मौतों से मानवीय सम्पदा को क्षति पहुंचा रही है जिसके परिणामस्वरूप प्रदेशवासी असमय ही मृत्यु का ग्रास बन रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण विगत दिनों कुल्लू जिला के मनाली उपमंडल, सैंज, तीर्थन घाटी व प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश व अन्य प्रदेशों के लगभग 150 से अधिक बहुमूल्य मानवीय सम्पदा अकाल मौत का ग्रास व बहुत से लोगों के लापता होने के समाचार प्रदेश वासियों के समक्ष है। प्रदेश के कुल्लू जिला में निरन्तर हो रही वर्षा व भूस्खलन से आम जन जीवन का पूर्ण रूप से अस्त-व्यस्त या प्रभावित होना, इन आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जिला प्रशासन का इस प्राकृतिक आपदा से निपटने की रणनीति व इसके सुचारु क्रियान्वयन हेतु, एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभरी है। इसके अतिरिक्त मण्डी जिला के थुनाग, मुख्य बाजार में जिस प्रकार से प्राकृतिक सम्पदा, पेड़ पौधों, पत्थरों का बाढ़ के रूप में, बाजार के मध्य विकराल रूप से प्रकट होना व मुख्य बाजार का क्षतिग्रस्त होना, प्रदेश के आम जनमानस को आश्चर्यचकित करता है, जोकि स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार, राजनीतिक संरक्षण एवं प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों का असामाजिक तत्वों द्वारा निर्ममता के साथ दोहन करने का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह उल्लेखनीय है कि आम जनमानस प्रकृति के इस वीभत्स तांडव के समक्ष असहाय प्रतीत होता है, परन्तु वर्तमान राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था कदापि नहीं, क्योंकि थुनाग क्षेत्र में भारी मात्रा में अवैध कटान का, इस प्राकृतिक आपदा के दौरान, सतह पर उभरना इस क्षेत्र की सम्पूर्ण व्यवस्था (राजनीतिक, प्रशासनिक एवं सामाजिक) पर एक प्रश्न चिन्ह इंगित करता है व इस अंसवैधानिक कृत्य के लिए कौन-कौन ऐसे सरकारी संस्थान उतरदायी हैं, जिनके संरक्षण में इस क्षेत्र में अत्यधिक मात्रा में असामाजिक तत्वों को व्यापक रूप से वनों का अवैध कटान करने हेतु प्रोत्साहित या संरक्षण प्रदान किया गया। वर्तमान में शायद ही कोई ऐसी व्यवस्था या संस्थान है जो भ्रष्टाचार में लिप्त इस बिल्ली के गले में घन्टी बांधने की चेष्टा करे। प्राकृतिक आपदा एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, इसकी भयावहता से होने वाले आर्थिक व मानवीय क्षति से बचने के लिए, प्रदेश वासियों व प्रशासन को स्थानीय स्तर पर कुछ उपाय करके इस आपदा से बचाव कर सकते हैं। उदाहरणस्वरूप भारतीय हरित प्राधिकरण द्वारा प्रदेश की नदियों, खड्डों, नालों आदि पर निर्धारित मापदंडों व सीमा के अन्दर भवन निर्माण को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है, परन्तु विडंबना यह है कि उक्त प्रतिबंध (मापदंड) मात्र सरकारी दस्तावेजों तक ही सीमित हैं। प्रदेश के अधिकांश निर्माण इन प्रतिबंधों की अवहेलना कर ही किए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में इस प्राकृतिक आपदा में कमी या इसको रोकने के लिए सर्व प्रथम प्रदेशवासियों को इस आपदा की भयावहता के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि प्रदेश में अधिकांश निर्माण तकनीकी रूप से निर्धारित निर्माण मापदंडों व कानून की अवहेलना करके ही किया जाता है। विगत वर्ष कुल्लू जिला प्रशासन एवं उपायुक्त महोदय के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से कुल्लू जिला के समस्त शिक्षण संस्थानों एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों व आम जनमानस के सक्रिय सहयोग से, समस्त जिला में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूस्खलन आदि से बचाव एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता हेतु एक सार्थक एवं सराहनीय प्रयास किया गया था।

नागरिक बोध

राष्ट्रीय हित का सवाल

आजकल मुझे न जाने क्या हो गया है। साँस भी भरता हूँ तो लगता है कि राष्ट्र हित में ले रहा हूँ। जब से मुझ में राष्ट्र हित के लक्षण नजर आने लगे हैं, किसी काम से सरकारी विभागों में जाने पर लौटते समय उसके भवन में कोई कोना देख कर खैनी या पान की पिचकारी अवश्य मारता हूँ। इसके अलावा सडक़ पर जब भी मौक़ा मिलता है, किसी दीवार की आड़ लेकर उसे गीला कर देता हूँ। पर प्लीज़ आप इसके लिए मुझे गाली न दें। मैं प्रैस वार्ता से भागने और संसद के भीतर मणिपुर साम्प्रदायिक हिंसा और बलात्कार पीड़ितों की नग्न परेड पर बयान देने से बचने वाले भारतीय प्रधानमंत्री की तरह कायर नहीं हूँ। विपक्ष भले संसद में न आने पर प्रधानमंत्री को भगौड़ा घोषित कर चुका हो, पर वह मेरी तरह राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखने वाले एक अरब से अधिक उन लोगों से पंगा लेने की हिम्मत नहीं कर सकता जो उसका भी वोट बैंक है। प्रधानमंत्री भले की तरह मेरे जैसे तमाम राष्ट्र हितधारक कभी अपना चरित्र कमज़ोर नहीं होने देते। जहाँ भी और जिस जगह या दीवार पर मौक़ा मिलता है, थूक या मूत्र विसर्जन से नहीं चूकते। चाहे उस पर किसी देवता या नेता की तस्वीर बनी हो या 'गधे के पूत यहाँ न मूत' जैसे सार्वभौमिक वाक्य लिखे हों। मैं अपने बारे में दावे के साथ कह सकता हूँ कि मैं ये सारे काम सिर्फ राष्ट्र हित में करता हूँ और प्रधानमंत्री की तरह सहानुभूति बटोरने के लिए कभी यह दावा भी नहीं करता कि 'एक अकेला सब पर भारी।' मैं सिर्फ अपना भार हलका करने में विश्वास रखता हूँ। विसर्जन के ये सारे काम हमारे स्वच्छता अभियान की सफलता को दर्शाते हैं। मैंने आज भी नित्य कर्म से निवृति के लिए सुबह-सवेरे खड्ड पर जाना नहीं छोड़ा है। खुले में शौच के साथ नहाने का प्रबन्ध भी हो जाता है। पर आप इसके लिए शहर में सार्वजनिक सुविधाओं की कमी के लिए सरकार या स्थानीय प्रशासन को न कोसें। एक तो सार्वजनिक शौचालय इतने स्वच्छ होते हैं कि उन्हें गन्दा करने का मन नहीं करता। दूसरे, हर भारतीय की तरह राष्ट्र हित मेरी रगों में लहू बन कर दौड़ता है। राष्ट्र हितधारकों की ताक़त और सफलता का अन्दाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिला नाग़ा हर माह के अन्तिम रविवार रेडियो पर 'मन की बात' पेलने वाले विश्वविजयी प्रधानमंत्री आज तक मुझ जैसे राष्ट्र हितसेवियों के सार्वजनिक थूक और मूत्र विसर्जन पर इस कार्यक्रम में कुछ नहीं बोल पाए हैं। राष्ट्रीय हित में सत्ता संभालते ही डंकेश लोकतंत्र के मन्दिर की चौखट पर ऐसे दण्डवत् हुए थे, मानो उपकृत होने के बाद कोई पहुँचा हुआ शिष्य कृतज्ञतावश अपने गुरू के पाँव छूने के लिए झुक रहा हो। पर कई बार ऐसा पहुँचा हुआ शिष्य झुकने के दौरान अपने गुरू के पाँव के नीचे से उस दरी को खींच लेता है जिस पर गुरू खड़ा होता है। आज बेचारा लोकतंत्र का मन्दिर औंधा पड़ा है। राष्ट्र हित में दिन में अठारह-अठारह घंटे काम करने के साथ डंकेश ऐसा योग साधने में अपने आपको होम कर रहे हैं, जिससे वह चौबीस घंटे जागते हुए राष्ट्रहित साध सकें। पर उनकी प्रतिभा इतनी विलक्षण है कि पता नहीं चल पाता है कि वह सोते हुए जागते हैं कि जागते हुए सोते हैं। जऱा सोचिए जब दिन में राष्ट्रहति में उनके अठारह घंटे काम करने से देश विश्वगुरू बन चुका है तो चौबीस घंटे काम करने से देश किस गति से किस दिशा में अग्रसर होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि सभी देशवासी गुजरात और मणिपुर मॉडल की अपार सफलता के बाद राष्ट्रहित में इन्हें अन्य राज्यों में लागू करने में अपना भरपूर योगदान देंगे। इससे राष्ट्रहित में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के सभ्य, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण समापन के लिए अनिवार्य लुच्चे और टुच्चेपन की परम्परा को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने से कहीं पहले हम विश्व गुरूघंटाल के आसन पर विराजमान होंगे।

देश दुनीया से

हत्या से जुड़े सवाल

जयपुर से मुंबई जा रही एक पैसेंजर ट्रेन में जिस तरह से रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) जवान ने फायरिंग की और एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (ASI) सहित तीन यात्रियों को मार डाला, वह रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। हालांकि घटना सोमवार सुबह की है और अभी आरंभिक सूचनाएं ही उपलब्ध हो पाई हैं, लेकिन ये भी बहुत परेशान करने वाली हैं। RPF के इस सुरक्षा दल की सूरत में तड़के पौने तीन बजे इस ट्रेन में तैनाती हुई और करीब पांच बजे मुंबई के बोरिवली स्टेशन से कुछ पहले यह घटना हो गई। RPF के कुछ अधिकारियों ने इस जवान की मानसिक स्थिति खराब होने की बात कही है तो कुछ अन्य के मुताबिक वह पहले से ही गरम मिजाज का माना जाता रहा है। दोनों ही स्थितियों में सवाल उसे ड्यूटी पर तैनात किए जाने पर उठता है।

अव्वल तो यह कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक न होने की कितनी पुष्ट या अपुष्ट जानकारी अफसरों को थी और दूसरे इस जानकारी के बावजूद उसे हथियारों के साथ ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पर कैसे लगा दिया गया। जहां तक गरम मिजाज की बात है तो भी सवाल यही है कि इससे पहले ऐसी कौन सी और कितनी घटनाओं की सूचना सीनियर्स को थी। अगर इन दोनों बातों को संभावना के तौर पर थोड़ी देर को सही मान लिया जाए तो भी यह सवाल बना रहता है कि उसे अचानक चलती ट्रेन में फायरिंग करने के लिए उकसाने वाले कौन से हालात बन गए। जिस तरह से उसने पहले ASI की हत्या की, फिर दूसरे कोच में जाकर अन्य यात्रियों की हत्या, फिर ट्रेन के बॉगी में लगी चेन खींचकर बोरिवली से पहले दहिसर स्टेशन के पास उतरकर भागना चाहा, उससे यह क्षणिक गुस्से में अंधाधुंध फायरिंग करने का मामला नहीं लगता। अगर ये सूचनाएं सही हैं तो कई ऐसे सवाल उठते हैं जिनके मुफीद जवाब उपलब्ध नहीं हैं। जाहिर है, आगे की जांच-पड़ताल से ही इस मामले के सभी तथ्य सामने आएंगे और इन सवालों के जवाब भी तभी मिल सकेंगे। लेकिन मामला सिर्फ इस एक घटना से जुड़े तथ्यों का नहीं है। रेलवे के मामले में पिछले कुछ समय से ऐसी प्रवृत्ति बनती दिखी है कि जब भी कोई बड़ी घटना होती है तो सारा जोर उस एक घटना पर और उसके दोषियों पर केंद्रित हो जाता है। बड़ा सवाल उन हालात का है, जिनमें ऐसी घटनाओं का होना संभव बनता है। रेल सेवा एक ऐसी चीज है जो इस देश के आम लोगों से, उनकी जिंदगी से गहरे जुड़ी हुई है। चाहे बड़ी दुर्घटनाओं का मामला हो या यात्रियों को सुरक्षा का अहसास दिलाने की जिम्मेदारी निभा रहे लोगों द्वारा ही ट्रेन में फायरिंग और हत्या का, इनसे यात्रियों का रेलवे पर भरोसा कमजोर होता है। रेलवे को इसका ध्यान रखना होगा।

मानसिक स्थिति ठीक न होने की कितनी पुष्ट या अपुष्ट जानकारी अफसरों को थी और दूसरे इस जानकारी के बावजूद उसे हथियारों के साथ ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पर कैसे लगा दिया गया। जहां तक गरम मिजाज की बात है तो भी सवाल यही है कि इससे पहले ऐसी कौन सी और कितनी घटनाओं की सूचना सीनियर्स को थी। अगर इन दोनों बातों को संभावना के तौर पर थोड़ी देर को सही मान लिया जाए तो भी यह सवाल बना रहता है कि उसे अचानक चलती ट्रेन में फायरिंग करने के लिए उकसाने वाले कौन से हालात बन गए। जिस तरह से उसने पहले ASI की हत्या की, फिर दूसरे कोच में जाकर अन्य यात्रियों की हत्या, फिर ट्रेन के बॉगी में लगी चेन खींचकर बोरिवली से पहले दहिसर स्टेशन के पास उतरकर भागना चाहा, उससे यह क्षणिक गुस्से में अंधाधुंध फायरिंग करने का मामला नहीं लगता। अगर ये सूचनाएं सही हैं तो कई ऐसे सवाल उठते हैं जिनके मुफीद जवाब उपलब्ध नहीं हैं। जाहिर है, आगे की जांच-पड़ताल से ही इस मामले के सभी तथ्य सामने आएंगे और इन सवालों के जवाब भी तभी मिल सकेंगे। लेकिन मामला सिर्फ इस एक घटना से जुड़े तथ्यों का नहीं है।

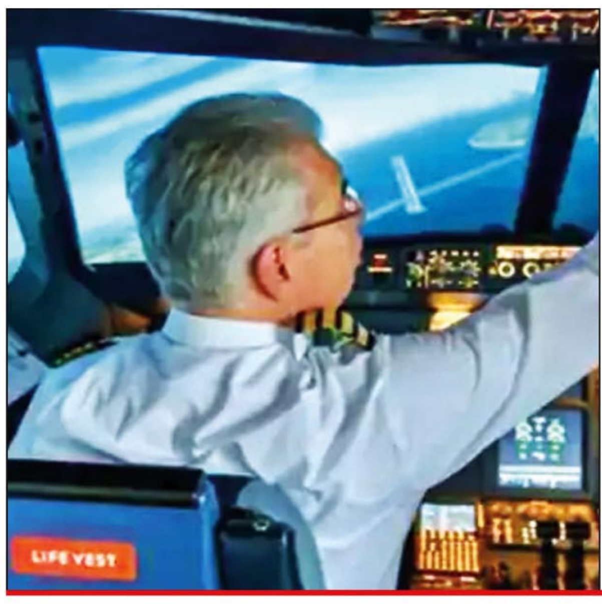

फ्लाइट्स पर आतंकी हमले का खतरा : यूरोपियन एजेंसी ने कहा- 26 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई रखें पायलट ; पाक बोला- कोई खतरा नहीं है

बर्लिन/इस्लामाबाद।

यूरोप की सबसे बड़ी एविएशन एजेंसी ने पाकिस्तान के एयर स्पेस को लेकर इमरजेंसी एडवाइजरी जारी की है। इसमें पायलट्स से कहा गया है कि वो पाकिस्तान के एयर स्पेस से गुजरते वक्त फ्लाइट ऑल्टीट्यूड, यानी विमान की ऊंचाई 26 हजार फीट से ज्यादा रखें। एडवाइजरी के मुताबिक- खासतौर पर लाहौर और कराची के ऊपर से गुजरते वक्त एडवाइजरी का खास ख्याल रखा जाए, क्योंकि यहां मौजूद आतंकी संगठन सिविलियन फ्लाइट्स को निशाना बना सकते हैं। पाकिस्तान ने इस एडवाइजरी को खारिज करते हुए कहा- यहां कोई खतरा नहीं है, पहले वो अपना घर देखें। 'यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी' या ने यह एडवाइजरी जारी की है। इसमें एविएशन सेक्टर के एक टेक्निकल टर्म एफएल 260 का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल, एफएल का अर्थ फ्लाइट ऑल्टीट्यूड या उड़ान के वक्त एयरक्राफ्ट की ऊंचाई से है। एफएल 260 का मतलब हुआ कि कोई एयरक्राफ्ट 26 हजार फीट से कम पर उड़ान नहीं भरेगा। एडवाइजरी में लाहौर और कराची का खासतौर पर जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है- एयरक्राफ्ट पर आतंकी हमलों का खतरा है। लिहाजा, एडवाइजरी को फॉलो किया जाए। यह खतरा लंबे वक्त से बना हुआ है। इसलिए किसी तरह की रिस्क न ली जाए। पिछले साल नवंबर में और इसके भी पहले कई साल तक यूरोपीय एविएशन सेफ्टी एजेंसी पाकिस्तान को लेकर इसी तरह की एडवाइजरी या अलर्ट जारी करती रही हैं।

मिसाइल या एंटी एयरक्राफ्ट गन से मार गिराने का खतरा

एडवाइजरी के मुताबिक- अगर पायलट 26 हजार फीट से कम पर उड़ान भरते हैं तो आतंकी एंटी एयरक्राफ्ट गन या फिर किसी छोटी मिसाइल से एयरक्राफ्ट्स को निशाना बना सकते हैं। हम इस बारे में रिस्क असेसमेंट कर रहे हैं। इसके आधार पर नए डायरेक्शन दिए जाएंगे। एडवाइजरी में किसी खास रिस्क फैक्टर या आतंकी संगठन का नाम नहीं लिया गया है। हालांकि, ये माना जाता रहा है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान और पाकिस्तान-ईरान बॉर्डर पर मौजूद कई आतंकी संगठनों के पास एंटी एयरक्राफ्ट गन मौजूद हैं। लिहाजा, इसी खतरे को देखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है। पिछले साल जारी एडवाइजरी में फ्लाइट ऑल्टीट्यूड 24 हजार फीट बताया गया था। यूरोपीय एजेंसी की एडवाइजरी के बाद पाकिस्तान सिविल एविएशन अथॉरिटी ने एक बयान जारी किया। कहा- हम साफ कर देना चाहते हैं कि पाकिस्तान का एयर स्पेस हर लिहाज से बिल्कुल महफूज है और यहां किसी तरह का खतरा नहीं है। स्पोक्सपर्सन ने कहा- जहां तक यूरोपीय एजेंसी की एडवाइजरी का ताल्लुक है तो उन्होंने हमें इस बात की जानकारी ही नहीं दी कि वो किस आधार पर एडवाइजरी जारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि ये एडवाइजरी सिर्फ यूरोपीय देशों के फ्लाइट ऑपरेशन्स के बारे में है या फिर तमाम एयर लाइन्स के लिए।

न्यूज़ ब्रीफ

अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद पहली बार मिले अमेरिका-तालिबानः यूएस ने की अपने नागरिकों की रिहाई की मांग, तालिबान बोला- हमारी संपत्ति लौटाओ

दोहा। अफगानिस्तान में 2 साल पहले तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद पहली बार अमेरिका और तालिबान के अधिकारियों की कतर में मुलाकात हुई। इस दौरान अमेरिका ने अफगानिस्तान में उन पॉलिसी को बदलने पर जोर दिया, जिनके जरिए तालिबान ह्यूमन राइट्स को खत्म करने के साथ महिलाओं पर पाबंदियां बढ़ाता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारी ने तालिबान सरकार से लड़कियों की पढ़ाई और महिलाओं की नौकरी करने पर लगे बैन को हटाने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने तालिबान की हिरासत में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को रिहा करने पर जोर दिया। दूसरी तरफ, तालिबान ने अपने नेताओं पर लगे ट्रैवल बैन को हटाने की मांग की। साथ ही उन्होंने अमेरिका से 10 अरब डॉलर वापस लौटाने की मांग की। दरअसल, अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा के बाद अमेरिका ने अफगान संपत्ति अपने कंट्रोल में ले ली थी। इस दौरान अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने कहा था कि इसका इस्तेमाल वो 9/11 पीड़ितों के परिवारों की मदद में करेंगे। 9/11 हमले के कुछ पीड़ित परिवारों ने तालिबान पर मुकदमा कर दिया था, जिसे वो जीत भी गए थे। ये परिवार इन पैसों से केस के समय लिए गए कर्ज को चुकाना चाहते थे।

ब्रिटिश सिख बुजुर्ग ने अपनी पत्नी को लड़की के बैट से वार कर मार डाला, आरोपी ने अपना गुनाह कबूला

लंदन । ब्रिटेन में एक सिख बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की लड़की का बैट मारकर हत्या कर दी। बुजुर्ग व्यक्ति की उम्र करीब 79 साल है। रिपोर्ट के मुताबिक व्यक्ति ने खुद लंदन पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों को हत्या की बात बताई कि उसने अपनी पत्नी को मार डाला है और उसने पुलिस के सामने पत्नी की हत्या करने का अपराध स्वीकार कर लिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी व्यक्ति नाम तरसेम सिंह है उसको पुलिस ने स्नेरेसब्रुक क्राउन कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में उसने अपने घर पर 77 वर्षीय पत्नी माया देवी की हत्या करने की बात स्वीकार की। उन्हें 29 सितंबर को इसी अदालत में सजा सुनाई जाएगी। मामले की जांच करने वाले अधिकारी इंस्पेक्टर मार्क रोजर्स ने कहा कि यह एक दुखद मामला है और दंपत्ति के तीन बच्चे हैं जो पूरी तरह से टूट चुके हैं। इंस्पेक्टर ने आगे बताया कि किसी को भी इस तरह से अपनी मां को नहीं खोना चाहिए और हम इस कठिन समय में उन तीनों बच्चों के साथ हैं और उनको सपोर्ट करते रहेंगे। आगे अधिकारी ने बताया कि तरसेम सिंह ने यह बात कभी नहीं बताई वह कौन सी बात पर इतने हिंसक हो गए और पत्नी की हत्या कर दी। लेकिन यह ठीक हुआ कि उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया। मई महीने में उसने पुलिस को बताया था कि उसने अभी-अभी अपनी पत्नी की हत्या की है।

चीन में डोकसुरी टाइफून से 11 की मौत, 27 लापताः बीजिंग में 70 साल में सबसे ज्यादा बारिश; 1 लाख 27 हजार लोगों को बचाया

बीजिंग। चीन में डोकसुरी टाइफून से 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 27 लोग लापता हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले 70 साल की सबसे ज्यादा 257.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले 1951 में इतनी तेज बारिश हुई थी। हालात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रेस्क्यू वर्कर्स ने अब तक 1 लाख 27 हजार लोगों को बचाकर सुरक्षित जगह पर भेजा है। वहीं, राष्टपति शी जिनपिंग ने जगह-जगह बाढ़ में फंसे लोगों को जल्द बचाने के निर्देश दिए हैं। चीन के फ्लड कंट्रोल डिपार्टमेंट के मुताबिक 13 जिलों के 44 हजार लोग फिलहाल बाढ़ की चपेट में हैं। चीन के स्टेट मीडिया हाउस ने बताया कि सेना ने चार हेलिकॉप्टर्स को बाढ़ के बीच फंसे लोगों को खाना, रेनकोट और कंबल देने के लिए भेजा है। 5 कस्बों में मोबाइल कम्यूनिकेशन तक ठप हो गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियोज में तेज बहाव में सड़कों पर बहती गाड़ियों को देखा जा सकता है। बीजिंग के इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिन में उड़ान भरने वाली 70 फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है। वहीं, 2019 में शुरू हुए डाक्सिंग एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली 300 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं। लोगों को घरों के अंदर रहने को कहा गया है। सरकार ने 100 से ज्यादा रास्तों को बंद किया है।

म्यांमार में सेना ने बढ़ाया आपातकाल, चुनाव टाले

सूकी की सजा घटाकर 27 साल की ; तख्तापलट के बाद 6 हजार ने गंवाई जान

नेपीडॉ।

म्यांमार में 2021 में तख्तापलट कर चुकी सेना ने वहां आपातकाल का समय 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। म्यांमार में इमेरजेंसी 31 जुलाई को खत्म होने वाली थी। इससे पहली ही सेना के नेतृत्व वाली नेशनल डिफेंस और सिक्योरिटी काउंसिल ने बैठक कर आपातकाल बढ़ाने की घोषणा कर दी। सेना ने अगस्त में होने वाले चुनाव को भी टाल दिया है। वहीं, स्टेट मीडिया के मुताबिक सेना ने तख्तापलट से पहले म्यांमार की नेता रही आंग सान सू की को उनके गुनाहों के लिए माफ कर दिया है। आंग सान सू की को 19 मामलों का दोषी पाया गया था इनमें से उनके 5 गुनाहों के लिए माफ कर दिया गया है। पहले सेना ने 33 साल की सजा दी थी। सेना ने उसे घटाकर 27 साल कर दिया है। वो उन 7 हजार लोगों में से हैं जिन्हें सेना की तरफ से माफी दी गई है। फिलहाल सेना ने सूकी को हाउस अरेस्ट में रखा हुआ है।

2 साल पहले सेना ने किया था तख्तापलट - म्यांमार में सेना ने 1 फरवरी 2021 को तख्तापलट कर दिया था। वहां की लोकप्रिय नेता और स्टेट काउंसलर आंग सान सूकी और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी।

चुनाव के बाद से सरकार-सेना में था मतभेद - दरअसल, म्यांमार में नवंबर 2020 में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। वहीं विपक्ष की यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। नतीजे आने के बाद सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सूकी की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया था। चुनाव नतीजों के बाद से ही सरकार और सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया, जिसके बाद सेना ने तख्तापलट कर दिया था।

म्यांमार में तख्तापलट के बाद से सेना ने 6,000 लोगों को मारा - पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार में साल 2021 में हुए तख्तापलट के बाद से सेना 6,000 लोगों को मार चुकी है। म्यामांर लगातार विरोधियों को फांसी की सजा भी दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक म्यामांर में हवाई हमले रोज की कहानी बनते जा रहे हैं। सेना अपने विरोधियों को ढूंढ़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसके चलते वो आम लोगों को निशाना बना रही है। म्यामांर विटनेस की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 6 महीनों में वहां 135 से ज्यादा इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। हवाई हमलों में मरने वाले ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। यूएन के मुताबिक एयर रेड से परेशान होकर वहां 11 लाख लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। म्यांमार के मीडिया पोर्टल के मुताबिक वहां 40 साल बाद पिछले साल जुलाई में मौत की सजा दी गई थी। सरकार ने एक्टिविस्ट को जिम्मी, नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के लॉमेकर को फ्यो जेया थॉ समेत दो और लोगों को फांसी पर लटकाया था। एक अनुमान के मुताबिक म्यांमार की सेना ने एक साल में 100 से ज्यादा लोगों को मौत की सजा दी है।

म्यांमार मिलिट्री को भारत से मिले 420 करोड़ के हथियार - म्यांमार की मिलिट्री ने 2021 में तख्तापलट के बाद 1 बिलियन डॉलर यानी 8 हजार करोड़ के हथियार खरीदे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के एक्सपर्ट के मुताबिक ये खरीद म्यांमार की सेना ने उस पर लगी पाबंदियों के बावजूद की है। ज्यादातर हथियार रूस, चीन और सिंगापुर की कंपनियों से खरीदे गए हैं। वहीं, भारत की कंपनियों से भी म्यांमार की सेना को पिछले 2 सालों में 420 करोड़ के हथियार और उससे जुड़ा सामान मिला है।

यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बात के पुख्ता सुबूत हैं कि सेना ने इन हथियारों का इस्तेमाल लोगों के खिलाफ हिंसा करने में किया है। इसके बावजूद कुछ देशों ने बिना रुके सेना को हथियार पहुंचाए हैं।

यूक्रेनी कमांडो को खास ट्रेनिंग दे रही ब्रिटिश सेना

क्रिसमस तक रूस के कब्जे से क्रीमिया को छुड़ाने का लक्ष्य; अमेरिका-जर्मनी देंगे नई मिसाइलें

कीव/लंदन।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच ब्रिटेन की सेना यूक्रेन के एक खास कमांडो ब्रिगेड को ट्रेनिंग दे रही है। इस ट्रेनिंग का मकसद रूसी सेना को अक्षम करना और दिसंबर में क्रिसमस से पहले रूस के कब्जे से क्रीमिया को वापस लेना है। इंग्लैंड के डार्टमूर में करीब 2 हजार यूक्रेनी सैनिक ट्रेनिंग ले रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ऑपरेशन में समुद्र, हवा और जमीन से हमले की ट्रेनिंग दी जाएगी। यूक्रेनी सैनिक रूसी सेना को रोकने के लिए एडवांस्ड तकनीक का इस्तेमाल करेंगे। इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देश यूक्रेन को लंबी दूरी वाली नई मिसाइल भी देंगे, जिसका इस्तेमाल रूस के डिफेंस को तोड़ने के लिए किया जाएगा।

सीक्रेट बैटल कैंप में ट्रेनिंग, असली गोला-बारूद का इस्तेमाल

इससे पहले यूक्रेन के इंटेलिजेंस एजेंसी के चीफ किरिलो बुडानोव ने कहा था कि जल्द ही उनकी सेना क्रीमिया में दाखिल होगी। ये ट्रेनिंग डेवॉन के ओकेहैप्टन में मौजूद बैटल कैंप में हो रही है। यहां दूसरी किसी भी मिलिट्री यूनिट या आम जनता को जाने की इजाजत नहीं है। 42 कमांडो के रॉयल मरीन्स ट्रेनिंग देख रहे हैं। इसमें लंबी दूरी तक मार्च और रात में असली गोला-बारूद के साथ हमले की प्रैक्टिस हो रही है।

रूसी सेना को कमजोर करना चाहते हैं जेलेंस्की

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की देश से रूसी सेना को बाहर करना चाहते हैं। उनके इसी लक्ष्य के तहत क्रीमिया को रूस से वापस लेने का टारगेट तय किया गया है। जेलेंस्की का मानना है कि उन्हें रूसी सेना पर लगातार हमले के साथ ही उसे कमजोर करने पर काम करना है। कर्च ब्रिज और क्रीमिया में लगातार ड्रोन हमले से रूसी की वहां पर पकड़ कमजोर पड़ सकती है। ब्रिटेन के एक सीनियर मिलिट्री ऑफिसर के मुताबिक, यूक्रेन की सेना जंग को अपने हिसाब से मोड़ पाए, इसके लिए उसे रणनीति सिखानी होगी। इसके बाद ही दुश्मनों पर हमले तेज किए जा सकते हैं।

यूके में प्राइवेट जेट इस्तेमाल करने पर घिरे सुनकः 1 घंटे का सफर भी प्लेन से; सवाल हुआ तो खफा होकर इंटरव्यू ही छोड़ दिया

लंदन।

देश में भी सफर के लिए प्राइवेट जेट का इस्तेमाल करने वाले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इस बारे में पूछे गए सवाल पर बिफर गए। अपोजिशन लीडर्स भी सुनक के इस रवैये को गैर जिम्मेदाराना बता रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय मूल के सुनक ब्रिटेन में जिस यात्रा को ट्रेन से करीब एक घंटे में पूरा कर सकते थे, उसके लिए भी उन्होंने प्लेन का इस्तेमाल किया। दूसरी तरफ, सुनक का दावा है कि वो वक्त का सबसे सही इस्तेमाल करना चाहते हैं, इसलिए प्राइवेट जेट यूज करते हैं।

सवाल नहीं, समाधान की बात कीजिए

प्राइवेट जेट के इस्तेमाल को लेकर सुनक कई महीनों से अपोजिशन और मीडिया के निशाने पर हैं। वो प्राइवेट जेट से ही स्कॉटलैंड गए। इस दौरान प्रेजेंटर ने पूछा- आप हमेशा क्लाइमेट चेंज रोकने की बातें करते हैं। दूसरी तरफ, देश के अंदर यात्रा के लिए भी प्राइवेट जेट का इस्तेमाल करते हैं। इससे भी तो कार्बन इमिशन यानी कार्बन उत्सर्जन होता है। इस सवाल पर सुनक नाराज हो गए। नाराजगी भरे अंदाज में कहा- मैं अपने वक्त का सबसे सही इस्तेमाल करना चाहता हूं। अच्छा होगा आप

इस मसले पर सवाल करने से ज्यादा, इसके हल पर बात करें। मैं पहले भी इसी तरह सफर करता था, आज भी कर रहा हूं। वक्त का सही इस्तेमाल करने में क्या गलत है सुनक ने आगे कहा- क्लाइमेट चेंज रोकने का ये मतलब तो नहीं है कि आप लोगों को हर काम करने से रोक दें। वो एयरक्राफ्ट में सफर न करें, छुट्टियां मनाने न जाएं। ये तो फिजूल की बातें हैं। मेरे पहले भी जो ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे, वो सभी प्राइवेट जेट यूज करते थे, पहले तो आपने सवाल नहीं किए। इस पर प्रेजेंटर मार्टिन जिस्लर ने कहा- सर, प्राइवेट जेट और कॉमर्शियल फ्लाइट में फर्क होता है। सुनक का जवाब था- हम एयरक्राफ्ट फ्यूल के दूसरे ऑप्शंस खोजने पर काम कर रहे हैं। हमें फ्लाइट बैन नहीं चाहिए, बल्कि नई टेक्नोलॉजी की दरकार है।

शी जिनपिंग का आदेश- जंग की तैयारी रखे सेना : चीनी परमाणु हथियारों के नए चीफ बने वांग ह्युबिन; आर्मी डे मनाएगा ड्रैगन

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सेना को अपने हथियार मॉडर्नाइज करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक शी ने ये आदेश सिचुआन प्रांत में एयर फोर्स के वेस्टर्न थिएटर कमांड की निगरानी के बाद दिए। शी ने कहा है कि जब चीन की सिक्योरिटी सिचुएशन अस्थिरता और अनिश्चतताओं से जुझ रही हो उस दौरान सेना को दिए गए टास्क पूरे करने हैं। दरअसल, शी जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चीन के जनरल सेक्रेटरी होने के अलावा सेंट्रल मिलिट्री कमिशन के चेयरमैन भी हैं।

तेजी से नए लड़ाकू बल बनाए सेना

शी जिनपिंग ने चीन की सेना से डिमांड की है कि वो जल्द से जल्द सेना में नए हथियारों को जोड़े और लड़ाकू बल बनाए। वहीं उन्होंने सेना को असल लड़ाई जैसे हालात बनाकर ट्रेनिंग करने के आदेश भी दिए हैं। उन्होंने कहा- सेना के लिए ये जरूरी है कि जो काम उन्हें चीन के लोगों और पार्टी ने दिए हैं वो पूरे किए जाएं। चीन की सेना तेजी से अपनी जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ा रही है। एक कार्यक्रम में चीन के एडवांस्ड वॉर प्लेन फाइटर जेट, एरिएल टैंकर और यूटिलिटी

हेलिकॉप्टर ने जनता के सामने अपनी ताकत का नमूना पेश किया।

परमाणु हथियार की जिम्मेदार वांग ह्युबिन को सौंपी

चीन अपना आर्मी डे सेलिब्रेट करेगा। इससे ठीक एक दिन पहले शी जिनपिंग ने अपने परमाणु हथियारों की जिम्मेदारी वांग ह्युबिन को सौंप दी है। वो 2020 तक चीन की नौसेना के डिप्टी कमांडर रहे हैं। अब उन्हें चीनी सेना की रॉकेट फोर्स की जिम्मेदारी दी गई है। रिपोर्ट ने मिलिट्री के सूत्रों के हवाले बताया है कि रॉकेट फोर्स के पिछले हेड ली युचाओ और कई सीनियर कमांडरों को भ्रष्टाचार के आरोप में निगरानी में रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें पूछताछ के लिए किसी अनजान जगह ले जाया गया है। चीन में नौसेना कमांडर का रॉकेट फोर्स (परमाणु हथियारों) का हेड बनना नई बात है। डिफेंस एनालिस्ट के मुताबिक चीन अब हाइब्रिड वॉरफेयर के लिए तैयार हो रहा है। इसके तहत वो अपने हवा, जमीन और समुद्र से न्यूक्लियर सिस्टम ऑपरेट करने पर जोर दे रहा है। चीन तीनों के बीच सामंजस्य बढ़ाना चाहता है। ऐसे में नौसेना के डिप्टी कमांडर को परमाणु हथियारों का चीफ बनाना काफी अहम है।

भारत से ज्यादा तेजी से एटमी हथियार बना रहा चीन

चीन और पाकिस्तान ने भारत के मुकाबले तेजी से अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाई है। ये दावा स्वीडन के थिंक टैंक सीपरी ने किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले कुछ सालों में चीन ने अपने हथियारों के जखीरे में 60, तो पाकिस्तान ने 5 परमाणु हथियार जोड़े हैं, जबकि भारत ने 4 नए परमाणु हथियार डेवलप किए हैं।

यूक्रेन पर परमाणु हमले का खतरा

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और पुतिन के एडवाइजर बोले- हमारी जमीन छीनी तो यही रास्ता बचेगा

मॉस्को।

करीब डेढ़ साल से चल रही रूस-यूक्रेन जंग में अब परमाणु हमले का खतरा है। प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन के स्पेशल एडवाइजर और रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी दी है। मेदवेदेव ने कहा- अगर यूक्रेन इसी तरह जवाबी हमले करता रहा और उसने नाटो के साथ मिलकर हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की तो फिर हमें मजबूरी में न्यूक्लियर वेपन्स इस्तेमाल करने पड़ेंगे। रूस की तरफ से यूक्रेन पर एटमी हमले की धमकी पहली बार नहीं दी गई है। फरवरी और अप्रैल में खुद पुतिन कह चुके हैं कि अगर अमेरिका और नाटो यूक्रेन की मदद करते रहे तो रूस एटमी हथियारों समेत तमाम ऑप्शंस इस्तेमाल करेगा।

इस धमकी की वजह क्या है

एटमी हथियार इस्तेमाल करने की धमकी का जवाब मेदवेदेव ने खुद दिया और इससे पता चलता है कि यूक्रेनी फौज अब रूसी सेना पर भारी पड़ने लगी है। मेदवेदेव ने कहा- अगर यूक्रेन की तरफ से जारी हमले कामयाब होते रहे तो हम एटमी हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मेदवेदेव ने यह बात सोशल मीडिया पर कही। उन्होंने कहा- जरा सोचिए, अगर हमारे सैनिकों को पीछे हटना पड़ा तो क्या होगा। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो की तरफ से खुली मदद मिल रही है। अगर वो हमारी जमीन छीनने की कोशिश करते हैं या रूस के टुकड़े करने की कोशिश करते हैं तो हमें न्यूक्लियर वेपन्स इस्तेमाल करने ही होंगे। मेदवेदेव का बयान इस बात की पुष्टि करता है कि जंग अगर यूक्रेन के फेवर में जाने लगी तो

रूस उस पर एटमी हमला करेगा। यहां ये जान लेना भी जरूरी है कि मेदवेदेव रूसी सिक्योरिटी काउंसिल के चेयरमैन भी हैं।

हमारी कामयाबी की दुआ करें दुश्मन

रूस के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- मेरी बात को सिर्फ एक लिहाज से देखें और समझें कि अगर रूस के खिलाफ हालात बने तो हमारे पास कोई और रास्ता नहीं बचेगा। लिहाजा, अगर इससे बचना है तो हमारे दुश्मनों को भी जंग में हमारी कामयाबी की दुआ करनी चाहिए। दुनिया को इस वक्त मिलकर सिर्फ ये सोचना चाहिए कि एटमी जंग से कैसे बचा जाए। मेदवेदेव के बयान का एक टेक्निकल बेस भी है। दरअसल, एटमी हथियारों के इस्तेमाल को लेकर रूस की अपनी एक रूल बुक या डॉक्ट्रिन है। इसके मुताबिक अगर पारंपरिक जंग के दौरान देश के वजूद पर आंच आती है तो मौजूदा सरकार एटमी हथियार का इस्तेमाल कर सकती है।

बयान की टाइमिंग अहम

हालिया वक्त में वेस्टर्न मीडिया ने कई बार दावा किया कि यूक्रेन की फौज बहुत तेजी उन इलाकों को वापस ले रही है, जिन पर रूस ने शुरुआत में कब्जा कर लिया था। हालांकि पुतिन ने पिछले हफ्ते कहा था कि जंग में रूस का पलड़ा बहुत भारी है और 4 जून के बाद उसे काफी नुकसान हुआ है।

दूसरी तरफ, यूक्रेन के प्रेसिडेंट जेलेंस्की ने कहा था- हमने जीत की डगर पर कदम बढ़ा दिए हैं और बहुत जल्द हमारी फौज उन इलाकों को हासिल कर लेगी, जिन पर रूस ने कब्जा किया है।

मेदवेदेव ने कुछ महीने पहले अमेरिका को भी सीधी धमकी दी थी। उन्होंने कहा था- अगर यूक्रेन से जंग में रूस की हार हुई तो अमेरिका में सिविल वॉर छिड़ जाएगा और इसके बाद न्यूक्लियर वॉर भी होगा। ऐसा कोई हथियार नहीं है, जो रूस के पास न हो। हमने अब तक खतरनाक हथियारों का यूज किया ही नहीं, रूस आज भी जंग को चंद दिनों में खत्म कर सकता है, लेकिन हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।

नूंह हिंसा किसी मास्टरमाइंड का रचा हुआ प्लान : विज

राज्य सरकार के अधिकारियों को दिए पूरे मामले की जांच का आदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह हिंसा किसी मास्टरमाइंड का रचा हुआ प्लान है। राज्य सरकार के अधिकारियों को पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गये हैं और जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। गृह मंत्री अनिल विज मंगलवार को चंडीगढ़ में नूंह हिंसा पर पत्रकारों को अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। विज ने साफ कहा कि जिस तरह पत्थर इकट्ठे करके, गोलियां चला के हिंसा हुई है ये एकदम नहीं हुई, ये किसी न किसी का मास्टर माइंड का प्लान था जो देश और प्रदेश की शांति भंग करना चाहता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि इस मामले में जांच बिठा दी गई है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। विज ने बताया कि केंद्र से सुरक्षा बलों

की 20 कंपनियां मंगवाई गई है और एयरफोर्स को भी स्टैंडबाई रखा गया है ताकि यदि एयरलिफ्ट की जरूरत हुई तो हम तैयार रहें। विज ने राजनीतिक पार्टियों को भी सलाह देते हुए कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है, यह शांति बहाल करने का समय है और जो राजनीतिक पार्टियां बोल रही है वह अपने- अपने रिसोर्स से शांति बहाल करें। गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि नूंह में हालात नियंत्रण में हैं और नूंह में इंटरनेट सेवाएं बंद करने के साथ साथ कर्फ्यू लगा दिया गया है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में फोर्स लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि गत दिन भी नूंह के साथ लगते जिलों से फोर्स भेजी गई थी और आज हरियाणा के बाकी हिस्सों से भी फोर्स भेजी जा रही है। विज ने बताया कि घटना में दो होमगार्ड के जवानों ने बलिदान दिया हैं और एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हुई है। घटना में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि तीन पुलिस कर्मियों को गोली लगी है, जो वेंटिलेटर पर हैं तथा इनका उपचार चल रहा है।

घर आए मेहमानों ने किया युवती से गैंगरेप, पीड़िता की मां ने दिया आरोपियों का साथ

कैथल (हिंस)। सीवन क्षेत्र के गांव पोलड़ में महिला के घर आए मेहमानों ने उसकी बेटी के साथ गैंगरेप किया। लड़की की मां आरोपी युवकों के साथ मिली हुई थी और रेप में उनका साथ दिया। पड़ोस में रहने वाली चाची की शिकायत पर महिला थाना कैथल में गांव पाडला के तीन युवकों व लड़की की मां के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया है। महिला पुलिस थाना में दी गई शिकायत में पीड़ित लड़की की चाची ने बताया कि 29 जुलाई को गांव पाडला के रहने वाले आरोपी बलिंद्र, खनू और लंबू ने उसके पड़ोस में रहने वाली एक नाबालिग लड़की से गैंगरेप किया। इसमें लड़की की मां ने भी आरोपियों का साथ दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी बलिंद्र अक्सर पीड़िता के घर आया जाया करता था। गत 29 जुलाई को तीनों ने मिलकर युवती से गैंग रेप किया। पीड़ित युवती ने पूरी घटना पड़ोस में रहने वाली अपनी चाची को बताई।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट फॉरवर्ड करने पर होगी कार्रवाई : बिजराणिया

भिवानी (हिंस)। भिवानी पुलिस सोशल मीडिया, ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर पैनी नजर रखे हुए है। ऐसे में पुलिस ने आमजनों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर कोई भी ऐसी पोस्ट न डालें, जिससे किसी व्यक्ति की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचती हो या धार्मिक सौहार्द को खतरा पैदा हो। इसके अलावा किसी भी तरह की अमर्यादित भाषा, किसी व्यक्ति विशेष, जाति, धर्म संप्रदाय को आहत करने की मंशा से पोस्ट के रूप में कोई भी वीडियो, फोटो या अभिलेख न डालें। अगर किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट डाली गई तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भिवानी के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजराणिया ने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी प्रकार की भी कोई गलत अफवाह न फैलाए। अगर कोई भी सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएगा या फिर किसी के धर्म या जाति पर कोई गलत टिप्पणी करेगा तो उसके खिलाफ पुलिस सख्त एक्शन लेगी। पुलिस की सोशल मीडिया पर पैनी नजर है। उन्होंने लोगों से अपील है कि समाज में आपसी भाईचारा बनाकर रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग सहयोग, आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए ही करें। गलत काम करने वालों और शरारती तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक या अन्य आपत्तिजनक फोटो या वीडियो सोशल मीडिया अकाउंट पर ना डालें और न ही दूसरे ग्रुप में फॉरवर्ड करें। उन्होंने कहा कि पुलिस की आमजनों से अपील है कि यदि आपके आसपास कोई भी असामाजिक तत्व संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे तो तुरंत डायल 112 या अपने संबंधित थाना व पुलिस चौकी को इसकी सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

बीकानेर में आई फ्लू से बचाव की एडवाइजरी, ओपीडी प्रतिदिन ग्यारह सौ मरीज

बीकानेर (हिंस)। इन दिनों बढ़ते हुए आई फ्लू केसेज को देखते हुए सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉक्टर गुंजन सोनी ने पीबीएम के नेत्र विभाग का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉक्टर जयश्री मुरलीमनोहर, डॉक्टर अजय श्रीवास्तव, ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉक्टर गौरव गुप्ता आदि साथ रहे, आंखों के अस्पताल की ओपीडी प्रति दिन 1100 मरीज के आस पास रहने एवं मरीजों की सुविधा के लिए चाक चौबंद व्यवस्था बनाए रखने, आई फ्लू के दौरान नेत्र विभाग के चिकित्सकों का अवकाश स्वीकृत नहीं करने के लिए प्राचार्य डॉ. सोनी ने विभागाध्यक्ष डॉक्टर जयश्री मुरलीमनोहर को निर्देश दिए। निरीक्षण के पश्चात प्राचार्य डॉक्टर गुंजन सोनी ने नेत्र रोग विभाग के चिकित्सकों की मीटिंग ली, सभी को निर्देश दिए गए की मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाए, सभी को तुरंत उपचार मुहैया करवाया जाए। नि:शुल्क जांचों एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राचार्य डॉक्टर गुंजन सोनी तथा नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉक्टर जयश्री मुरलीमनोहर ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन की और से आम जन को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया की आई फ्लू के प्रकोप से बचने के लिए नेत्र विभाग, बीकानेर के हर जरूरतमंद को नि:शुल्क चिकित्सा उपलब्ध करवा रहा है साथ ही रोग से बचाव को लेकर उसे जागरूक भी कर रहा है। बीते दो दिवस में ही कुल 2000 से ज्यादा मरीजों का नि:शुल्क उपचार किया जा चुका है ।

रामदास ने शुरू की पक्षियों को बचाने की अनोखी मुहिम

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद के एक गांव धांगड़ के युवा रामदास और उनका परिवार ने अपने मित्रों के सहयोग से पक्षियों के पुनर्वास के लिए एक मुहिम शुरू की है। उन्होंने हर घर में घोंसला बनाने के लिए सेव बर्ड्स फाउंडेशन के कारीगरों को काम पर लगा दिया है। इन घोंसलों को आशियाना नाम दिया है। रामदास ने बताया कि अब तक वह दो हजार से अधिक आशियाने लगा चुके है। यह आशियाना को हर किसी को लागत मूल्य पर बगैर किसी नफा नुकसान के उपलब्ध कराया जा रहा है। संस्था के सदस्य रामदास, प्रदीप, नरेश, नवीन, कुलदीप, हैप्पी लोगों से लगातार अपील कर रहे है कि वे पक्षियों को लुप्त होने से बचाएं। इन जीव प्रेमियों ने जिला उपायुक्त मनदीप कौर को भी आशियाना भेंट किया। उपायुक्त ने युवाओं के इस प्रयास की जमकर सराहना की और लोगों से भी इस अभियान में भागीदारी करने का अपील की है।

आतंकी परमजीत पम्मा के घर पहुंची एनआईए दो घंटे की चेकिंग, कुछ नहीं मिला

मोहाली। परमजीत के पिता ने कहा कि वह 22 साल पहले घर छोड़कर चला गया है। अभी वह विदेश में रहता है और उनसे उनका कोई संपर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद उन्हें परेशान किया जाता है। एनआईए की टीम सुबह करीब छह बजे घर आ गई। इसके बाद उन्होंने करीब दो घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान किसी को भी न अंदर आने दिया गया और न बाहर आने दिया गया। टीम के दबिश देने का पता चलने पर फेज-3बी2 में ही रहते डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अफसरों से बात की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों के माध्यम से अपील करते हुए कहा कि पम्मा को देश छोड़ किए साल हो गए हैं। तब से वह न घर आया है और न ही कोई संपर्क किया है। इसके अलावा उसके माता-पिता कभी भी उसके पास विदेश नहीं गए हैं इसलिए इस उम्र में उन्हें तंग करना सही नहीं है। कुछ दिन पहले भी एनआईए ने आतंकी पम्मा के घर दबिश दी थी। इससे पहले कई एक दबिश के दौरान घर के शौचालय के फ्लश की टंकी से कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए थे। एनआईए को पम्मा के अभी भी अपने माता-पिता के साथ संपर्क होने का शक है। वह अभी यूके में राजनीतिक शरण लेकर अपने परिवार के साथ रह रहा है।

इस साल अब तक 1.27 करोड़ पर्यटकों ने किया जम्मू-कश्मीर का दौरा : उपराज्यपाल

बडगाम (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि इस साल अब तक 1.27 करोड़ पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया है और यह संख्या पिछले साल के रिकॉर्ड को पार करने के लिए तैयार है। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफ में एक सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धेय संत शेख-उल-आलम शेख नूरुद्दीन नूरानी (आरए) की प्रशंसा की और कहा कि शेख-उल-आलम को पूरी दुनिया जानती है। संत को दुनिया में किसी से परिचय कराने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह शेख-उल-आलम हैं, शेख-उल कश्मीर नहीं। उन्होंने कहा कि संत सूफीवाद के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांतिपूर्ण माहौल बना हुआ है, क्योंकि पूरे साल कारोबार चलता रहता है और स्कूल और कॉलेज सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। मैं हमेशा कहता रहता हूं कि शांति के बिना कुछ भी संभव नहीं है। जब तक शांति स्थापित नहीं होगी तब तक कोई भी विकास संभव नहीं है। एक समय था, जब शिकारा मालिक, होटल मालिक और आम ऑटो-रिक्शा मालिक को अनिश्चितता के कारण बहुत परेशानी होती थी, लेकिन हम उस चरण से बाहर आ गए हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि इस साल अब तक 1.27 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए हैं और यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में बहुत अधिक है। हमें उम्मीद है कि साल के अंत तक रिकॉर्ड तोड़ पर्यटक आएंगे। उन्होंने कहा कि जब बड़ी संख्या में पर्यटक कश्मीर आने लगे हैं तो गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करना प्रशासन या प्रशासन का मुख्य कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम अपने मेहमानों को सर्वोत्तम सुविधाएं देने के लिए केंद्र शासित प्रदेश में हर जगह पर्यटक बुनियादी ढांचा स्थापित कर रहे हैं।

बड़ा प्रशासनिक फेरबदल : राजस्थान में तीन आईएएस और 336 आरएएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर (हिंस)। आगामी विधानसभा चुनाव और भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के तहत प्रदेश की गहलोत सरकार ने प्रशासनिक बेड़े में बड़ा फेरबदल किया है। गहलोत सरकार ने 3 आईएएस और 336 आरएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। तबादला सूची में उन सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बदला जा रहा है, जो पिछले 3 साल या उससे अधिक समय से एक ही जगह पर जमे हुए हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को 3 आईएएस और 336 आरएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की गई है। आईएएस में भानु प्रकाश एटूरु को संभागीय आयुक्त बीकानेर से वापस शासन सचिव गृह विभाग जयपुर लाया गया है, वहीं वी श्रवण कुमार को शासन सचिव गृह विभाग से आयुक्त विभागीय जांच में लगाया गया है। इसके साथ ही उर्मिला राजोरिया को प्रबंध निदेशक राजफेड जयपुर से संभागीय आयुक्त बीकानेर भेजा गया है। आईएएस मेघराज सिंह रतनू को पंजीयन सहकारिता विभाग के साथ-साथ प्रबंध निदेशक राजफेड जयपुर के पद का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। प्रदेश में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में खाली चल रहे चुनाव से जुड़े अधिकारियों के पदों को भरा गया है। चुनाव कार्य से सीधे जुड़े आरएएस स्तर के पदों को भरने की कोशिश की गई है। सूची में करीब 120 एसडीओ को इधर-उधर किया गया है। निर्वाचन विभाग के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी पद को भरा गया है। चेतन चौहान की जगह आलोक जैन को उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। तबादला सूची में खाली चल रहे रिटर्निंग ऑफिसर के 90 पदों को भरा गया है। चुनावी साल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस के विधायकों और जनप्रतिनिधियों की राय को इस तबादला सूची में तवज्जो दी है। जिलों और उपखंड स्तर पर सरकार ने प्लानिंग के हिसाब से फील्ड में अधिकारी लगाएं हैं। ज्यादातर अतिरिक्त जिला कलेक्टर और तहसीलदार स्थानीय विधायकों और जनप्रतिनिधियों की सिफारिश के आधार पर लगाए गए हैं। प्रशासनिक सुधार विभाग ने एक दिन पहले ही सभी विभागों को निर्देश जारी किए थे कि भारत निर्वाचन की फोटो युक्त मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम से पहले तबादलों की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। 21 अगस्त के बाद 4 अक्टूबर 2023 तक किसी भी तरह के कोई तबादले नहीं होंगे। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार संतोष कुमार मीणा को अतिरिक्त जिला कलेक्टर अलवर द्वितीय, रणजीत सिंह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर डीग भरतपुर, मुकेश चौधरी को अतिरिक्त आयुक्त देवस्थान विभाग उदयपुर, करतार सिंह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर बूंदी, अयूब खां को उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर वृत तृतीय, हिम्मत सिंह को उपायुक्त नगर निगम जयपुर ग्रेटर जयपुर, जगदीश प्रसाद गौड़ को अतिरिक्त जिला कलेक्टर बीकानेर शहर, राकेश कुमार शर्मा प्रथम को उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक जोधपुर वृत, कालूराम गौड़ को जिला रसद अधिकारी जोधपुर, जगदीश आर्य को उपायुक्त जेडीए जयपुर, राजेंद्र सिंह चुंडावत को उप सचिव राजस्थान आवासन मंडल जयपुर, हरिताभ कुमार आदित्य को अतिरिक्त जिला कलेक्टर बीसलपुर परियोजना देवली टोंक, मुकेश बारेठ को सचिव नगर विकास न्यास उदयपुर, शेर सिंह लोहारिया को उपायुक्त दिल्ली मुंबई कॉरिडोर प्रोजेक्ट जयपुर राजस्थान, सुरेश कुमार खटीक को उपमहानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक बांसवाड़ा वृत, हेमराज परिडवाल को अतिरिक्त जिला कलेक्टर बूंदी, नानूराम सैनी को उप महाप्रबंधक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम जयपुर, प्रकाश चंद्र अग्रवाल को जिला कलेक्टर जोधपुर शहर के पद पर तैनात किया गया है। इसके अलावा ब्रह्मलाल जाट को अतिरिक्त जिला कलेक्टर भीलवाड़ा, राजेंद्र सिंह शेखावत प्रथम को जिला रसद अधिकारी अजमेर, यशपाल आहूजा को रजिस्ट्रार बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर, अभी गर्ग को जिला रसद अधिकारी बीकानेर, महावीर सिंह द्वितीय को उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर, उम्मेद सिंह रतु को राजस्व अपील अधिकारी श्रीगंगानगर, आसाराम को अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजमेर शहर, सुरेंद्र सिंह पुरोहित को जिला आबकारी अधिकारी जोधपुर, अदिति पुरोहित को रजिस्ट्रार कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, भास्कर बिश्नोई को अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिरोही, निशा को उपायुक्त एसएमएसए स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर, तारामती वैष्णव को उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग अजमेर, अर्पिता सोनी को अतिरिक्त जिला कलेक्टर सूरतगढ़ श्रीगंगानगर, योगेश कुमार डागुर को रजिस्ट्रार मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर, सुभाष कुमार को उपखंड अधिकारी कोलायत बीकानेर, रीना को जिला आबकारी अधिकारी श्रीगंगानगर, सैयद सिराज अली जैदी को उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर वृत प्रथम, राजेंद्र कुमार डांगा को सचिव प्रशासन जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड जोधपुर, भूपेंद्र कुमार यादव को महाप्रबंधक राजस्थान कौशल एवं आजीविका जयपुर, कपिल कुमार यादव को अतिरिक्त जिला कलेक्टर हनुमानगढ़, शैलेंद्र सिंह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर जालोर, रोहित कुमार को सीईओ जिला परिषद ईजीएस जालोर, मनीषा तिवारी को एसडीएम रामगंज मंडी, मोहम्मद ताहिर को विशेष अधिकारी भूमि नगर विकास न्यास भीलवाड़ा, एकता काबरा को उपायुक्त एसएमएसए स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर, अंजना शेखावत को एसडीएम छीपाबड़ौद लगाया गया है।

पृष्ठ तीन का शेष

डीजीपी को पेश ...

प्रभारी नहीं थे। या तो वे ऐसा करने में असमर्थ थे या अनिच्छुक थे। सुप्रीम कोर्ट ने उस रिपोर्ट को रिकॉर्ड किया है जो मणिपुर की ओर से दायर की गई है। इसमें कहा गया है कि 25 जुलाई, 2023 तक 6496 एफआईआर दर्ज की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नोट किया कि स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार 150 मौतें हुईं, 502 घायल हुए, 5,101 मामले आगजनी की और 6,523 एफआईआर दर्ज की गईं। 252 लोगों को एफआईआर में गिरफ्तार किया गया और 1,247 लोगों को निवारक उपायों के तहत गिरफ्तार किया गया। स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि 11 एफआईआर के सिलसिले में 7 गिरफ्तारियां की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि एफआईआर दर्ज करने में काफी देरी हुई है।

बजरंग दल : हथियार ...

कि जिले के मोरनोई गांव में आयोजित शिविर में 350 युवाओं को बंदूकें चलाने, मार्शल आर्ट के अलावा कला, राजनीति और आध्यात्मिकता का पाठ सीखने का प्रशिक्षण दिया गया। बजरंग दल के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि ऐसे शिविर पड़ोसी देशों से अवैध अप्रवासियों से सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं। कांग्रेस विधायक दल के नेता देबब्रत सैकिया ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को लिखे एक पत्र में आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

प्रतीक हाजेला का ...

बिना है, जो जांच और रिपोर्ट के निष्कर्षों/नतीजों के आधार पर शुरू की जा सकती है। इसके अलावा, चूंकि देनदारियों की वसूली की प्रक्रिया चल रही है, इसलिए उनके पेंशन संबंधी लाभों को अगले आदेश तक स्थगित रखा गया है। यहां यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि प्रतीक हाजेला 2019 से तीन साल के लिए मध्य प्रदेश में इंटर कैडर प्रतिनियुक्ति पर थे, व्यक्तिगत आधार पर इंटर कैडर प्रतिनियुक्ति को 2022 से आगे बढ़ाने के उनके अनुरोध को असम सरकार के साथ-साथ भारत सरकार ने भी खारिज कर दिया था। इसके बाद हाजेला ने अप्रैल 2023 को अपना ज्वाइनिंग लेटर जमा किया और उसी तारीख को वीआरएस के लिए तीन महीने की पूर्व सूचना शर्त की आवश्यकताओं से छूट देकर व्यक्तिगत आधार पर सेवा से वीआरएस के लिए आवेदन भी किया। यह भी पता चला है कि प्रतीक हाजेला को 23,05,500 रुपए की वसूली का नोटिस दिया गया था, हालांकि, मामला अभी तक सुलझ नहीं पाया है।

मेरापानी भूमि विवाद...

तहत नंदलाल गड़े द्वारा अधिग्रहित भूमि पर अतिक्तमण करने की कोशिश कर रहे हैं। तब से विवादित भूमि के रूप में पहचान की गई भूमि को दोनों राज्यों के प्रशासन द्वारा किसी भी पक्ष को भूमि दिए बिना जब्त कर लिया गया है। इस मामले में, स्वर्गीय नंदलाल गड़े के परिवार ने उस निर्देश का पालन करते हुए क्षेत्र में कोई खेती नहीं की, लेकिन हाल ही में नगाओं का एक वर्ग चुपके से आया और उस भूमि में हल-कुदाल से आहू धान की खेती करने के लिए उतर गया। इसके बाद तारामाई ने नगाओं के अतिक्तमण के बारे में जानने के बाद गोलाघाट प्रशासन के साथ-साथ सीमा पर तैनात सीआरपीएफ को भी सूचित किया। इस संबंध में दोनों पक्षों ने मेरापानी स्थित सीआरपीएफ कैंप में कई बार चर्चा की ताकि इस मुद्दे को सुलझाया जा सके। लेकिन, कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पीड़ित परिवार ने 17 मई को दोनों राज्यों में सीमा मजिस्ट्रेट स्तर की वार्ता विफल होने के बाद जिला कलेक्टर स्तर की चर्चा की मांग की थी। इस चर्चा के लिए आज मेरापानी में सीआरपीएफ के मुख्य शिविर में मेरापानी के बॉर्डर मजिस्ट्रेट और नगालैंड के बॉर्डर मजिस्ट्रेट के बीच चर्चा हुई। चर्चा में दोनों मजिस्ट्रेटों ने दोनों पक्षों की बात सुनी। नगाओं की ओर से उन्होंने विवादित भूमि के संबंध में विभिन्न दस्तावेज दिखाए और दावा किया कि यह जमीन नगाओं की है। इस बीच, तारामाई ने दावा किया कि यह जमीन उनकी पैतृक संपत्ति है और उन्होंने नगाओं पर उनके द्वारा दिखाए गए दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया। तारामाई किसी भी कारण से भूमि को नगाओं के नियंत्रण में नहीं जाने देने की बात कही है। भले ही उसे अपना खून ही क्यों न देना पड़े। इस बीच, तारामाई ने आरोप लगाया कि असम सरकार का प्रशासन असम की जमीन के रखरखाव में लापरवाही बरत रहा है। विवादित क्षेत्र पर कोई समझौता नहीं होने के कारण उसने फिर से वार्ता के लिए अगली तारीख तय कर दी। मामले के संबंध में सभी तथ्यों का गहन अध्ययन करने वाले मेरापानी सीमा मजिस्ट्रेट ने संवाददाताओं से कहा कि उचित समय पर इस विषय में चर्चा की जाएगी।

एआईयूडीएफ के 16...

विधायकों के पास 2,64,01,68,892 करोड़ रुपए की संपत्ति है, जबकि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के 12 विधायकों के पास 2,20,91,80,848 करोड़ रुपए की संपत्ति है। मेघालय की एक अन्य पार्टी - हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी - को भी इस सूची में शामिल किया गया है क्योंकि इसके दो विधायकों की औसत संपत्ति 32,21,41,325 करोड़ रुपए है। त्रिपुरा में टिपरा मोथा पार्टी के 13 विधायकों के पास 7,92,07,584 करोड़ रुपए की संपत्ति है। इसके अलावा, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के 19 विधायकों के पास 1,09,12,73,842 करोड़ रुपए की संपत्ति है, जबकि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के एकमात्र विधायक के पास 13,55,60,662 करोड़ रुपए की औसत संपत्ति है। नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के सात विधायकों को भी इस सूची में जगह मिली है क्योंकि उनके पास 44,42,54,247 रुपए की संपत्ति है। इसके अलावा नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के 25 विधायकों की औसत संपत्ति 2,25,72,62,858 रुपए है। रिपोर्ट के मुताबिक, मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के 27 विधायकों के पास 1,34,84,70,999 करोड़ रुपए की संपत्ति है. यह डेटा विधायकों द्वारा उनके पिछले चुनाव लड़ने से पहले दायर किए गए हलफनामों से निकाला गया है और 28 राज्य विधानसभाओं और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 4033 में से कुल 4001 विधायकों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट में 84 राजनीतिक दलों के 4001 मौजूदा विधायकों और निर्दलीय विधायकों को शामिल किया गया है।

हीरो मोटोकॉर्प के ...

मुंजाल के एक करीबी को एयरपोर्ट पर बड़ी मात्रा में अघोषित विदेशी मुद्रा के साथ पकड़ा था। आयकर विभाग ने टैक्स चोरी की जांच के तहत मुंजाल और उनकी कंपनी पर पिछले साल मार्च में छापा मारा गया था। मंगलवार को ईडी की छापेमारी का असर कंपनी के शेयर पर भी दिखा है।

नूंह हिंसा : हरियाणा...

उप-मंडल में सभी सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों को मौजूदा हालात में बंद करना आवश्यक समझा जाता है। जैसे ही राज्य में तनाव फैल गया, नूंह और गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और रेवाड़ी जिलों में लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। बताया जा रहा है कि हिंसा पर काबू पाने के लिए अर्धसैनिक बलों की 20 कंपनियां तैनात की गई हैं। घटना के एक दिन बाद भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

नूंह हिंसा में दो ...

गुरुग्राम और नूंह में हर साल धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस साल भी इस आयोजन के तहत सोमवार को यात्रा निकाली गई। कुछ लोगों ने साजिश के तहत यात्रा और पुलिस पर पथराव किया, जिससे यात्रा बाधित हुई। यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा है।

यूसीसी को लेकर ...

रूप से 20,000 से अधिक लोगों से मुलाकात की गई थी। समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट लाने से पहले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, राज्य वैधानिक आयोगों के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक संप्रदायों के नेताओं के साथ भी बातचीत की थी। यूसीसी पर सार्वजनिक सुझावों की समय सीमा 28 जुलाई को समाप्त हो गई है। बताया जा रहा है कि इस दौरान विधि आयोग को 80 हजार से अधिक सुझाव मिले हैं। जिसके बाद अब विधि आयोग आगे की प्रक्तिया शुरू कर दी है।

हर किसी का ...

के युवाओं के सपनों को पूरा करता है। आज की लगभग 15 हजार करोड़ की परियोजनाएं इस पहचान को और मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के विकास से देश के विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। जब भारत बढ़ेगा, तो महाराष्ट्र को भी लाभ मिलेगा। नवाचार और स्टार्टअप के केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती पहचान का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 9 साल पहले कुछ सौ की तुलना में 1 लाख स्टार्टअप को पार कर लिया है। उन्होंने इस सफलता के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे के विस्तार को श्रेय दिया और भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे की नींव में पुणे की भूमिका की सराहना की। उन्होंन कहा कि सस्ता डेटा, किफायती फोन और हर गांव तक पहुंचने वाली इंटरनेट सुविधाओं ने इस क्षेत्र को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक और बेंगलुरु के लिए राजनीतिक स्वार्थ के परिणामों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कर्नाटक और राजस्थान में विकास ठप होने पर भी अफसोस जताया। मोदी ने कहा कि देश को आगे ले जाने के लिए नीति, नियत और नियम (नीति निष्ठा और नियम) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

पाकिस्तान का भारत...

बहुत कुछ खो चुके हैं और हमें गरीबी और तबाही के अलावा कुछ नहीं मिला है। पीएम शहबाज ने मंगलवार को पाकिस्तान खनिज शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी भारत के साथ सहयोग करने की अपनी इच्छा दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान किसी के खिलाफ कुछ भी नहीं रखता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के इतिहास और 1947 में उनकी आजादी के बाद से तीन युद्धों के बावजूद, प्रधानमंत्री मूल्यवान जुड़ाव को बढ़ावा देना चाहते हैं।

पवार ने नहीं ...

शामिल होने से रोकना चाह रहे थे। लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने से पहले विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने दगडूशेठ हलवाई गणेश मंदिर से आधा किलोमीटर दूर मंडई में प्रदर्शन किया। मोदी ने पुणे पहुंचने के बाद सर्वप्रथम इस मंदिर में पूजा-अर्चना की। उधर, कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार) और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन किया। इंडिया की तीसरी बैठक 25 अगस्त को महाराष्ट्र में प्रस्तावित है। आज के इस घटनाक्तम के बाद से इस बैठक को लेकर शरद पवार की भूमिका के बारे में तमाम प्रकार के कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) के नेता भलीभांति यह जानते हैं कि शरद पवार मोदी के साथ मंच साझा भले ही करें, लेकिन वे इंडिया के ही साथ रहेंगे। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि भोपाल में मोदी के दिए गए भाषण के बाद अजित पवार एकाएक एनसीपी में टूट का कारण बने। कहीं उसी टूट से पार्टी को बचाने के लिए शरद पवार की यह कोई रणनीति तो नहीं है।

दवा असली है ...

डोलो, सेरिडॉन, कॉम्बिफ्लेम और एंटीबायोटिक्स एजिथ्रल, ऑगमेंटिन, सेफ्टम से लेकर एंटी-एलर्जी दवा एलेग्रा और थॉयराइड दवा थायरोनॉर्म भी शामिल हैं। डीसीजीआई ने बताया कि जो भी कंपनी इस आदेश को पूरा नहीं करेगी उसे जुर्माने के दायरे में रखा जाएगा। केंद्र सरकार ने कुल 300 दवाओं पर क्यूआर कोड लगाने का आदेश दिया है। क्यूआर कोड जरूरत पड़ने पर बैच को सफलतापूर्वक वापस बुलाने जैसे ट्रैकिंग और ट्रेसिंग में मदद तो करेगा ही साथ ही इससे नकली दवाओं की पहचान करने में भी मदद मिलेगी। दवा इंडस्ट्री जानकारों का कहना है कि इस तरह के कदम से देश में घटिया या नकली दवाओं की बिक्री पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। यूनिक प्रोडेक्ट आइडेंटिफिकेशन कोड के द्वारा दवा का जेनेरिक नाम, ब्रांड का नाम, मैन्यूफैक्चरर का नाम, दवा की मैन्युफैक्चरिंग तारीख के साथ-साथ उसकी एक्सपायरी डेट और दवा बनाने वाली कंपनी का लाइसेंस नंबर भी पता चल जाएगा।

पड़ोसियों की शिकायत के बाद हेडक्वार्टर से हटा एक्स लोगो: तेज रोशनी के कारण लोगों को हो रही थी दिक्कत, मस्क को देना होगा जुर्माना

वॉशिंगटन।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) हेडक्वार्टर की बिल्डिंग पर एक्स लोगो लगाने के कुछ दिन बाद अब इसे हटा दिया गया है। लोगो में तेज रोशनी वाली लाइट जलती थी, जिससे पड़ोसियों को दिक्कत हो रही थी। इसकी शिकायत के बाद लोगो हटा दिया गया है। हालांकि, लोगो हटाने की वजहों के बारे में मस्क या उनकी कंपनी ने ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी है। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि बिल्डिंग के ऊपर लाइटिंग वाला एक्स लोगो लगाए जाने के बाद सिटी बिल्डिंग डिपार्टमेंट के पास लगभग 24 शिकायतें दर्ज की गई थी। उनका दावा था कि लोगो की चमकदार रोशनी रात के समय परेशान करती है। इसके बाद ट्विटर के रीब्रांडेड लोगो को हटा दिया गया है।

लोगो लगने के बाद एलन मस्क ने शेयर किया था वीडियो

एलन मस्क ने एक्स हेडक्वार्टर की बिल्डिंग पर लोगो लगने के बाद एक वीडियो शेयर किया था। उस वीडियो में एरियल व्यू में ट्विटर का लोगो दिखाया गया था, जिसमें तेज लाइट भी जल रही थी।

एलन मस्क को देना होगा जुर्माना

सैन फ्रांसिस्को डिपार्टमेंट ऑफ बिल्डिंग इंस्पेक्शन एंड सिटी प्लानिंग ने कहा है कि बिना अनुमति के एक्स लोगो लगाने के लिए कंपनी के मालिक पर जुर्माना लगाया जाएगा। इससे पहले डिपार्टमेंट ऑफ बिल्डिंग इंस्पेक्शन के प्रवक्ता ने कहा था कि किसी भी प्रकार के लोगो और चिन्हों को बदलने के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता होती है, जिससे कि बिल्डिंग की ऐतिहासिकता बनी रहे।

कई लोग सैन फ्रांसिस्को से बाहर मूव कराना चाहते हैं हेडक्वार्टर

हाल ही में एलन मस्क ने पोस्ट कर बताया था कि कई लोग एक्स हेडक्वार्टर को सैन फ्रांसिस्को से बाहर मूव कराना चाहते हैं। उन्होंने लिखा था, कई लोगों ने एक्स को अपना हेडक्वार्टर सैन फ्रांसिस्को से बाहर मूव करने के लिए इंसेंटिव देने की पेशकश की है। इसके अलावा एक के बाद एक कंपनियों के चले जाने के बाद शहर संकट में है। इसलिए उन्हें लगता है कि एक्स भी चला जाएगा, लेकिन हम कभी नहीं। आप केवल तभी जानते हैं कि आपके असली दोस्त कौन हैं जब संकट खत्म हो जाता है। सैन फ्रांसिस्को, सुंदर सैन फ्रांसिस्को, हालांकि अन्य लोग आपको छोड़ देते हैं, हम हमेशा आपके दोस्त रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल के ठिकानों पर छापाः मनी लॉन्ड्रिंग के केस में ईडी ने की कार्रवाई, 3प्रतिशत गिरे कंपनी के शेयर

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर पवन मुंजाल और कुछ अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। रिपोर्ट के अनुसार, ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत दिल्ली और ग्रुरुग्राम स्थित ऑफिसों और घरों पर यह कार्रवाई की गई है। अगस्त 2018 में, पवन मुंजाल को दिल्ली एयरपोर्ट पर प्लेन से उतार दिया गया था। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि उनके साथ सफर कर रहे अमित बाली के पास से सिक्योरिटी चेक में 81 लाख रुपए की फॉरेन करेंसी मिली थी। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस इस मामले की जांच कर रहा था। अब ईडी ने इसी इनपुट के आधार पर छापेमारी की है। ईडी की कार्रवाई की खबर के बाद हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में करीब 3प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। दोपहर करीब 3 बजे हीरो मोटोकॉर्प का शेयर 3,101 रुपए पर था। इसने कारोबार के दौरान 3032 रुपए का निचला स्तर बनाया। इसका हाई 3244 रुपए का रहा। इससे पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 22 मार्च 2022 को मुंजाल के घर और ऑफिस पर रेड की थी। तब उनके खिलाफ अपने अकाउंट में बोगस खर्च दिखाए जाने के आरोप लगे थे। आईटी टीम को जो अकाउंट डिटेल्स मिली थी, उसमें कुछ इनहाउस कंपनियों के नाम भी थे। साल 2022 के आखिर में पवन मुंजाल की नेट वर्थ 3.55 बिलियन डॉलर (करीब 29.20 हजार करोड़ रुपए) थी।

ओएमसी ने रिवाइज की जेट फ्यूल की कीमतेंः दिल्ली में 7,720 प्रति किलोलीटर बढ़े एटीएफ के दाम, महंगा हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने लगातार दूसरे महीने एविएशन टरबाइन फ्यूल यानी हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाले फ्यूल की कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़ी हुई नई दरें 1 अगस्त से ही लागू होंगी। ओएमसी के इस फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत 7,720 प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) बढ़ कर 98,508.26 प्रति किलोलीटर हो गई है। इस बढ़ोतरी के बाद अब हवाई सफर महंगा हो सकता है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। उधर सीएनजी और पीएनजी के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने 1 अगस्त से डोमेस्टिक क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है। क्रूड पेट्रोलियम पर स्पेशल ऐडिशनल एक्साइज ड्यूटी 1600/टन से बढ़ाकर 4250/टन कर दी गई है। डीजल पर विंडफॉल टैक्स शून्य से बढ़ाकर 1 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। पेट्रोल और एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहली बार साल 2022 में विंडफॉल टैक्स लागू किया गया था सरकार ने पहली बार साल 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला किया था।

अडाणी टोटल गैस के नतीजे जारी किएः पहली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 8.56प्रतिशत बढ़कर 150 करोड़ रहा, रेवेन्यू 1.3प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। अडाणी टोटल गैस ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। अप्रैल-

जून तिमाही में कंपनी को सालाना आधार पर 8.56प्रतिशत बढ़कर 150.22 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले कंपनी को 138.37 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। इसके साथ ही इस तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 1.3प्रतिशत बढ़कर 1056 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में 1042 करोड़ रुपए था। जून तिमाही में कंपनी का मार्जिन सालाना आधार पर 21प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 23.5प्रतिशत हो गया। सालाना आधार पर 13.35प्रतिशत बढ़कर 247.8 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी तिमाही में यह 218.6 करोड़ रुपए था।

केंद्रीय कर्मियों और पेंशनरों का डीए चार फीसदी बढ़ना तय, आम चुनाव से पहले फिर मिलेगा फायदा

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार के 47 लाख कर्मियों और लगभग 62 लाख पेंशनरों के लिए खुशखबरी है। उनके डीए/डीआर में पहली जुलाई से चार फीसदी की बढ़ोतरी, अब लगभग तय है। वजह, श्रम ब्यूरो द्वारा जून 2023 के लिए जारी ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर सूचकांक में 1.7 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अब यह सूचकांक 136.4 हो गया है। ऐसे में अब केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों को जुलाई, 2023 से मिलने वाले महंगाई भत्ते/महंगाई राहत में 4 प्रतिशत की वृद्धि तय है। इस बढ़ोतरी के साथ डीए/डीआर की दर 46 प्रतिशत हो जाएगी। सितंबर के पहले सप्ताह में 46 फीसदी डीए/डीआर की फाइल को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है।

सीपीआई-आईडब्ल्यू सूचकांक में 1.7 अंक की वृद्धि

बता दें कि ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर सूचकांक प्रत्येक माह तैयार होता है। इसके लिए देश के 88 अहम इंडस्ट्रियल सेंटरों के तहत आने वाली 317 मार्केट से डेटा एकत्रित किया जाता है। जून, 2023 के लिए अखिल भारतीय सीपीआई-आईडब्ल्यू सूचकांक में 1.7 अंक की वृद्धि हुई है। यह 136.4 की वृद्धि पिछले महीने की तुलना में 1.26 प्रतिशत ज्यादा है। एक साल पहले इसी महीने के बीच 0.16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। वर्तमान सूचकांक में अधिकतम वृद्धि का दबाव खाद्य और पेय पदार्थ समूह की तरफ से आया है। इन दोनों समूहों ने कुल परिवर्तन में 1.62 प्रतिशत अंक का योगदान दिया है।

अगर वस्तुओं के आधार पर देखें तो चावल, गेहूं, आटा, अरहर दाल, मूंग दाल, ताजा मछली, पोल्ट्री चिकन, अंडा-मुर्गी, सेब, केला, बैंगन, गाजर, अदरक, फूलगोभी, हरी मिर्च, आलू, प्याज, टमाटर, जीरा, सुपारी, कैजुअल वियर, कैनवास जूते, बर्तन, दवा आयुर्वेदिक आदि सूचकांक में वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि, इस वृद्धि को बड़े पैमाने पर सरसों का तेल, पाम आयल, सूरजमुखी तेल, नारियल तेल, नींबू, आम और मिट्टी के तेल आदि से सूचकांक पर दबाव डालकर रोका गया है।

बाकी के भत्ते भी 25 प्रतिशत बढ़ जाएंगे

केंद्र सरकार के कर्मियों को छह माह बाद डीए/डीआर में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलने की उम्मीद है। पहली जुलाई से चार फीसदी डीए में वृद्धि तय है। इसके बाद जनवरी 2024 में दोबारा से डीए में चार फीसदी की वृद्धि संभव है। ऐसा होता है तो छह माह बाद सरकारी कर्मियों और पेंशनरों के डीए/डीआर में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो जाएगी। जब डीए वृद्धि का ग्राफ पचास फीसदी के पार चला जाएगा तो सातवें वित्त आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, बाकी के भत्ते भी स्वत: ही 25 प्रतिशत बढ़ जाएंगे।

पिछले दिनों संसद में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की कोई योजना नहीं है। केंद्र सरकार इस संदर्भ में विचार नहीं कर रही। खास बात है कि सातवें वेतन आयोग ने सिफारिश की थी कि केंद्र में पे रिवाइज हर दस साल में ही हो, यह जरुरी नहीं है। इस अवधि का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। यह पीरियोडिकल भी हो सकता है। हालांकि पे कमीशन ने इसकी कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं दी कि कब और कितने समय बाद वेतन आयोग गठित होना चाहिए।

क्या 2026 में होगा वेतन का पुनर्निर्धारण

पिछला वेतन आयोग 2013 में गठित हुआ था। उसके तीन साल बाद आयोग की सिफारिशें लागू हुई। उस हिसाब से 2026 में वेतन रिवाइज होना चाहिए। इसके लिए 2023 में आयोग का गठन होना जरुरी है। अब केंद्र सरकार, ऐसे किसी आयोग के गठन से मना कर रही है। संसद में इस मुद्दे पर जो सवाल जवाब हुए, उनमें कहा गया है कि जनवरी 2016 से जनवरी 2023 के बीच में कर्मियों के वेतन और पेंशन में 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान देश में प्रति व्यक्ति आय 111 प्रतिशत बढ़ी है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा, मुद्रा स्फीति के कारण वेतन और पेंशन के असली मूल्य में जो कटौती होती है, उसे पूरा करने के लिए डीए/डीआर दिया जाता है। अब डीए 42 प्रतिशत हो गया है। प्रति व्यक्ति आय तीन गुणा हो गई। इसके साथ वस्तुओं के दाम भी उसी अनुरुप में बढ़े हैं। मतलब, केंद्र सरकार के कर्मी कम वेतन पर काम कर रहे हैं। पिछले तीन वेतन आयोगों की तरफ से कहा गया है कि जब डीए 50 प्रतिशत तक पहुंच जाए तो मुद्रा स्फीति के प्रभाव को कम करने के लिए भविष्य में पे रिवाइज किया जाए। जनवरी 2024 में डीए 50 के पार हो जाएगा।

पीवीआर-आईनोक्स को जून तिमाही में 81.6 करोड़ का घाटा

कंपनी के खर्चों में 56प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी, ऐवरेज टिकट प्राइस 246 रुपए रहा

मुंबई।
मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआर-आईनोक्स ने जून तिमाही में 81.6 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में 53 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। खर्चों में 56प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी के कारण ये घाटा दर्ज किया गया है। इस तिमाही में कंपनी का खर्च 1,437.70 करोड़ रुपए रहा, जबकि एक साल पहले की तिमाही में यह 917 करोड़ रुपए था। कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर बढ़कर 1,304.9 करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 981 करोड़ रुपए दर्ज किया गया था। वहीं पीवीआर-आईनोक्स ने तिमाही आधार पर टिकटों की बिक्री में 15प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। फूड एंड बेवरेज की सेल्स में तिमाही दर तिमाही 22प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। ऐड इनकम के समान ही रही है।

ऐवरेज टिकट प्राइस 246 रुपए रहा

पीवीआर-आईनोक्स का ऐवरेज टिकट प्राइस 246 रुपए रहा। तिमाही आधार पर यह 3प्रतिशत की ग्रोथ है। वहीं फूड एंड बेवरेज यानी खाने पीने की चीजों पर प्रति व्यक्ति औसत खर्च 130 रुपए रहा। क्रमिक आधार पर यह 9प्रतिशत की बढ़ोतरी है। कंपनी ने हाल ही में खाने-पीने के सामानों की कीमतों में 40प्रतिशत तक कटौती की थी। उसने 99 रुपए वाला फूड कॉम्बो भी पेश किया था। कंपनी ने तिमाही के दौरान 5 प्रॉपर्टी में 31 स्क्रीन ऐड की हैं। जुलाई तक पीवीआर-आईनोक्स के पास 114 शहरों के 361 सिनेमाघरों में 1,707 स्क्रीन थी। वहीं 1 अगस्त को कंपनी ने अपनी स्टॉक फायलिंग में बताया कि उसने पटना के केवी मॉल में 3 स्क्रीन मल्टीप्लेक्स ओपन किया है। अब उसके पास भारत और श्रीलंका के 115 शहरों में 362 प्रॉपर्टीज पर 1710 स्क्रीन हो गई है। पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय बिजली ने कहा कि हॉलीवुड फिल्मों का असाधारण प्रदर्शन कंज्यूमर्स के थिएटर जाने के प्रति प्रेम में हमारे विश्वास को मजबूत करता है।

88प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस लौटे, आरबीआई ने कहा- अब चलन में 42 हजार करोड़ रुपये मूल्य के नोट

नई दिल्ली।
आरबीआई के अनुसार 19 मई 2023 को बाजार में चलन में मौजूद 2000 रुपये के नोटों में से 88 प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। 31 मार्च 2023 को बाजार में 3.62 लाख करोड़ रुपये के दो हजार के नोट बाजार में चलन में थे। 19 मई 2023 को यह घटकर 3.56 लाख करोड़ रुपये रह गए थे। इसी दिन आरबीआई ने दो हजार रुपये के नोटों को बाजार से वापस लेने का फैसला किया था।

देश में 88 प्रतिशत 2000 के नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं। 31 जुलाई 2023 तक बाजार में अब महज 42,000 करोड़ रुपये मूल्य के नोट ही बचे है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 31 जुलाई 2023 तक 3.14 लाख करोड़ रुपये के 2000 रुपये के नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। अब महज 42 हजार करोड़ रुपये मूल्य के नोट ही बाजार में चलन में है। आरबीआई के अनुसार 19 मई 2023 को बाजार में चलन में मौजूद 2000 रुपये के नोटों में से 88 प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। 31 मार्च 2023 को बाजार में 3.62 लाख करोड़ रुपये के दो हजार के नोट बाजार में चलन में थे। 19 मई 2023 को यह घटकर 3.56 लाख करोड़ रुपये रह गए थे। इसी दिन आरबीआई ने दो हजार रुपये के नोटों को बाजार से वापस लेने का फैसला किया था।

भारत में सोने की मांग में 7प्रतिशत की गिरावट, अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड उच्च कीमतों के कारण घटी खरीदारी

नई दिल्ली।
भारत में सोने की मांग में गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल-जून तिमाही में रिकॉर्ड उच्च घरेलू बाजार की कीमतों के कारण सोने की कीमत 7प्रतिशत घटकर 158.1 टन हो गई। बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोने का उपभोक्ता देश है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने यह जानकारी दी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल की तुलना में 2023 की दूसरी तिमाही में सोने का आयात 16 उछलकर 209 टन पर पहुंच गया। 2023 की पहली छमाही में सोने की मांग का अनुमान 271 टन है और 2023 में पूरी साल की मांग 650-750 टन के बीच हो सकती है। डब्लूजीसी इंडिया के क्षेत्रीय सीईओ सोमसुंदरम पीआर के अनुसार, दूसरी तिमाही में सोने की मांग में 7प्रतिशत की गिरावट मौजूदा कीमतों में रिकॉर्ड बढोतरी के कारण है, ऊंची कीमतों के कारण सोना खरीदने की क्षमता और उपभोक्ता भावना पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि पीली धातु की कीमतों में बहुत कम समय में 64,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के शिखर तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि देश में समग्र कर अनुपालन के कारण भी मांग में कुछ कमी दर्ज की गई।डब्लूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की दूसरी तिमाही में देश की सोने की मांग 170.7 टन से सात प्रतिशत घटकर 158.1 टन रह गई है। मूल्य के संदर्भ में, भारत की दूसरी तिमाही में सोने की मांग 4प्रतिशत बढ़कर 82,530 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 79,270 करोड़ रुपये थी। कुल सोने की मांग में से दूसरी तिमाही में सोने के आभूषणों की मांग 8प्रतिशत घटकर 128.6 टन हो गई, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 140.3 टन थी।

वेदांता से डील तोड़ने के बाद फॉक्सकॉन का भारत में नया प्लान, करेगी 4100 करोड़ रुपये का निवेश

बेंगलुरु।
एपल का निर्माण करने वाली ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन जल्द ही भारत में दो कारखाने खोलने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप भारत में दो कारखानों के लिए कुल 500 मिलियन डॉलर यानी 4100 करोड़ रुपये का निवेश कर सकती है। इन दोनों कारखानों के लिए दक्षिणी राज्य कर्नाटक को चुना गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इन दो फैक्ट्रियों में से एक को एपल के आईफोन बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

इससे पहले मार्च में फॉक्सकॉन की एक सहायक कंपनी ने कर्नाटक में कुल 972.88 मिलियन डॉलर यानी 8,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की थी। इतना ही कंपनी ने दो और दक्षिण राज्य तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भी भारी निवेश किया है।

जल्द होगी आधिकारिक घोषणा

वहीं कर्नाटक में आगामी सुविधाओं के लिए कुछ बुनियादी चीजों को देखा जा रहा है और इस हफ्ते आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के बाद फॉक्सकॉन के उद्यमों का स्वागत करने वाला कर्नाटक तीसरा दक्षिणी भारतीय राज्य बन गया। हालांकि अभी तक, फॉक्सकॉन और एपल ने इस मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

फॉक्सकॉन चीन से भारत लाना चाहती है अपना कारोबार

चीन में मुख्य रूप से स्थापित कंपनी फॉक्सकॉन पिछले कुछ समय से भारत में जमकर निवेश कर रही है, ऐसा माना जा रहा है कंपनी जल्द ही अपना सारा कारोबार चीन से भारत लाने के बारे में सोच रही है। इस बात को इससे समझा जा सकता है कि ताइवानी कंपनी ने तमिलनाडु के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है, जिसमें एक नई इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण कारखाने की स्थापना में 1,600 करोड़ रुपये के निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

वहीं, अगर यह योजना पूरी तरह से शुरू होगी तो इस परियोजना से स्थानीय लोगों के लिए लगभग 6,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) के सीईओ ब्रांड चेंग और कई कंपनी प्रतिनिधियों ने पिछले हफ्ते तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ दक्षिणी राज्य में संभावित निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए बैठक की थी।

बैठक के दौरान, फॉक्सकॉन ने तमिलनाडु में प्रस्तावित योजना के लिए 180 मिलियन डॉलर से 200 मिलियन डॉलर तक की प्रारंभिक राशि का निवेश करने की योजना पेश की थी। राज्य सरकार के एक अज्ञात सूत्र ने बताया कि एफआईआई सुविधा राज्य की राजधानी चेन्नई के नजदीक कांचीपुरम जिले में स्थित होगी।

पीएम मोदी से मिल चुके हैं फॉक्सकॉन के अध्यक्ष

फॉक्सकॉन के अध्यक्ष यंग लियू कर्नाटक के बेंगलुरु का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से मुलाकात भी की थी। इतना ही नहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी भेंट की थी। फॉक्सकॉन भारत में एपल के हैंडसेट का निर्माण साल 2019 से कर रहा है। फॉक्सकॉन के अलावा भारत में भी भारत में एपल की डिवाइस का निर्माण करते हैं।

प्रभास का फेसबुक अकाउंट हुआ हैक, बहाल भी हो गया

-इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर बयान भी किया जारी

मुंबई (ईएमएस)। साउथ इंडियान स्टार प्रभास ने जानकारी दी है कि उनका फेसबुक अकाउंट हैक हो गया था, जिसके बाद उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक बयान भी जारी किया। हालांकि, एक्टर का अकाउंट अब बहाल कर दिया गया है। अपने फॉलोअर्स को सूचित करते हुए उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, हेलो एवरीवन! मेरा फेसबुक अकाउंट पेज हैक कर लिया गया है। मेरी टीम इसपर काम कर रही है। इससे पहले फेसबुक पेज पर कुछ आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट किए गए थे। इनमें से एक वीडियो के कैप्शन में लिखा था- ह्यूमन बिंग अनलकी प्रभास की टीम ने काफी कोशिश के बाद आधिकारिक अकाउंट को पुनः प्राप्त कर लिया। पेज अब बहाल कर दिया गया है और कमेंट सहित पोस्ट हटा दी गई हैं।

प्रभास आमतौर पर सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं। वह इस पेज का इस्तेमाल केवल अपनी फिल्मों के कंटेंट को शेयर करने और को-स्टार्स को शुभकामनाएं देने के लिए करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास की कल्कि 2898 एडी पार्ट 1 12 जनवरी, 2024 को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का हाल ही में सैन डिएगो कॉमिक-कॉन इंटरनेशनल में भव्य प्रदर्शन हुआ। फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी सहित इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े सितारे शामिल हैं।

ड्रीम गर्ल 2 में किया जा रहा तकनीकी उपयोग

-आयुष्मान खुराना का एक महिला के किरदार में

मुंबई (ईएमएस)। अपकमिंग फिल्म ड्रीम गर्ल 2 मार्केटिंग करने और एक्साइटमेंट पैदा करने के लिए दिलचस्प तकनीकों का उपयोग कर रही है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की प्रमुख भूमिका है। आयुष्मान खुराना का फिल्म में एक महिला का किरदार पूजा पिछले कुछ समय से कई लीड कैरेक्टर्स जैसे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के रॉकी के रूप में रणवीर सिंह और तू झूठी मैं मक्कार के रणबीर कपूर के साथ छेड़खानी और बातचीत करती नजर आईं हैं। अब आयुष्मान खुराना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक और वीडियो पोस्ट किया है जिसमें फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनन्या पांडे नजर आईं।

वीडियो की शुरूआत अनन्या पांडे द्वारा अपने पापा चंकी पांडे से शिकायत करने से होती है कि कैसे फिल्म में सारा ध्यान आयुष्मान खुराना के पूजा के किरदार पर केंद्रित कर दिया गया है और कोई भी उसे महत्व नहीं दे रहा है। इसके बाद अनन्या ने चंकी से कहा कि वह फिल्म के निमार्ता, बालाजी प्रोडक्शंस को फोन करें और उनके साथ सीधा संबंध स्थापित करें। वीडियो में आगे चंकी पांडे को बालाजी प्रोडक्शंस के कार्यालय में फोन करते हुए दिखाया गया है। लेकिन पूजा फोन उठाती है और उससे फ़्लर्ट करने लगती है। चंकी पांडे पूजा पर पूरी तरह से मोहित हो जाते हैं। जब वह उससे पूछती है, चंक्स, अनन्या को बुरा तो नहीं लगा ना, उसके सीन मुझसे थोड़े कम हैं, चंकी जवाब देते हैं, बुरा लगता रहता हैं, जैसे मैंने भावना को संभाल लिया है ना, उसी तरह मैं अनन्या की भी भावना को संभाल लूंगा। वीडियो के एंड में पूजा कहती हैं, पूजा एक त्यौहार है, 25 को इस बार है, यह दशार्ता है कि फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।ड्रीम गर्ल फ्रेंचाइजी की बहुप्रतीक्षित सीक्वल एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित है।

राजवीर और पलोमा प्रमुख भूमिका में होंगे दोनों में

-फिल्म का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सनी देओल का छोटा बेटा राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा डेब्यू करने जा रहे हैं। इस अपकमिंग फिल्म का नाम दोनों है। फिल्म निमार्ताओं ने एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें दोनों एक्टर्स की केमिस्ट्री नजर आ रही है। फिल्म दोनों दिग्गज निर्देशक सूरज आर बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या की निर्देशन की पहली फिल्म है। मेघना के रूप में पलोमा की पुरानी दुनिया की सुंदरता और स्वभाव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि देव के रूप में राजवीर ने अपनी मनमोहक स्क्रीन उपस्थिति दर्ज कराई। नए पोस्टर में, दोनों की बेहद सहज केमिस्ट्री नजर आ रही हैं। दोनों हसंते हुए दिखाई जे रहे हैं। राजवीर देव के किरदार में पूरी तरह से डूबे हुए हैं। उन्होंने बेज कलर की पैंट के साथ ब्लू शर्ट पहनी हुई है। वहीं मेघना बनीं पलोमा ने बैलून स्लीव्स वाली रेड ड्रेस पहनी हुई है और एक हाथ में कई कंगन पहने हुए हैं। उन्होंने अपने बालों को वेवी स्टाइल में खुला रखा है। लुक को न्यूड पिंक आईशैडो, न्यूड पिंक लिप्स और थिक्क आइब्रो के साथ पूरा किया गया। वह शरमा रही है, उनका एक हाथ देव के पैर पर रखा हुआ है। यह कहानी दो अजनबियों के बीच मासूमियत और रोमांस के बारे में है, जिनकी मंजिल एक है। पहले जारी किए गए टीजर के मुताबिक, राजवीर और पलोमा की पहली मुलाकात एक शादी में होती है। देव (राजवीर) जहां दूल्हे के दोस्त होते हैं वहीं मेघना (पालोमा) लड़कीवालों की तरफ से होती हैं। दोनों की मुलाकात प्यार में बदल जाती है। राजश्री प्रोडक्शंस, अपनी विरासत के 75वें वर्ष में, अपनी चौथी पीढ़ी द्वारा निर्देशित एक फिल्म प्रस्तुत कर रहा है। प्रोडक्शन हाउस की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित मैंने प्यार किया है।

इसमें सलमान खान और भाग्यश्री ने अभिनय किया था। इस फिल्म को अब तक की सबसे प्रतिष्ठित रोमांटिक फिल्मों में से एक माना जाता है। यह अपने साउंडट्रैक, सलमान और भाग्यश्री के बीच की केमिस्ट्री के कारण लोगों की पसंदीदा बन गई। अपनी 59वीं फिल्म प्रोडक्शन दोनों के लिए राजश्री ने जियो स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया है।

मालिबू में मिउ मिउ इवेंट में स्पॉट किया गया गिगी हदीद

कई दिनों बाद हॉलीवुड एक्ट्रेस गिगी हदीद को मालिबू में मिउ मिउ इवेंट में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से सबका ध्यान खींचती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 28 वर्षीय मॉडल बॉडीकोन ब्लैक ड्रेस में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने व्हाइट मोजे और ब्लैक लोफर्स पेयर किए। चेहरे पर ब्लैक गॉगलस और खुले बालों में एक्ट्रेस का स्टाइल देखते ही बन रहा है। व्हाइट पर्स हाथ में कैरी किए गिगी कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस का एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। बता दें, गिगी हदीद को प्रिजनर डिटेंशन सेंटर में ले जाने के बाद जमानत पर रिहा किया गया था। जुर्म कबूल करने के बाद उन पर 1,000 डॉलर का जुमार्ना लगा था। हालांकि, इस मामले में राहत मिलने के बाद एक्ट्रेस अपने दोस्तों संग चिल करती भी नजर आई थीं।

विक्रांत संग मस्ती करती दिखीं मोनालिसा

हाल ही में भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति विक्रांत सिंह राजपूत संग कुछ लवी-डवी तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, मोनालिसा ने ये तस्वीरें पति विक्रांत सिंह के बर्थडे पर शेयर की हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि जमकर मस्ती कर रही हैं। कपल एक दूजे के बाहों में बाहें डाले रोमांटिक पोज भी देता दिख रहा है। वहीं, कइयों में एक्ट्रेस पति पर किस करती नजर आ रही हैं तो कइयों में सोफे पर बैठ मस्ती करती दिख रही हैं। इस दौरान मोनालिसा पिंक टॉप और मैचिंग शॉर्ट्स में अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। हालांकि, इस दौरान उनका कैजुअल लुक देखने को मिल रहा है। वहीं, उनके पति विक्रांत भी व्हाइट और ब्लू टीशर्ट में कैजुअल नजर आ रहे हैं।

अनुराग ने बांधे करण के तारीफों के पुल

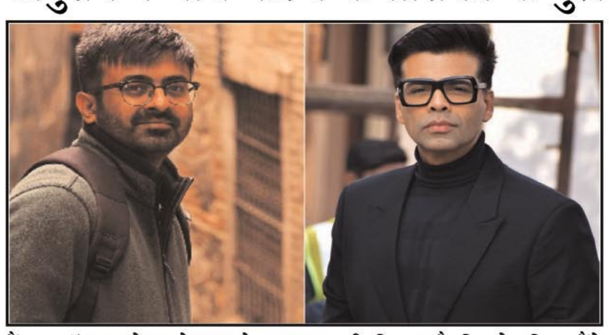

गैंग्स ऑफ वासेपुर के डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने भी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की जमकर तारीफ की है। फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने करण जौहर की फिल्म के लिए सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर अच्छा खासा नोट भी लिखा- करण जोहर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ फिल्म। वह कभी भी अपनी दुनिया नहीं छोड़ता लेकिन वह किसी भी तरह का प्रहार करने से भी पीछे नहीं हटता। इसके अलावा यह केजेओ की दूसरी फिल्म है जिसके लिए मैंने टिकट खरीदे हैं, वह भी दो बार, और उन सभी को देखने के लिए भेज रहा हूं जो मुझ पर भरोसा करते हैं। कुछ बेहतरीन लेखन, उत्तम फॉर्म रणवीरसिंह, बेहद शानदार आलियाभट्ट और शानदार केमिस्ट्री। लंबे समय के बाद मुझे मुख्यधारा की हिंदी फिल्म में संवाद लेखन पसंद आया, जहां लोग वैसे ही बात करते हैं जैसे वे बात करते हैं। इशिता मोइत्रा और गोगो रॉय को बधाई।

बीआरओ ने बॉक्स ऑफिस पर की धमाकेदार शुरूआत

-पवन कल्याण और साई धरम तेज की है यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के कलाकार पवन कल्याण और साई धरम तेज की बीआरओ ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरूआत की। फिल्म ने पहले दिन जबरदस्त ओपनिंग की। फिल्म को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर भारी दर्शक मिले। शुरूआती अनुमानों से पता चलता है कि फिल्म ने सिनेमाघरों में अपने पहले दिन में जबरदस्त शुरूआत की। उम्मीद है कि सप्ताहांत में फिल्म की कमाई और बढ़ेगी। मिश्रित समीक्षाओं के बावजूद, पवन कल्याण और साई धर्म तेज की बीआरओ बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है। बीआरओ ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 30 करोड़ रुपये की कमाई की। आने वाले सप्ताहांत में फिल्म के और अधिक कमाई करने की उम्मीद है। तेलुगु बेल्ट में बीआ-रओ की कुल ऑक्यूपेंसी 76,77 प्रतिशत थी। वास्तविक आंकड़े अभी आने बाकी हैं। पवन कल्याण और साईं धर्म तेज अभिनीत यह फिल्म 28 जुलाई, 2023 को नाटकीय रिलीज हुई थी। बीआरओ में प्रिया प्रकाश वारियर, केतिका शर्मा और अन्य भी हैं। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की कैमियो भूमिका है। पवन कल्याण आखिरी बार 2022 में आई फिल्म भीमला नायक में नजर आए थे। वह अगली बार उस्ताद भगत सिंह, ओजी और पीएसपीके 29 में नजर आएंगे। दूसरी ओर, साई धर्म तेज को आखिरी बार तेलुगु हॉरर फिल्म विरुपाक्ष में संयुक्ता मेनन, रवि कृष्णा, ब्रह्माजी, सुनील, अजय और अन्य के साथ देखा गया था। बता दें कि पिछले साल भीमला नायक में नजर आए पवन कल्याण इस वर्ष अभिनेता साईं धरम के साथ फिल्म बीआरओ लेकर आए हैं। इस फिल्म को लेकर दक्षिण भारतीय दर्शकों में कितना जबरदस्त उत्साह था, यह फिल्म के पहले दिन नजर आए। सिनेमाघरों के बाहर टिकट के लिए दर्शकों की लम्बी लाइनें नजर आएं।

सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही किम कार्दशियन

सोशल मीडिया पर हालीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी बोल्ड फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस की तस्वीरें इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल होती हैं। इसी बीच किम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से बाथ लेते हुए की कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब कहर बरपा रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम कार्दशियन ब्लैक बिकिनी पहने स्विमिंग करती नजर आ रही हैं। बिकिनी पहन वह पानी में खूब गोते लगा रही हैं। नहाने के बाद पूल से बाहर निकल वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक देख उनके फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस की ये फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं।

पूजा भट्ट ने बताई 11 साल की शादी टूटने की वजह

एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने शादी के 11 साल बाद अपनी बिखरती दुनिया को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा, ह्नतलाक के कारण मैं जिंदगी में उदास थी। मेरे लिए इससे उबरना बहुत मुश्किल था। पूजा भट्ट ने शादी टूटने के बारे में कहा, ह्नशादी के 11 साल बाद अपने पति को तलाक देने का मेरा निर्णय था, लेकिन वो मेरे लिए सबसे बुरा समय था। मैं इस दुनिया को जारी नहीं रखना चाहती थी। मैं अपनी जिंदगी आराम से बिताना चाहती थी। मेरा पति बुरा नहीं है, लेकिन मुझे लगा कि मैं खुद को खो रही हूं और यह मेरे या दूसरों के लिए अच्छा नहीं है। हम ये सोच कर अलग हो गए कि झूठ में क्यों जीना। यह कोई ड्रेस रिहर्सल नहीं था, आपको केवल एक मौका मिलता है। पूजा भट्ट और मनीष मखीजा 2003 में शादी के बंधन में बंधे। उन्होंने प्रेम विवाह किया था। मनीष एक भारतीय वीजे और मुंबई में एक रेस्टोरेंट के मालिक हैं। पूजा और मनीष अपनी पहली मुलाकात के बाद अच्छे दोस्त बन गए। इसके बाद उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया। महज दो महीने डेट करने के बाद दोनों ने एक-दूसरे से शादी कर ली। हालांकि, शादी के 11 साल बाद यानी 2014 में दोनों अलग हो गए।

'जेलर' का काम पूरा कर रजनीकांत आध्यात्मिक यात्रा पर जाएंगे हिमालय

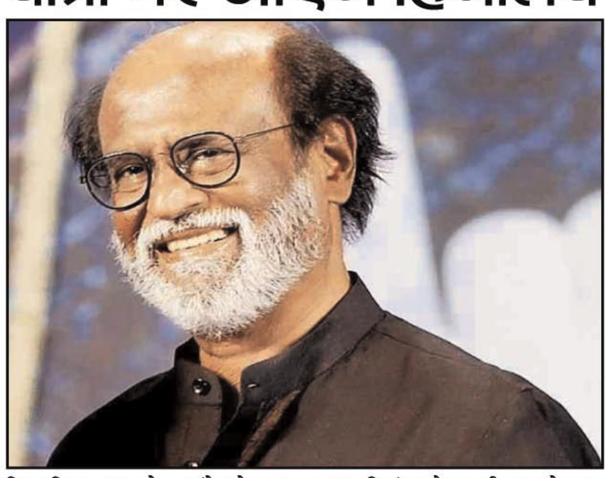

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर' काफी चर्चा में है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को पूरा करने के बाद रजनीकांत कुछ शांति के लिए हिमालय की आध्यात्मिक यात्रा पर जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'जेलर' से जुड़े सारे काम निपटाने के बाद रजनीकांत 6 या 7 अगस्त को अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकलेंगे। रजनीकांत का आध्यात्म से गहरा रिश्ता है। हर फिल्म के बाद रजनीकांत मन की शांति के लिए हिमालय चले जाते हैं। लेकिन 2010 में कुछ चिकित्सीय कारणों से उन्हें हिमालय जाने की यह परंपरा बंद करनी पड़ी।

2018 में उन्होंने फिल्म 'काला' और '2.0' के बाद अपनी आध्यात्मिक यात्रा फिर से शुरू की। हालांकि, कोविड के कारण इसमें फिर दो साल के लिए ब्रेक लग गया। अब 'जेलर' की शूटिंग पूरी होने के बाद रजनीकांत अपनी मानसिक शांति के लिए हिमालय चले जाएंगे। ये एक बेहतरीन एक्शन फिल्म होने वाली है। 'जेलर' में रजनीकांत के साथ जैकी श्रॉफ, शिवा राजकुमार, सुनील, तमन्ना भाटिया, राम्या कृष्णन, मिर्ना मेनन, योगी बाबू और विनायकन प्रमुख भूमिका में हैं। रजनीकांत को यात्रा करना बहुत पसंद है। कुछ दिन पहले वह छुट्टियां मनाने मालदीव गए थे। इस-के बाद वह 'जेलर' के ऑडियो लॉन्च के लिए चेन्नई लौट आए। 'जेलर' के अलावा रजनीकांत की दूसरी फिल्म जिसने लोगों का ध्यान खींचा है वह है स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'लाल सलाम।' इस फिल्म का निर्देशन उनकी बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत करेंगी।

सूडोकु नवताल- 6510

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6509 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7257

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति

शब्दजाल - 7256 का हल

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	त्री
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ॠ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6210

	7		5	1	6	
	33	1	25		31	
1		6		3		5
5	39		31	6	34	
	7		3			1
2	36	7	36	7	30	2
	1	3		4		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6209 का हल

7	3	2	4	1	6	5
3	30	1	24	2	30	6
6	5	3	4	7	1	2
5	35	6	37	3	29	1
4	1	5	3	6	2	7
2	31	7	40	4	33	4
1	7	4	6	5	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान, बुमराह कप्तान : रोहित-कोहली और पंड्या समेत सभी सीनियर प्लेयर्स को आराम

मुंबई।

18 अगस्त से शुरू हो रहे आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। करीब एक साल बाद चोट से वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या जैसे सभी सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है। यह सीरीज टीम इंडिया के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे जसप्रीत बुमराह वापसी कर रहे हैं। भारतीय टीम को अगले महीने एशिया कप और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड कप खेलना है। ऐसे में बुमराह की फॉर्म के साथ वापसी होती है तो टीम मजबूत होगी।

टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ तीन टी-20 मुकाबले खेलेगी। टीम कैरेबियाई दौरे से सीधे आयरलैंड के लिए रवाना होगी।

रोहित, कोहली, पंड्या जैसे सीनियर्स को आराम

भारतीय सिलेक्टर्स ने आयरलैंड दौरे के लिए कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या जैसे लगभग सभी सीनियर्स को आराम दिया है, जबकि तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा जैसे आईपीएल स्टार्स को टीम में मौका दिया गया है। इन सभी ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था।

10 माह बाद टीम में वापसी कर रहे हैं बुमराह

जसप्रीत बुमराह करीब एक साल के बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। वे पीठ की चोट के बाद रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी बैक सर्जरी भी कराई थी। बुमराह ने आखिरी मुकाबला 25 सितंबर 2022 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैदराबाद में खेला था।

चोट के कारण एशिया कप, टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल से दूर रहे बुमराह

बुमराह बेंगलुरु में रिहैब कर रहे हैं। वे सितंबर 2022 से क्रिकेट से दूर हैं। बुमराह बैक इंजरी की वजह से पिछले साल टी-20 एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

आयरलैंड दौरे के लिए घोषित भारतीय टीम

जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

न्यूज ब्रीफ

जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एक्सपेरिमेंट्स का बचाव किया: कहा- एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप से पहले बदलाव करने का सही अवसर

नई दिल्ली । टीम इंडिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिनिदाद में 3 वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलना है। टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, वर्ल्ड कप और एशिया कप के लिए टीम मैनेजमेंट और कप्तान टीम को लेकर क्लियर है। किसी तरह का कोई कन्फ्यूजन नहीं है। कप्तान और टीम मैनेजमेंट को पता है कि वर्ल्ड कप में किसे मौका देना है। बदलाव को लेकर किसी तरह का कन्फ्यूजन नहीं है। उन्होंने आगे कहा, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अलग-अलग खिलाड़ियों को अलग-अलग नंबर पर मौका देकर उनके प्रदर्शन को देखा जा रहा है। ऐसा नहीं कि हमने कुछ बदलाव किए और दूसरा वनडे हार गए। कई बार विकेट अैर परिस्थितियों के कारण भी ऐसा होता है। एक मैच में हार के बाद टीम मैनेजमेंट परेशान नहीं है। जडेजा ने कहा कि एशिया कप और वर्ल्ड कप से पहले वेस्टइंडीज के साथ तीन वनडे मैचों की सीरीज अहम है। जहां हम अलग-अलग खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं और उनकी क्षमता को परख सकते हैं। बड़े टूर्नामेंट में हम अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन के साथ ही उतरेंगे।

क्रिकेटर ऋषभ पंत को ठगने वाले मोहली से गिरफ्तार: एडीजीपी बन जालंधर के ट्रैवल एजेंट को ठगा, होटल में कमरे बुक कराए, हवाई टिकटें लीं

जालंधर। पंजाब की मोहाली जिला पुलिस ने क्रिकेटर ऋषभ पंत से ठगी करने वाले 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। अब ठगों ने एडीजीपी अलोक कुमार बनकर जालंधर के एक ट्रैवल एजेंट से लाखों रुपए ठगे। ट्रैवल एजेंट की शिकायत पर जब मोहाली पुलिस ने जांच की तो फरीदाबाद सेक्टर-17 निवासी निरनाथ उर्फ मृणांक और पानीपत निवासी राघव गोयल हत्थे चढ़ गए। ठगों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि जालंधर के ट्रैवल एजेंट विजय सिंह डोगरा से 5.76 लाख की ठगी करने से पहले वह मुंबई में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी ऋषभ पंत से भी धोखाधड़ी कर चुके हैं। निरनाथ उर्फ मृणांक सिंह ने पूछताछ में बताया कि उसने क्रिकेटर ऋषभ पंत से 1.63 लाख रुपए ठगे थे। उसके खिलाफ मुंबई में केस दर्ज हुआ था और वह जमानत पर छूट कर आया था। जालंधर बीएमसी चौक के पास ट्रैवल एक्सपर्ट्स वैकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से ऑफिस चलाने वाले विजय सिंह डोगरा ने पुलिस को शिकायत दी। उसे एक फोन आया कि वह एडीजीपी चंडीगढ़ आलोक कुमार बोल रहा हूं। उसे चंडीगढ़ से दिल्ली फ्लाइट की टिकटें और वहां पर होटल में कमरा बुक करवा दें। विजय सिंह ने टिकट भी भेज दी और कमरा भी बुक करवा दिया।

कोच्चि और मुंबई ने प्रो पंजा लीग में हासिल की दूसरी जीत, रोहतक और लुधियाना को मिली शिकस्त

नई दिल्ली। प्रो पंजा लीग के पहले सीजन के चौथे दिन कोच्चि केडीज और मुंबई मसल टीमों ने बड़ी जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में लुधियाना लायंस का मुकाबला कोच्चि केडीज से हुआ। लुधियाना लायंस के लिए सबसे पहले 100 प्लस किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में दिलशाद एमए का मुकाबला कोच्चि केडीज के मजाहिर सैदु से हुआ। मजाहिर ने पूरे एकाधिकार के साथ मुकाबला जीतकर अपनी टीम को खुशी मनाने का मौका दिया और कोच्चि केडीज के लिए 10 बोनस अंक अर्जित करने के लिए चैलेंजर राउंड भी जीता। इसके बाद, लुधियाना लायंस के विश्वजीत डोली का 100 प्लस किग्रा वर्ग के मुकाबले में कोच्चि केडीज के प्रसेनजीत पात्रा से मुकाबला हुआ। पहले राउंड में, प्रसेनजीत ने जीत हासिल करने के लिए अपने फोरहैंड पावर का इस्तेमाल किया और फिर दूसरे राउंड में, प्रसेनजीत ने विश्वजीत द्वारा किंग के मूव को रोक दिया, लेकिन विश्वजीत अपने अनुभव से लुधियाना लायंस के लिए एक अंक सुरक्षित करने में सफल रहे।

आईसीसी ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप का पोस्टर रिलीज किया

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 5 अक्टूबर को खेला जाएगा; भारत का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया से

नई दिल्ली ।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले 2023 वनडे वर्ल्ड कप का पोस्टर रिलीज कर दिया है। पोस्टर में ट्रॉफी के साथ टूर्नामेंट में खेलने वाली सभी 10 टीमों के कप्तान दिख रहे हैं। ट्रॉफी के सबसे करीब इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। ऑस्ट्रेलिया पांच बार की वनडे वर्ल्ड कप विजेता है, जबकि इंग्लैंड मौजूदा चैंपियन है। बटलर के बाईं ओर भारत के कप्तान रोहित शर्मा हैं, उनके बाद अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी, श्रीलंका के दासुन शनाका और न्यूजीलैंड के टॉम लाथम हैं। कमिंस के दाईं ओर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, बांग्लादेश के तमीम इकबाल और नीदरलैंड के स्कॉट एडवर्डस हैं। इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी।

टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर से

टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड और रनर-अप न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ होगी। फाइनल मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा। टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मैच, यानी भारत-पाकिस्तान मुकाबला भी 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही होगा।

भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा

भारत ने आखिरी बार 2011 में घरेलू धरती पर वनडे वर्ल्ड कप जीता था। वहीं 2015 में ऑस्ट्रेलिया और 2019 में इंग्लैंड ने खिताब जीता है। भारत के वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले के साथ होगी। यह मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल 15 नवंबर को मुंबई में और दूसरा अगले दिन कोलकाता में होगा। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे होंगे और तीनों डे-नाइट मैच होंगे।

वेरस्टैपेन बोले जीत का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा

स्पा । बेल्जियम जीपी जीतने से उत्साहित रेड बुल टीम के चालक मैक्स वेरस्टैपेन ने कहा है कि फॉर्मूला 1 में जीत की लय से उनका उत्साह बना रहता है जिसे वह आगे भी जारी रखेंगे। वेरस्टैपेन ने बेल्जियम जीपी में में छठे स्थान से शुरुआत की थी पर लैप 17 में बढ़त लेकर वह टीम के साथी खिलाड़ी सर्जियो पेरेज के मुकाबले 22 सेकंड से जीत हासिल करने में सफल रहे थे। यह इस सत्र में चैंपियनशिप विजेताओं की लगातार आठवीं जीत है। वह सेबेस्टियन वेट्टेल से केवल एक ही जीत पीछे हैं, जिनके नाम लगातार नौ जीत का रिकॉर्ड है। वेरस्टैपेन 314 अंकों के साथ चालकों की सूची में शीर्ष पर हैं, उनके साथी पेरेज को 189 अंकों के साथ दूसरा स्थान मिला है। वेरस्टैपेन ने कहा कि मैं निश्चित रूप से इस पल का आनंद ले रहा हूं पर साथ ही मुझे पता है कि एक बिंदु पर यह आकर रुक जाएगा, इसलिए हम आनंद लेने, सीखते रहने, सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इसे अगली रेस के लिए फिर से लागू करने के प्रयास कर रहा हूं।

मुंबई में होगा मॉनसून पिकलबॉल चैंपियनशिप का आयोजन, 24 से 27 अगस्त तक चलेगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली ।

अग्रणी खेल प्रबंधन और प्रतिभा प्रतिनिधित्व एजेंसी कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट ने मुंबई में मॉनसून पिकलबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए ग्लोबल स्पोर्ट्स के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 24 से 27 अगस्त तक गोरेगांव के नेस्को सेंटर में होगा। 2023 में दो सफल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा चुका है। गोवा में मई के महीने में आयोजित इंडियन ओपन में 370 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रसिद्ध लेखक-निर्देशक शशांक खेतान भारत में पिकलबॉल को बढ़ावा देने की पहल कर रहे हैं। बॉलीवुड फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, गोविंदा नाम मेरा, और धड़क जैसी फिल्मों में उनके काम को सराहा गया है। वह करण जौहर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लेखक भी हैं।

मुंबई में 600 से ज्यादा प्रतिभागी होंगे शामिल

मॉनसून पिकलबॉल चैंपियनशिप का तीसरा संस्करण एक बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट है जिसमें भारत के 600 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। टूर्नामेंट में एकल, युगल और मिश्रित युगल सहित विभिन्न प्रकार के डिवीजन शामिल होंगे। इसका प्राइज-पूल 15 लाख रुपये है। इस दौरान बॉलीवुड के कई स्टार रोमांचक प्रदर्शनी मैच के दौरान नजर आते हैं।

कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट के साथ साझेदारी करके हम खुश: शशांक खेतान

ग्लोबल स्पोर्ट्स के पार्टनर शशांक खेतान ने कहा, हमारा साझा दृष्टिकोण पिकलबॉल को भारत में प्रसिद्ध करना है। हम मॉनसून पिकलबॉल चैंपियनशिप के लिए कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। यह सहयोग भारत में पिकलबॉल को बढ़ावा देने और वैश्विक मंच पर खेल की क्षमता को प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। पिकलबॉल में बढ़ती रुचि के साथ हम चैंपियनशिप की सफलता को देखने और अधिक लोगों को इस रोमांचक खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की टी-20 टीम जारी: निकोलस पूरन की वापसी; पहला मैच 3 अगस्त को

नई दिल्ली ।

वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे पर 3 अगस्त से टी-20 सीरीज का पहला मैच खेलेगी। टीम इंडिया पहले ही टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर चुकी है। वेस्टइंडीज ने टी-20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। टीम में निकोलस पूरन की वापसी हुई है। पूरन वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं थे। इस सीरीज में टीम की कप्तानी रोवमैन पॉवेल और काइल मेयर्स को उपकप्तानी सौंपी गई है। टीम मे शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर और ओडियन स्मिथ जैसे शानदार टी-20 क्रिकेट के खिलाड़ी भी मौजूद हैं।

मेजर लीग क्रिकेट के फाइनल में पूरन की शानदार पारी - निकोलस पूरन ने 30 जुलाई को मेजर लीग क्रिकेट के फाइनल में 55 गेंदों पर 137 रनों की धुआंधार पारी खेली थी। पूरन ने सेटल ऑर्कास के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में 13 छक्के लगाकर एमआई न्यूयॉर्क को जीत दिलाते हुए चैंपियन बनाया था।

वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है - वेस्टइंडीज और भारत के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3 अगस्त से शुरू होगी। सीरीज के आखिरी दो मैच अमेरिका में खेले जाने हैं। दोनों टीमों के बीच तीनों फॉर्मेट की सीरीज 2 टेस्ट से शुरू हुई।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज का टी-20 स्क्वॉड - रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मेयर्स (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, ओबेड मैकॉय, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ और ओशेन थॉमस।

भारत का टी-20 स्क्वॉड: हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव (उप कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान, मुकेश कुमार।

बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत: नाबालिग ने कोर्ट में कहा- दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट से उन्हें कोई दिक्कत नहीं, 6 सितंबर को अदालत सुनाएगी फैसला

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को नाबालिग से यौन शोषण के केस में बड़ी राहत मिली है। इसमें नाबालिग पहलवान व उसके पिता ने अपना जबाब दायर किया है। उन्होंने इसमें कहा कि दिल्ली पुलिस की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। नाबालिग ने इस रिपोर्ट का कोई विरोध नहीं किया। कथित पीड़िता और उसके पिता ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश छवि कपूर के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि वे पुलिस जांच से संतुष्ट हैं और मामले में दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट का विरोध नहीं करते। लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि अदालत ने मामले में उनके बयान दर्ज करने के बाद 6 सितंबर के लिए अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। उन्होंने कहा कि 6 सितंबर को अदालत यह फैसला सुनाएगी कि मामले को रद्द करने की अपील वाली पुलिस की रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए या नहीं। दिल्ली पुलिस ने 15 जून को अदालत के समक्ष एक रिपोर्ट दायर कर नाबालिग पहलवान द्वारा दर्ज कराए गए मामले को खारिज करने की अपील की थी।

एक माह पहले मांगा था कोर्ट ने जबाब

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ नाबालिग पहलवान के बयानों पर दर्ज केस की क्लोजर रिपोर्ट पर 1 माह पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

कैंसिलेशन रिपोर्ट पर चर्चा के बाद कोर्ट ने बयान बदलने पर नाबालिग पहलवान और उसके पिता को नोटिस जारी कर बयान बदलने की वजह पूछी है। कोर्ट ने 1 अगस्त तक जवाब मांगा था।

इस दौरान जज ने कहा कि कोर्ट नाबालिग का पक्ष जनना चाहता है। नाबालिग के पक्ष आने के बाद ही कोर्ट केस को रद्द करने पर फैसला लेगा।

कुछ दिन पहले नाबालिग पहलवान ने कोर्ट में भी अपने बयानों को बदलते हुए कहा था मामला यौन शोषण का नहीं, भेदभाव का है। उसने झूठी शिकायत दी थी।

इस पर दिल्ली पुलिस ने 15 जून को कोर्ट में कैंसिलेशन रिपोर्ट दायर की थी। इसमें कहा था कि जांच में यौन शोषण के कोई सबूत नहीं मिले हैं। इसलिए इस केस को बंद कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा भी बता चुकी हैं कि मामले में हमने शिकायतकर्ता यानी पीड़ित के पिता और खुद पीड़ित के बयानों के आधार पर मामले को रद्द करने के लिए कोर्ट से अपील की है। कोर्ट में नाबालिग पहलवान के दो बार बयान दर्ज किए गए। कोर्ट तय करेगा कि बृजभूषण के खिलाफ केस चलेगा या नहीं। पुलिस ने 550 पन्नों की रिपोर्ट दाखिल की है।

इंग्लैंड ने पांचवां ऐशेज टेस्ट जीता

अली-वोक्स ने दूसरी पारी में झटके 7 विकेट, सीरीज 2-2 से ड्रॉ; ऑस्ट्रेलिया रखेगा ट्रॉफी

लंदन।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंदन के ओवल मैदान में ऐशेज सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट खेला गया। मुकाबले में इंग्लैंड ने टेस्ट 49 रन से जीत कर सीरीज 2-2 से बराबर की। चौथा टेस्ट बारिश के कारण ड्रॉ हो गया था। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल सीरीज पर कब्जा जमा लिया। ऐशेज की ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास ही रहेगी क्योंकि टीम ने पिछली ऐशेज सीरीज जीती थी। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 395 रन बना कर ऑस्ट्रेलिया को 384 रन का टारगेट दिया था। पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत तो ठीक की, लेकिन आखिरी में 334 रन बना कर टीम ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स और स्पिनर मोईन अली ने मिल कर 7 विकेट झटके और पूरा गेम पलट दिया।

2015 से ऐशेज ऑस्ट्रेलिया के ही पास

2015 के बाद से ऑस्ट्रेलिया एक भी ऐशेज सीरीज नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2017/18 ऐशेज जीत के बाद से अपना दबदबा बनाया और इंग्लैंड में 2019 में केवल एक बार सीरीज ड्रॉ की। 2021 में भी ऑस्ट्रेलिया ने अपने घर में इंग्लैंड को 4-0 से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के लगातार विकेट गिरे

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर्स ने पांचवें दिन का खेल आगे बढ़ाया। डेविड वार्नर और उस्मान ख्वाजा के बीच 140 रन की पार्टनरशिप हुई। वार्नर 60 रन बना कर पवेलियन लौटे। वार्नर के विकेट के दो ओवर बाद ही उस्मान ख्वाजा भी 72 रन बना कर क्रिस वोक्स की बॉल पर आउट हो गए। इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड के बीच 95 रन की मजबूत पार्टनरशिप हुई। ऐसा लग रहा था की ऑस्ट्रेलिया यह मैच आसानी से जीत लेगा। ट्रेविस हेड 43 रन बना कर आउट हुए। उनके आउट होते ही टीम के विकेट गिरते ही चले गए। हेड के विकेट के बाद अगले ही ओवर में स्मिथ भी 54 रन बना कर पवेलियन लौटे। मिचेल मार्श 6 रन और मिचेल स्टार्स 0 रन बना कर आउट हो गए। कप्तान पैट कमिंस भी 9 रन ही बना सके। एक छोर पर विकेट गिरते रहे और दूसरे छोर पर विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी डंटे रहे। टॉड मर्फी और एलेक्स कैरी के बीच 35 रन की पार्टनरशिप हुई। लेकिन, स्टुअर्ट ब्रॉड ने पहले टॉड मर्फी को आउट किया और फिर एलेक्स कैरी के रूप में आखिरी विकेट ले कर इंग्लैंड को मैच जिता दिया।

वोक्स ने दिलाई वापसी

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर्स डेविड वार्नर और उस्मान ख्वाजा के बीच 140 रन की अटूट पार्टनरशिप हो चुकी थी। इसके बाद मार्क वुड ने नई बॉल से वार्नर और ख्वाजा के विकेट ले कर इंग्लैंड को वापसी दिलाई। इसके बाद उन्होंने स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भी चलता किया।

दूसरे छोर से मोईन अली ने ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श और पेट कमिंस की विकेट ली। मार्क वुड ने मार्नस लबुशेन को आउट किया। अपना आखिरी मैच खेल रहे स्टुअर्ट ब्रॉड ने आखिरी दो विकेट लिए।

यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादडों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएएनएस को बताते हैं कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

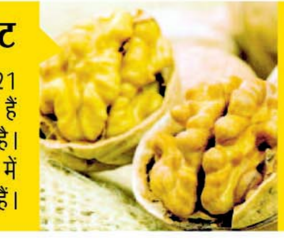

प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाएं रखने में मदद करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतों में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या हैं।

कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाएं तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनो से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जानें कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई होदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्त्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्त्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस अपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदाथों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती हैं, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। ज़रूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोटल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणु ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नॉजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोटल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

पपीता और दही: पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

अंडे का मास्क: अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट: दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

शहद के साथ दही: यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसके और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पशिचमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

रेसिपी

ब्रेड कटलेट

सामग्री

4 ब्रैड स्लाइस, 1 आलू (उबला हुआ), आधा कप मटर (उबले हुए), 1 गाजर (कद्दूकस की हुई), 1 कप गोभी (कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा), 1 हरी मिर्च (कटी हुई), आधा चम्मच अदरक (कसा हुआ), गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार, पानी, 3-4 पनीर (टुकडों में कटा)

विधि

एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज, अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर, मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1-2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू, ब्रेड क्रम्स, नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिकी का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तले। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

पास्ता बटर मसाला

सामग्री

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन (पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक (पिसा हुआ), 1 टमाटर (कटा हुआ), 2 प्याज (कटे हुए), 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी, 2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल, 1 छोटा चम्मच हरा धनिया (कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में थोडा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल, पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोडा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करके इलमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा हाने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्रायः 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)